हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● रविवार ● 01.09.2024 ● वर्ष : 15 ● अंक : 43 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3~~ 2 रुपये

महिलाओं पर अत्याचार के मामलों में जल्द होने चाहिए फैसले : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि महिलाओं के खिलाफ अत्याचार और बच्चों की सुरक्षा आज समाज में एक गंभीर चिंता का विषय है। देश में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई सख्त कानून बनाए गए हैं। महिलाओं पर अत्याचार से जुड़े मामलों में जितनी जल्दी फैसले होंगे, आधी आबादी को उतना ही सुरक्षा का आश्वासन मिलेगा। प्रधानमंत्री आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 2019 में सरकार ने फास्ट-ट्रैक विशेष अदालतें स्थापित करने की योजना बनाई थी। फास्ट ट्रैक विशेष अदालतों के तहत महत्वपूर्ण गवाहों के लिए गवाही केंद्र का प्रावधान है। उन्होंने फास्ट-ट्रैक विशेष अदालतों के तहत जिला निगरानी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया, जिसमें जिला न्यायाधीश, जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि आपराधिक न्याय प्रणाली के विभिन्न पहलुओं के बीच समन्वय बनाने में समिति की भूमिका महत्वपूर्ण थी। उन्होंने इन समितियों को और अधिक सक्रिय बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रधानमंत्री ने जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर भारत के सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में डाक टिकट और सिक्के का भी अनावरण किया।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय सम्मेलन में जिला न्यायपालिका से संबंधित मुद्दों जैसे कि बुनियादी ढांचे और मानव संसाधन, सभी के लिए समावेशी न्यायालय, न्यायिक सुरक्षा और न्यायिक कल्याण, केस प्रबंधन और न्यायिक प्रशिक्षण पर विचार-विमर्श और चर्चा के लिए पांच कार्य सत्र आयोजित किए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय की 75 वर्षों की यात्रा लोकतंत्र की जननी के रूप में भारत की महिमा को बढ़ाती है। यह सत्यमेव जयते, नानृतम् के

सांस्कृतिक उद्घोष को मजबूत करता है। उन्होंने इस अवसर पर न्यायिक प्रणाली की सभी बिरादरी और भारत के नागरिकों को बधाई दी और जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने वालों को अपनी शुभकामनाएं भी दीं।

प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया, न्यायपालिका को हमारे लोकतंत्र का संरक्षक माना जाता है। मोदी ने इसे अपने आप में एक बड़ी जिम्मेदारी बताते हुए इस दिशा में अपनी जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने आगे कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने मौलिक अधिकारों पर होने वाले हमलों से भी रक्षा की और जब भी राष्ट्रीय सुरक्षा का सवाल आया, न्यायपालिका ने राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखते हुए भारत की एकता और अखंडता की रक्षा की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि न्याय तक सरल और आसान पहुंच जीवन की सुगमता के लिए अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि यह तभी संभव हो सकता है, जब जिला अदालतें आधुनिक बुनियादी ढांचे और प्रौद्योगिकी से सुसज्जित हों। प्रधानमंत्री मोदी ने जिला अदालतों में लगभग 4.5 करोड़ मामलों के लंबित होने की ओर इशारा करते हुए कहा कि न्याय में इस देरी को खत्म करने के लिए पिछले दशक में कई स्तरों पर काम किया गया है। उन्होंने बताया कि देश ने न्यायिक बुनियादी ढांचे के विकास के लिए लगभग 8 हजार करोड़ रुपये खर्च किए हैं। उन्होंने आगे कहा कि पिछले 25 वर्षों में न्यायिक बुनियादी ढांचे पर खर्च किया गया 75 प्रतिशत धन केवल पिछले 10 वर्षों में हुआ है। उन्होंने कहा कि इन 10 वर्षों में जिला न्यायपालिका के लिए 7.5 हजार से अधिक कोर्ट हॉल और 11 हजार आवासीय इकाइयां तैयार की गई हैं।

ई-कोर्ट के महत्व को रेखांकित करते हुए मोदी ने कहा कि प्रौद्योगिकी के हस्तक्षेप ने न केवल न्यायिक प्रक्रियाओं को तेज किया है बल्कि वकीलों से लेकर शिकायतकर्ताओं तक की समस्याओं को भी तेजी से कम किया है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि देश में अदालतों का डिजिटलीकरण किया जा रहा है और सुप्रीम कोर्ट की ई-समिति इन सभी प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

प्रधानमंत्री ने सुप्रीम कोर्ट के मार्गदर्शन में जिला न्यायपालिका को नई प्रणाली में प्रशिक्षित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का भी आग्रह किया। उन्होंने जजों और वकील साथियों को भी इस अभियान का हिस्सा बनने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि जनता को इस नई प्रणाली से परिचित कराने में हमारे वकीलों और बार एसोसिएशनों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

एक नजर

हरियाणा में अब पांच अक्टूबर को होगा मतदान

चंडीगढ़ : भारतीय चुनाव आयोग ने हरियाणा के लिए मतदान की तारीख को 1 अक्टूबर से 5 अक्टूबर, 2024 तक संशोधित किया है। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए मतगणना की तारीख को 4 अक्टूबर से 8 अक्टूबर, 2024 तक संशोधित किया है। यह निर्णय बिश्नोई समुदाय के मतदान के अधिकार और परंपराओं दोनों का सम्मान करने के लिए लिया गया है, जिन्होंने अपने गुरु जम्भेश्वर की याद में आसोज अमावस्या उत्सव समारोह में भाग लेने की सदियों पुरानी प्रथा को बरकरार रखा है। बता दें कि तारीखों के बदलाव के लिए लगातार मांग हो रही थी।

कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष और सदस्य पहुंचे रांची

रांची : आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस की ओर से गठित स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष गिरीश चोड़ानकर और सदस्य प्रकाश जोशी और पूनम पासवान शनिवार को रांची पहुंचे। रांची स्थित सर्किट हाउस में बुके देकर प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, विधायक दल नेता सह वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव, पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज साहू, पूर्व सांसद अजय कुमार, धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष जयशंकर पाठक ने बुके देकर उनका स्वागत किया।

ग्रामीण विकास विभाग के प्रधान सचिव के बैंक खाता को फ्रीज करने का कोर्ट ने दिया आदेश

रांची : सिविल कोर्ट रांची स्थित कमर्शियल कोर्ट के स्पेशल जज चंद्रभानु कुमार की अदालत ने शनिवार को ग्रामीण विकास विभाग, झारखंड सरकार के प्रधान सचिव के बैंक खाता को फ्रीज करने का आदेश दिया है। आदेश का अनुपालन करते हुए सिविल कोर्ट रांची के नाजिर जीशान इकबाल के नेतृत्व में एक टीम ग्रामीण विकास विभाग के प्रधान सचिव का हटिया स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के बैंक खाता को फ्रीज कर दिया है। ग्रामीण विकास विभाग के प्रधान सचिव के उक्त बैंक खाते से डिग्री होल्डर अनिल शर्मा का एक करोड़ 90 लाख 21 हजार 244 और 93 पैसा की वसूली के लिए फ्रिज किया गया है। अदालत के आदेश का पालन करते हुए नजीर रांची की टीम ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया हटिया शाखा के शाखा प्रबंधक को कोर्ट का आदेश की प्रति सौंपते हुए कोर्ट के निर्देश का पालन करने का भी निर्देश दिया।

झामुमो के पूर्व विधायक लोबिन हेम्ब्रम भाजपा में हुए शामिल, बोले-

अब शिबू सोरेन वाली पार्टी नहीं है झामुमो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : बोरियो के पूर्व विधायक लोबिन हेम्ब्रम शनिवार को भाजपा में शामिल हो गए। हेम्ब्रम ने झारखंड मुक्ति मोर्चा पर पथ से भटकने का आरोप लगाते हुए कहा कि झामुमो अब शिबू सोरेन वाली पार्टी नही रह गई। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय मंत्री अमित शाह पर विश्वास जताते हुए भाजपा में शामिल होने की बात कही।

शनिवार को पार्टी के प्रदेश कार्यालय पर आयोजित मिलन समारोह में झारखंड मुक्ति मोर्चा के पूर्व नेता लोबिन हेम्ब्रम ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। हेम्ब्रम को झारखंड विधानसभा चुनाव (भाजपा) के सह प्रभारी हिमंता विश्वा सरमा, प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन, विधायक सीता सोरेन, पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने संयुक्त रूप से पूर्व विधायक हेम्ब्रम को भाजपा का पटका पहना कर पार्टी की सदस्यता ग्रहण करवाई। इस मौके पर लोबिन हेम्ब्रम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर विश्वास जताते हुए वे भाजपा में शामिल हुए हैं। शिबू सोरेन गुरुजी को लेकर उन्होंने कहा कि मैं आज भी उनका भक्त हूं। उन्होंने उंगली पकड़कर मुझे राजनीति सिखाया है, लेकिन गुरुजी के समय जो झारखंड मुक्ति मोर्चा था, वो अब नहीं रहा। यहां वरिष्ठ और पुराने नेताओं का अपमान किया जा रहा है। उस वक्त

मिलन समारोह में भाजपा की सदस्यता ग्रहण करते पूर्व विधायक लोबिन हेम्ब्रम

जो तीर-धनुष में दम था वो आज नहीं है। उन्होंने कहा कि जेएमएम को सजाने और संवारने का काम ईमानदारी से किया है, लेकिन आज झारखंड मुक्ति मोर्चा शिबू सोरेन वाली पार्टी नहीं है। उनके बेटे हेमंत सोरेन ने पार्टी के मूल आदर्शों को विलुप्त कर दिया है। उन्होंने बताया कि कैसे हेमंत सोरेन ने शिबू सोरेन के शराबबंदी के फैसले के बाद भी राज्य में छत्तीसगढ़ वाला मॉडल को लागू किया।

संथाल परगना की बदल रही है डेमोग्राफी

घुसपैठ मामले में लोबिन ने कहा कि संथाल परगना में बांग्लादेशीघुसपैठियों का कब्जा है। घुसपैठिये आदिवासियों की जमीनें छीन ले रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड में लव जिहाद चल रहा है। यह दुर्गति की तरफ जा रहा है। भाजपा के पक्ष लेते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा आदिवासियों का मान-सम्मान करती है। राज्य की जनता भी यह समझ रही है। पार्टी के साथ मिलकर आदिवासियों के हक के लिए लड़ाई लड़ेंगे।

छह साल के लिए निष्कासित कर चुका है झामुमो

उल्लेखानीय है कि एक महीने पहले दलबदल के आरोप में स्पीकर कोर्ट ने लोबिन हेंब्रम की सदस्यता खत्म कर दी थी। लोबिन ने पार्टी लाइन से हटकर निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में राजमहल लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था। इस वजह से पार्टी ने भी उन्हें छह साल के लिए निष्कासित कर दिया था। लोबिन की गिनती राज्य में आदिवासी नेता के रूप में होती है। लोबिन से एक दिन पहले 30 अगस्त को राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और झामुमो के कदावर नेता रहे चम्पाई सोरेन भी भाजपा में शामिल हो गए थे।

झामुमो में आंदोलनकारियों का अपमान, दलाल व बिचौलिए हो रहे मालामाल : बाबूलाल मरांडी

भाजपा में लगातार शामिल होने वालों का तांता लगा हुआ है। पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के शुक्रवार को भाजपा में शामिल होने के बाद रविवार को झामुमो के कद्दावर नेता पांच बार से विधायक रहे लोबिन हेंब्रम ने भी आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड की फिजा बदल रही है। परिवर्तन की बयार बह रही है। आज अलग राज्य के लिए खून पसीना बहाकर आंदोलन को सींचने वाले अपमानित हो रहे और दलाल बिचौलिए सत्ता का सुख भोगते हुए मालामाल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन्हें झारखंड का दर्द है, जिन्हें मिट्टी से प्यार है, संस्कृति को बचाना चाहते हैं, वे झामुमो छोड़कर भाजपा में आ रहे। उन्होंने कहा कि चंपाई सोरेन, लोबिन हेंब्रम,जैसे लोगों में यही भरोसा और विश्वास बढ़ा। उन्होंने कहा कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई ने अपनी सरकार में अलग झारखंड राज्य का सपना साकार किया।

उन्होंने कहा कि भाजपा का इरादा मजबूत है। पार्टी जो कहती है वही करती है। इस बात को लोविन हेंब्रम ने भी पहचाना। उन्होंने कहा कि भाजपा आदिवासी समाज के विकास केलिए संकल्पित है,समर्पित है। अटल ने केंद्र में अलग जनजाति मंत्रालय का गठन किया। संथाली भाषा को संविधान की 8 वीं अनुसूची में शामिल कराया। आज नरेंद्र मोदी की सरकार में सर्वाधिक जनजाति समाज के मंत्री हैं। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर न सिर्फ राज्य का गठन हुआ बल्कि मोदी सरकार ने बिरसा जयंती को जनजाति गौरव दिवस भी घोषित किया। आज देश की राष्ट्रपति संथाल आदिवासी समाज की बेटी द्रौपदी मुर्मू हैं। उन्होंने कहा कि जनजाति समाज में भाजपा के प्रति विश्वास रोज बढ़ रहा है। मरांडी ने लोबिन हेंब्रम को हस्ताक्षरित सदस्यता फॉर्म भी दिए।

ट्रेन समय से चले या न चले, लेकिन एक्सीडेंट समय से होता है : तेजस्वी यादव

एजेंसी

पटना : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को तीन वंदे भारत ट्रेनों की शुरूआत की। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि ट्रेन समय से चले या न चले, लेकिन एक्सीडेंट समय से होता है। इसके पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आने वाले दिनों में गरीब और मध्यम वर्गों के लिए रेलवे काम करती रहेगी। राजद नेता तेजस्वी यादव ने इसे लेकर भाजपा पर हमला किया। उन्होंने कहा कि रेलवे का पूरी तरीके से निजीकरण हो गया है और जहां तक गरीबों की बात है, उनके लिए, तो रेल मंत्री रहने के दौरान लालू प्रसाद यादव ने काम किया।

वो हर बजट में गरीबों के लिए किराया कम करते थे। रेलवे को 90 हजार करोड़ का मुनाफा दिलाया गया था। गरीब व्यक्ति एसी में सफर नहीं कर पाता था, उसके लिए गरीब रथ जैसी ट्रेन लालू जी ने चलाने का काम किया था। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री ने रेलवे की ऐसी स्थिति कर दी है कि ट्रेन समय से चले या न चले, लेकिन एक्सीडेंट समय से हो जाता है। हाल में एक्सीडेंट की ढेर सारी घटनाएं हो चुकी हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह द्वारा रेल दुर्घटनाओं के लिए स्लीपर सेल को जिम्मेदार ठहराने के जवाब में तेजस्वी यादव ने कहा कि पुल भी वही लोग उखाड़ रहे हैं। ट्रेनों का एक्सीडेंट भी वही लोग कर रहे हैं, जब सब चीज वही लोग कर दे रहे हैं, तो ये लोग सत्ता में क्यों बैठे हैं? कौन है दोषी? कौन ये सब कर रहा है? उन्हें पकड़े, सिर्फ बयानबाजी करने से काम नहीं होगा।

तेजस्वी यादव ने मंत्री अशोक चौधरी पर हमला करते हुए कहा कि ये लोग जातीय उन्माद पैदा करते हैं । एक नेता से कुछ बुलवाते हैं और दूसरे से कुछ और बुलवाते हैं। इन लोगों का चाल चरित्र ही ऐसा है। ये नकारात्मक लोग हैं। लोकतंत्र में कोई वोट नहीं दिया, तो उसका तिरस्कार करेंगे? लोकतंत्र में सबका अधिकार है, जिसका जिस पार्टी को मन है, उसको वोट देता है। हम सकारात्मक लोग हैं।

तेजस्वी ने कहा, भूमिहार समाज के कितने लोग बेरोजगार हैं, दलित समाज के कितने लोग बेरोजगार हैं, अशोक चौधरी और बिहार सरकार के अन्य मंत्री इस पर चर्चा क्यों नहीं करते हैं? उनकी आर्थिक स्थिति को कैसे सुधारा जाए, इस पर चर्चा होनी चाहिए। लेकिन ये लोग जनता के एक खास वर्ग को कह रहे हैं कि, तुम लोग वोट नहीं दिए हो, इसलिए हम तुम्हारा तिरस्कार करेंगे।

जब तक भारतीय रेलवे गरीब के लिए आरामदायक यात्रा की गारंटी नहीं देती, तब तक हम नहीं रुकेंगे : पीएम

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए तीन नई वंदे भारत ट्रेनों का उद्घाटन किया। लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को थैंक्यू कहा।

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 3 नई वंदे भारत ट्रेनों का उद्घाटन किया। ये ट्रेनें चेन्नई-नागरकोइल, मदुरै-बेंगलुरु और मेरठ-लखनऊ के बीच चलेंगी। तीन वंदे भारत ट्रेन शुरू होने से लोगों में काफी खुशी है। लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को थैंक्यू कहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आज उत्तर से दक्षिण तक देश की विकास यात्रा में एक नया अध्याय जुड़ रहा है। आज से वंदे भारत ट्रेन सेवा शुरू हो रही है। मेरठ-लखनऊ, मदुरै-बेंगलुरु और चेन्नई-नागरकोइल के बीच शुरू होगी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कहना है, ट्रेनों का यह विस्तार हमें विकसित भारत के हमारे दृष्टिकोण की ओर ले जा रहा है। ये तीन नई वंदे भारत ट्रेनें महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक को जोड़ेंगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, बीते 10 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आ सके हैं। बीते वर्षों में रेलवे ने अपनी मेहनत से दशकों पुरानी समस्याओं के समाधान की उम्मीद जगाई है। लेकिन हमें अभी इस दिशा में बहुत लंबा सफर तय करना है। हम तब तक नहीं रुकेंगे, जब तक भारतीय रेल गरीब, मध्यम वर्ग सभी के लिए सुखद यात्रा की गारंटी नहीं बन जाती।

मोदी ने कहा, वंदे भारत आधुनिक होती भारतीय रेलवे का नया चेहरा है। आज शहर में, हर रूट पर वंदे भारत की मांग है। हाई-स्पीड ट्रेनों के आने से लोगों में अपने व्यापार और रोजगार को, अपने सपनों को विस्तार देने का भरोसा जगता है। आज देशभर में 102 वंदे भारत रेलवे सेवाएं संचालन हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, बीते 10 वर्षों में इन राज्यों में रेलवे की विकास यात्रा इसका उदाहरण है। इस साल के बजट में हमने तमिलनाडु को 6 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा रेलवे बजट दिया है। ये बजट 2014 की तुलना में 7 गुना से अधिक है। इसी तरह कर्नाटक के लिए भी इस बार 7 हजार करोड़ से ज्यादा का बजट आवंटित हुआ है। ये बजट भी 2014 की तुलना में 9 गुना अधिक है।

लाओस में भारतीय दूतावास ने साइबर घोटाले में फंसे 47 भारतीयों को बचाया

एजेंसी

नयी दिल्ली : लाओस स्थित भारतीय दूतावास ने यहां बोकेओ प्रांत में गोल्डन ट्राइंगल स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एसईजेड) में साइबर-स्कैम केंद्रों में फंसे 47 भारतीयों को सफलतापूर्वक बचाया है। दूतावास ने अब तक 635 ??भारतीयों को बचाया है और उनकी सुरक्षित भारत वापसी सुनिश्चित की है।

एक विज्ञप्ति में दूतावास ने जानकारी देते हुए बताया है कि बचाए गए 47 भारतीयों में से 29 को स्थानीय अधिकारियों ने अवैध गतिविधियों पर की गई कार्रवाई के बाद दूतावास को सौंपा है। वहीं अन्य 18 ऐसे हैं जिन्होंने संकट में मदद मांगी थी।

दूतावास के अधिकारी राजधानी वियनतियाने से बोकेओ गए ताकि उनके बचाव के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से संपर्क किया जा सके। दूतावास ने बोकेओ से वियनतियाने तक परिवहन की व्यवस्था की। साथ ही वियनतियाने पहुंचने पर उनके लिए आवास और भोजन की व्यवस्था भी की।

लाओस में भारत के राजदूत प्रशांत अग्रवाल ने समूह के पहुंचने पर उनसे मुलाकात की। दूतावास ने उन्हें भारत भेजे जाने की सभी प्रक्रिया पूरी की है। इनमें से 30 भारत लौट रहे हैं या रास्ते में हैं। वहीं शेष 17 लोग यात्रा व्यवस्थाओं के पुख्ता होने का इंतजार कर रहे हैं और जल्द ही देश छोड़ देंगे।

राजदूत अग्रवाल ने इस बात पर जोर दिया कि भारतीयों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करना दूतावास के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता का मामला है। संकट में फंसे लोगों से प्राप्त सहायता के किसी भी अनुरोध पर तत्काल और तत्परता से विचार किया जाता है और सभी आवश्यक सहायता प्रदान की जाती है।

एक नजर

आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम संपन्न

बिष्णुगढ़ : हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ प्रखंड अंतर्गत पंचायत चेडरा एवं भेलवारा में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वारा कार्यक्रम के तहत शिविर का आयोजन अंचल अधिकारी नित्यानंद दास के निदेर्शानुसार दीप प्रज्वलित कर किया गया। दीप प्रज्वलित के पश्चात अबुआ आवास, मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना, मुख्यमंत्री वृद्धावस्था पेंशन योजना, सावित्रीबाई फुले योजना, जाति, आय, आवासीय से संबंधित फार्म इत्यादि सभी योजनाओं से संबंधित आवेदन शिविर के विभिन्न स्टॉल में लिए गए। मौके पर पंचायत समिति सदस्य मुन्नी देवी, उप मुखिया रीना बर्मन, प्रखंड नाजिर विनोद कुमार, जन सेवक अभय कुमार, उमेश कुमार दास, वार्ड सदस्य पूनम कुमारी, पिंकी सिन्हा, जगदीश साहू, मनोज श्रीवास्तव, द्वारका रजवार, लोकेश वर्मा, पंचायत सहायक सुनील कुमार, आंगनबाड़ी सेविका मीनाक्षी देवी, अमिता देवी, रंजना वर्मा, सुनीता देवी, बेबी देवी इत्यादि गण मान्य एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

हजारीबाग मेरे लिए केवल एक शहर नहीं बल्कि भावना है : अनुप्रिया

हजारीबाग : अनुप्रिया फाउंडेशन की संस्थापिका अनुप्रिया के अथक प्रयासों से आज शनिवार को पगमिल स्थित जर्जर सड़क की मरम्मत का कार्य शुरू हो गया। यह कार्य क्षेत्र के लोगों के लिए एक बड़ी राहत साबित हो रहा है। वहीं अनुप्रिया ने बीते दिन ही अनुमंडल पदाधिकारी और उपायुक्त महोदया को सड़क मरम्मत के लिए ज्ञापन सौंपा था। उनकी इस त्वरित और कारगर पहल की सराहना करते हुए पगमिल के ग्रामीणों ने उन्हें साधुवाद और धन्यवाद दिया। जबकि इस मौके पर अनुप्रिया ने कहा, हजारीबाग मेरे लिए केवल एक शहर नहीं, बल्कि भावना है। इस शहर की बेहतरी के लिए मैं हर संभव प्रयास करूंगी। सड़क मरम्मत का कार्य शुरू होने से पगमिल के ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई है। ग्रामीणों ने अनुप्रिया फाउंडेशन के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की और इस कार्य के लिए शहबुद्दीन, शहीद हाश्मी, फैयाजुद्दीन अंसारी, अनीश अंसारी, आशिफ, मिस बाहुल हक, मकसूद आलम, मोहमद मजहर, धीरज कुमार सहित सैकड़ों लोगों ने अनुप्रिया की प्रशंसा की। इस पहल ने न केवल ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया है, बल्कि यह भी दिखाया है कि सामुदायिक प्रयासों से बदलाव लाया जा सकता है।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में सुवर्णप्राशन संस्कार संपन्न

बरही : भामाशाह सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में एक विशेष और महत्वपूर्ण कार्यक्रम के रूप में सुवर्णप्राशन संस्कार का आयोजन किया गया। यह आयोजन विद्यालय के प्रांगण में कक्षा अरुण से लेकर प्रभात तक के सभी भैया-बहनों के लिए किया गया, जिसमें कुल 65 बच्चों ने इस प्राचीन आयुर्वेदिक विधि से लाभान्वित होने का अवसर प्राप्त किया।
'सुवर्णप्राशन: आयुर्वेदिक इम्यूनाइजेशन की महत्ता'
सुवर्णप्राशन एक प्राचीन आयुर्वेदिक इम्यूनाइजेशन विधि है, जिसका उल्लेख वेदों और आयुर्वेद ग्रंथों में मिलता है। इस औषधि का नियमित सेवन शिशुओं के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अत्यंत लाभकारी माना गया है। इस संस्कार का उद्देश्य बच्चों की भूख को बढ़ाना, पाचन तंत्र को सुदृढ़ करना, उनकी स्मृति और बुद्धि को तेज करना, और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाना है। यही नहीं, इसका सेवन बच्चों को दीर्घायु और स्वस्थ जीवन के मार्ग पर अग्रसर करता है।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी में अंबा प्रसाद बनी सचिव, झारखंड कांग्रेस में हर्ष

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : झारखंड की कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद को अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी में सचिव नियुक्त किया गया है। अंबा प्रसाद को इस महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किए जाने पर झारखंड कांग्रेस में हर्ष और गर्व का माहौल है। इस घोषणा से न केवल झारखंड के कांग्रेस कार्यकताओं में उत्साह बढ़ा है, बल्कि प्रदेश की राजनीति में भी नई ऊर्जा का संचार हुआ है। केरेडारी प्रखंड अध्यक्ष रविंद्र गुप्ता ने विधायक अंबा प्रसाद को राष्ट्रीय सचिव बनाए जाने पर हार्दिक बधाई दी है। अंबा प्रसाद झारखंड के बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। उन्होंने अपने राजनीतिक करियर की शुरूआत युवा कांग्रेस से की थी और अपने साहसिक और समाजसेवी कार्यों के कारण तेजी से पार्टी के उच्च पदों पर पहुंचीं। उनकी लोकप्रियता और कार्यकुशलता के कारण उन्हें अब अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी में सचिव का महत्वपूर्ण पद सौंपा गया है। यह पद न केवल उनके लिए बल्कि पूरे झारखंड के लिए गर्व की बात है। झारखंड के पूर्व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कांग्रेस आलाकमान का आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी, आदरणीय सोनिया गांधी जी, नेता विपक्ष राहुल गांधी जी, संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल जी, महासचिव सह झारखंड प्रभारी आदरणीय गुलाम अहमद मीर जी द्वारा झारखंड कांग्रेस की तेजतर्रार युवा विधायक अंबा प्रसाद को अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी का राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। अपनी नियुक्ति पर अंबा प्रसाद ने कहा, मैं कांग्रेस आलाकमान का धन्यवाद करती हूं और इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाने का वादा करती हूं। मेरे लिए यह एक बड़ी जिम्मेदारी है और मैं इसे पूरी मेहनत और समर्पण के साथ निभाऊंगी। विशेषज्ञों का मानना है कि अंबा प्रसाद की नियुक्ति से झारखंड में कांग्रेस को मजबूती मिलेगी। उनकी नियुक्ति से पार्टी के युवा कार्यकताओं में जोश और उत्साह का माहौल बना है, जिससे आगामी चुनावों में कांग्रेस को लाभ हो सकता है। उनकी नियुक्ति से राज्य में महिलाओं और युवाओं को भी प्रोत्साहन मिलेगा, जो कि कांग्रेस के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। अंबा प्रसाद ने अपने राजनीतिक करियर में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर आवाज उठाई है और सामाजिक कार्यों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है। उनके नेतृत्व में बड़कागांव में कई विकास कार्य हुए हैं, जिससे उनकी लोकप्रियता और भी बढ़ी है।

उत्पाद विभाग की बहाली में दौड़ के दौरान युवक की हुई मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग के पदमा में उत्पाद विभाग की बहाली को लेकर दौड़ हो रहा है जहां प्रतिदिन दौड़ में हजारों युवक भाग ले रहे हैं बीते सप्ताह दौड़ में भाग लेने वाले युवक की दौड़ के दौरान मौत हो गई थी। इसी तरह आज फिर एक होनहार 27 वर्षीय युवक गिरिडीह के मनिकाबाद निवासी सूरज वर्मा की मौत दौड़ के बाद हो गई। युवक की मौत के बाद मृतक के शव को अन्यंतपरीक्षण के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज लाया गया। दौड़ में भाग लेने वाले युवक की मौत घटना की सूचना मिलते ही शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज में भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद जाकर उनके परिवारजनों से मिलकर अपनीं संवेदना व्यक्त किया। मौके पर भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद ने कहा कि राज्य के ऐसे होनहार युवक की मौत अत्यंत दुखदायी है। आगे प्रसाद ने कहा कि अपने परिवार के आँखो का तारा सूरज एक चमकता सितारा था, सिविल सर्विसेज की तैयारी कर रहा सूरज पी टी एग्जाम पास कर चुका था, उसका जाना पूरे परिवार के लिए अत्यंत मुश्किल समय है, संकट की इस घड़ी मे उनके परिवार के साथ खड़ा हूँ। उन्होनें कहा कि झारखंड सरकार की लापरवाही से युवाओं की जा रही जान, असंवेदनशीलता की पराकाष्ठा है। इस तरह घटनाओं की तत्काल जाँच की जाए और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए।

मनरेगा घोटाला में बीडीओ किस्टो बेसरा पर कार्रवाई, नाजिर गुलाम को वीआरएस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिले के डीसी चंदन कुमार ने घोटाले और रिश्वत जैसे कारनामों में शामिल लोगों पर एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की है। इस बार प्रखंड विकास पदाधिकारी और नाजिर दोनों पर कार्रवाई हुई है। जहां एक तरफ रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड में पदस्थापित तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी किस्टो कुमार बेसरा पर प्रपत्र 'क' गठित करने की तैयारी शुरू हो गई है। वहीं दूसरी तरफ घोटालेबाज नाजिर सह उर्दू अनुवादक मो गुलाम रसूल को वीआरएस दे दिया गया है। डीसी की इस कार्रवाई के बाद रामगढ़ जिले के घूसखोर, घोटालेबाज अधिकारियों और कर्मचारी के दम फूलने लगे हैं।

वर्ष 2014-15 में हुआ था मनरेगा में घोटाला

वर्ष 2014 - 2015 में गोला प्रखंड कार्यालय में मनरेगा अंतर्गत एफटीओ के प्रथम हस्ताक्षरी के पद पर पदस्थापित व तत्कालीन गोला प्रखंड नाजिर सह उर्दु अनुवादक मोहम्मद गुलाम रसूल पर मनरेगा की 124 योजनाओं में कुल 59 योजनाओं को डुप्लीकेट योजना बनाने का आरोप है। ऐसे डुप्लीकेट योजनाओं में कुल 74 लाख 62 हजार 632 रुपए की सुनियोजित तरीके से अवैध निकासी की गई थी। नाजिर ने अपने कार्यकाल के दौरान निर्गत किए गए 44 चेक का वितरण लाभुकों को नहीं किया था।

डीडीसी के जांच प्रतिवेदन में घोटाले की हुई पुष्टि

संबंधित मामले में विभागीय कार्रवाई के लिए संचालन पदाधिकारी के रूप में नियुक्त उप विकास आयुक्त के प्रतिवेदन के आधार पर डीसी चंदन कुमार द्वारा झारखंड सरकारी सेवक नियमावली 2016 के भाग श 14(७) के अनुरूप मोहम्मद गुलाम रसूल के विरुद्ध अनिवार्य सेवानिवृत्ति का दंड अधिरोपित किया गया है। संबंधित मामला माननीय उच्च न्यायालय में विचाराधीन होने के कारण संबंधित वाद में पारित आदेश के अनुरूप अनिवार्य सेवानिवृत्ति का आदेश प्रभावित होगा। वहीं मामले में उपायुक्त ने तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी गोला कीस्टो कुमार बेसरा पर उपरोक्त कृत के लिए विभागीय कार्रवाई किए जाने को लेकर तत्काल प्रस्ताव उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

बरही विधनसभा का कोई भी गांव नहीं रहेंगा अंधेरे में : उमाशंकर अकेला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : बरही विधानसभा का कोई भी गावं नहीं रहेगा अँधेरे मे सभी टोलों गाँव में लगे बांस बल्ली के पोल उखाड़े जायेंगे एवं नए पोल-तार लगाए जायेंगे। ट्रांसफार्मर की किल्लत भी होगी दूर। विधायक सह निवेदन समिति सभापति उमाशंकर अकेला ने दिनांक 30 -08 -2024 को रांची में झारखण्ड ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक केके वर्मा से मुलाकात किया। अकेला ने प्रबंधक निदेशक से बरही विधान सभा हेतु 200 केवीए,100 केवीए एवं 63 केवीए के ट्रांसफार्मरो का मांग किया। ज्ञात हो की बारिश का मौसम होने के कारण ट्रांसफार्मर खराब होने की अधिक शिकायतें आ रही है एवं हजारीबाग में ट्रांसफार्मर उपलब्ध नहीं होने के कारण क्षेत्रवासियों को अविलम्ब ट्रांसफार्मर नहीं मिल पाता है। और भगहर, भंडार के गावं का कनेक्शन कोडरमा से जोड़ा गया है उसे बदल कर चौपारण सब स्टेशन से जोड़ने का मांग किया। साथ साथ इस बैठक के दौरान प्रबंधक निदेशक ने बताया की झारखंड ग्रामीण विद्युतीकरण योजना के अंतर्गत बरही विधानसभा के 114 टोलों में बिजली व्यस्था को सुदृढ़ीकरण करने का कार्य किया जायेगा। इस कार्य के अंतर्गत बांस बल्ली के पोल उखाड़े जायेंगे एवं नए पोल-तार लगाए जायेंगे। लटके एवं उलझे हुवे तारों को सही किये जायेंगे। इस मौके पर यदुनन्दन यादव एवं अज्जू सिंह उपस्थित थे।

मानदेय में वृद्धि को लेकर जलसहिया द्वारा कल रांची में धरना प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : जलसहिया संघ झारखंड प्रदेश के बैनर तले 28 अगस्त से जलसहिया का धरना प्रदर्शन, रांची में राजभवन के समक्ष चल रहा है जो अनिश्चित कालीन है। इस धरना प्रदर्शन में बारी-बारी से सभी जिलों से लोगों को शामिल होना है। इस कार्यक्रम में 02 सितंबर 2024 दिन सोमवार को हजारीबाग जिला को धरना प्रदर्शन में शामिल होना है, इसकी तैयारी हेतु प्रखंड जलसहिया संघ की बैठक पुराना ब्लॉक परिसर में संघ की अध्यक्ष अनुसूलेखा देवी की अध्यक्षता में की गई। बैठक का संचालन संघ की सचिव अनीता देवी ने की। बैठक को संबोधित करते हुए अनुसूलेखा देवी ने कही की अपना अधिकार लेने के लिए आंदोलन करना होगा तभी आपको अपना हक मिलेगा पुर्व की सरकार ने सभी जलसहिया बहनों को 1000/ प्रति माह मानदेय देने का प्रावधान किया था जो मिल रहा था साथ ही कई तरह की सुविधाएं दी जा रही थी। जिसे हेमंत सरकार आते ही वो बंद कर दिया, सभी जलसहिया के सामने भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है। इसलिए अपनी कई मांगों को लेकर विगत 28 अगस्त से राजभवन के समक्ष जलसहिया का धरना प्रदर्शन अनवरत चल रहा है। जिसमे 02 सितंबर को हजारीबाग की बारी है इसलिए हर हाल में प्रखंड के सभी 226 जल सहिया बहनों को रांची जाने का निर्णय लिया गया है। चौपारण से 200 जल सहिया प्रदर्शन में रांची जाएंगी। कार्यक्रम में प्रखंड की 50 जलसहिया शामिल हुई थी।

11वीं कृषि गणना के द्वितीय एवं तृतीय चरण का एक दिवसीय सर्वेक्षण कार्य आज से

- 1 सितंबर से 31 दिसंबर तक होगा सर्वेक्षण कार्य।
- सर्वेक्षण करने वाले अधिकारी व कर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण।

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त नैंसी सहाय के निर्देश पर 11वीं कृषि गणना के द्वितीय एवं तृतीय चरण का सर्वेक्षण कार्य के लिए शनिवार को समाहरणालय सभाकक्ष में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन प्रशिक्षु आईएएस लोकेश बारंगे के अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर के रूप में जिला सांख्यिकी पदाधिकारी मुलिन मरांडी, आईटी मैनेजर दिवाकर अग्रवाल, डीपीएमयू सतीश कुमार एवं कंप्यूटर ऑपरेटर अमर नाथ गुप्ता द्वारा सभी अंचल के अंचल अधिकारी, अंचल निरीक्षक, राजस्व उप निरीक्षक एवं कंप्यूटर ऑपरेटर को पीपीटी एवं वेब पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन सैद्धांतिक, व्यावहारिक एवं विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षु आईएएस लोकेश बारंगे ने कृषि गणना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कृषि गणना के अंतर्गत भूमि उपयोग, विभिन्न फसलों से आच्छादित क्षेत्र, पशुधन, कृषि-मशीनरी एवं उपकरण, उर्वरक, बीज, कृषि ऋण आदि पर आंकड़े एकत्रित कर कृषि संरचना में नए विकास कार्यक्रम एवं उनकी प्रगति पर मूल्यांकन कर एक विकसित कृषि नीति का आधार तैयार करने के लिए कृषि गणना आंकड़ा एक महत्वपूर्ण स्रोत है। उन्होंने सभी अंचल के पदाधिकारी एवं कर्मियों को निर्देश दिया कि 11वीं कृषि गणना के द्वितीय एवं तृतीय चरण का सर्वेक्षण कार्य आगामी 1 सितंबर से 31 दिसंबर 2024 तक पूर्ण करना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने प्रशिक्षण ले रहे सभी अंचल अधिकारी, अंचल निरीक्षक, राजस्व उप निरीक्षक एवं कंप्यूटर ऑपरेटर को गुणवत्ता पूर्ण एवं वास्तविक आंकड़े एकत्र करते हुए सर्वेक्षण कार्य समय पूर्ण करना सुनिश्चित करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

पुरानी विधानसभा मैदान में दुर्गा पूजा के लिए किया गया भूमि पूजन

रांची : श्री राम लला पूजा समिति, रांची के सानिध्य में पुराना विधानसभा मैदान में अयोध्या के नवनिर्मित श्री राम मंदिर का प्रारूप बनाया जा रहा है । पंडाल का निर्माण करीबन दो माह से कोलकाता के कारीगरों के द्वारा कलकत्ता में ही निरंतर चल रहा था। 200 से ज्यादा पंडाल कारीगर निर्माण कार्य में लगे थे। मंदिर के प्रारूप के स्तम्भ, शिखर एवम अन्य डिजाइनों का निर्माण कार्य बंगाल में ही किया जा रहा था। जिसे कल रांची लाया गया है। यह पंडाल पूरे रूप से अयोध्या धाम के श्री राम लला के श्री राम मंदिर जैसा दिखेगा । पंडाल में भक्त श्री राम लला के दर्शन भी कर पाएंगे साथ ही मैदान में 26 फीट ऊंची श्री बजरंगबली की विशाल 4 ऊप्रारूप आकर्षण का केंद्र रहेगी।आगामी नवरात्र में पंडाल के गर्भ गृह में मां भवानी का दर्शन भी श्रद्धालु कर सकेंगे। मैदान परिसर में मेला और फूड स्टॉल भी लगाया जाएगा । जिसमे शुद्ध व्यंजन का स्वाद और आनंद लोग उठा सकेंगे। अध्यक्ष अशोक चौधरी ने बताया कि पंडाल की लंबाई 170 फीट और चौड़ाई 120 फीट होगी जबकि पंडाल 100 फीट ऊंचा उठेगा। भव्य मां का दरबार भी बनेगा अभूतपूर्व लाइटिंग भी देश अन्य स्थानो से मंगाई जा रही है जो पंडाल के अंदर रंग बिरंगी साज सज्जा को ओर भी सुंदर दिखाएगी। माँ की मूर्ति विशाल , अद्भुत, अलौकिक होगी प्रभु श्री राम की प्रतिमा सिलिकॉन की बनी होगी जो प्रत्यक्ष- अप्रत्यक्ष रूप से अयोध्या में स्थापित भगवान श्री राम की प्रतिमा जैसी रहेगी जिसका भक्तजन दर्शन करेंगे। इस अवसर पर पूजा पंडाल के निर्माण हेतु खूंटी पूजन (भूमि पूजन)समिति के अध्यक्ष अशोक चौधरी, महासचिव कुणाल अजवानी ,समिति के सेकड़ो सदस्यों सहित कई गणमान्य अतिथियों की उपस्तिथि में आचार्य अनूप दाधीच के सानिध्य में संपन्न हुआ। खूंटी पूजा में मुख्य रूप से अध्यक्ष अशोक चौधरी, महासचिव कुणाल अजवानी, प्रकाश धेलिया ,राजू पोद्दार, रोहित अग्रवाल, निर्मल जालान , प्रवक्त प्रमोद सारस्वत ,दीपक चौधरी, उमेश यादव, अमर प्रसाद,नवजोत अलंग,पूर्व पार्षद कृष्णा महतो, राजू टांटिया, सुजीत वर्मा,विनोद जैन, शम्भू प्रसाद, अनिल अग्रवाल, बादल कुमार, सहित काफी संख्या में शहर के गणमान्य लोग उपस्तिथ थे।

प्रखंड मैदान में खेलो झारखंड अभियान के तहत प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

चौपारण : चौपारण प्रखंड खेल मैदान में शुक्रवार को तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता शुरू हुई। उद्घाटन प्रमुख बीईईओ राकेश कुमार ने किया। पहले दिन अंडर-14, 17 और 19 आयु वर्ग के छात्र-छात्राओं के बीच 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, रिले रेस, लंबी कूद, ऊँची कूद, गोल फेंक, भाला फेंक, सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बीपीएम मो० आरिफ ने बताया कि दूसरे दिन खो खो, कबड्डी, वॉलीबॉल आदि प्रतियोगिता व आगामी सोमवार को बालक व बालिकाओं के बीच फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। खेलो में प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान लाने वाले छात्र छात्राओं को मेडल व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। आयोजन सफल बनाने में शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति। आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रखण्ड के शिक्षकों की प्रतिनियुक्त की गई है। पंजीयन में शिक्षक डॉ प्रदीप कुमार, सुरेंद्र कुमार दास, मोनिका कुमारी, बद्दी उजमा, कैसर आलम। अल्पाहार में गिरधारी महतो, शशि कुमार, रूपलाल रविदास, महेंद्र साव, सीआरपी। मंचित व्यावस्था, रतन कुमार, जनार्दन प्रसाद वर्मा, सुबोध सिंह, मृत्युंजय सिंह, शैलेन्द्र पांडेय सीआरपी। परिणाम संकलन में जितेंद्र सिंह, कमलेश कुमार कमल, राजेश राम, राकेश कुमार एवं खेल वार शिक्षकों की प्रतिनियुक्त प्रतियोगिता संचालन के लिए प्रतिनियोजित शिक्षक आरती कुमारी, उमेश कुमार, दिलीप कुमार, उषा कुमारी, यमुना प्रसाद, बसंत कुमार, सौरव सिंह, रेखा कुमारी, गुलाब साव, अजय यादव, प्रदीप कुमार सिंह, निशु कुमारी, बाल्मीकि मुनि, अमित कुमार, सोएब अंसारी, आरती कुमारी, दिलीप कुमार, उषा कुमारी, विश्वनाथ साव, सौरभ सिंह, राधे रमन, रेखा कुमारी प्रदीप सिंह, रामप्रकाश आदि शामिल थे।

सोइया धमना में आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम को लेकर लगा शिविर

बरही : बरही प्रखंड में झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम को लेकर रसोइया धमना पंचायत से शिविर आयोजित की गई। यह कार्यक्रम ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे उनके द्वार पर पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। इस महत्वपूर्ण पहल का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख मनोज रजक, विधायक प्रतिनिधि सह पंसस मो तैयब, बीसीओ संजय यादव, बीरेंद्र कुमार सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर प्रमुख मनोज रजक ने कहा कि सरकार की यह पहल ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से सरकार सीधे जनता तक पहुंच रही है, जिससे उनकी समस्याओं का समाधान तेजी से हो सकेगा। पंसस मो तैयब ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से न केवल ग्रामीणों को लाभ मिलेगा बल्कि सरकार की नीतियों और योजनाओं के प्रति उनका विश्वास भी बढ़ेगा। बीसीओ संजय यादव ने भी इस अवसर पर अपने विचार साझा किया और कहा कि इस कार्यक्रम के तहत सरकार ग्रामीणों की समस्याओं को सीधे सुन रही है और उन्हें मौके पर ही समाधान प्रदान करने का प्रयास कर रही है। शिविर में झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना, अबुआ आवास योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, सर्वजन पेंशन योजना, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, हरा राशन कार्ड, बिरसा सिंचाई कूप संवर्द्धन योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड जाति, आवासीय, आय प्रमाण पत्र सभी प्रकार की पेंशन योजनाएं, आयुष्मान कार्ड का वितरण, सामुदायिक वन पट्टा और व्यक्तिगत वन पट्टा के लिए संबंधित एफआरसी द्वारा आवेदन प्राप्त किए गए।

बेलाटांड़ में पेयजल संकट पर प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग, एसडीओ को सौंपा ज्ञापन

बरही : हजारीबाग जिले के चौपारण प्रखंड के ग्राम बेलाटांड़ में स्थित मुस्लिम बस्ती के लगभग 35 परिवार पेयजल की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। इस मुद्दे को लेकर सूरज दास, हजारीबाग जिला अध्यक्ष एवं बरही विधानसभा प्रभारी एआईएमआईएम ने उपायुक्त के नाम अनुमंडल पदाधिकारी, बरही को एक ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में उन्होंने बताया है कि बेलाटांड़ की मुस्लिम बस्ती में न तो कोई कुआं है और न ही चापाकल, जिससे यहां के लोग पीने के पानी के लिए तालाब और नदी पर निर्भर हैं। इस स्थिति के कारण बच्चों और बुजुर्गों में बीमारियां फैल रही हैं, जो चिंता का विषय है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकार की नल-जल योजना के बावजूद, इस बस्ती में पानी की कोई उचित व्यवस्था नहीं की गई है। सूरज दास ने यह भी उल्लेख किया कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने इस गंभीर समस्या पर ध्यान नहीं दिया है।

एक नजर

युवक का शव बरामद जांच में जुटी पुलिस

रांची : पुलिस ने नामकुम थाना क्षेत्र के खोजा टोली के आर्मी भर्ती रैली मैदान के समीप स्थित जंगल से एक युवक का शव बरामद किया गया है। शव की शिनाख्त सिद्धरोल नामकुम निवासी मुकेश सिंह के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के मुंह से खून निकल रहा था। थाना प्रभारी ब्रह्मदेव प्रसाद ने बताया कि पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मामले में कुछ बताया जा सकता है।

चम्पाई सोरेन से मिले हिमंता सरमा, मां कामाख्या के दर्शन करने का दिया निमंत्रण

रांची : असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने शनिवार को चम्पाई सोरेन से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री को असम में मां कामाख्या देवी मंदिर का दर्शन करने के लिए निमंत्रण दिया। चम्पाई सोरेन ने एक्स पर यह जानकारी दी। चम्पाई सोरेन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर बताया कि आज असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा एवं झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी मिलने आए। उन्होंने मुझे गुवाहाटी (असम) स्थित मां कामाख्या देवी मंदिर में दर्शन करने हेतु आमंत्रण दिया। उल्लेखनीय है कि चम्पाई सोरेन ने शुक्रवार को झामुमो पर अपमानित करने का आरोप लगाते हुए भाजपा का दामन थाम लिया है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जिसे मैंने खून पसीने से सींचा वहां मुझे अपमानित किया गया।

गांजा के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

रांची : राजधानी रांची के चुटिया पुलिस ने गांजा की खरीद-बिक्री कर रहे तीन लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में राज सिंह उर्फ बल्लू, मुन्ना भोक्ता उर्फ सानू और सोनू लोहरा शामिल हैं। इनके पास से 550 ग्राम गांजा, नगद नौ हजार 910 रुपये, दो मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन, छोटा प्लास्टिक बरामद किया गया है। सिटी डीएसपी केवी रमन ने शनिवार को चुटिया थाना में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बताया कि रांची पुलिस को जानकारी मिली थी कि चुटिया थाना क्षेत्र के साहू टोली में में गांजा की प्रतिदिन खरीद-बिक्री होती है। सूचना के बाद एक छापेमारी टीम का गठन किया गया। टीम ने उक्त स्थान पर छापेमारी कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया । उनके पास से गांजा सहित अन्य सामान बरामद किया गया। डीएसपी ने बताया कि गिरफ्तार सोनू लोहरा का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है, जो चोरी के कांड में जेल जा चुका है।

जमीन घोटाले के आरोपी अफसर अली की जमानत याचिका खारिज

रांची : झारखंड हाई कोर्ट ने बरियातू रोड स्थित सेना की 4.55 एकड़ जमीन की खरीद-बिक्री मामले में गिरफ्तार मो. अफसर अली की जमानत याचिका शनिवार को खारिज कर दी है। अफसर अली को ईडी ने 14 अप्रैल 2023 को गिरफ्तार किया था। निचली कोर्ट से जमानत खारिज होने के बाद अफसर अली ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए जमानत याचिका दाखिल की थी। साथ ही अपनी गिरफ्तारी की प्रक्रिया को भी चुनौती दी थी। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने ईडी से इस बारे में जानकारी मांगी थी। उल्लेखनीय है कि इस मामले में ईडी ने अफसर अली के खिलाफ जांच पूरी कर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी है।

विधानसभा चुनाव से संबंधित आरओ एवं एआरओ के पहले चरण का प्रशिक्षण सम्पन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के तत्वावधान में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत सभी विधानसभा क्षेत्र के आरओ एवं 140 से अधिक एआरओ के पहले चरण के पांच दिवसीय प्रशिक्षण सह प्रमाणन कार्यक्रम का आयोजन 27 अगस्त से 31 अगस्त तक किया गया। इस के लिए विभिन्न बैचों में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के सभागार एवं जेसीईआरटी रातु में पदाधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

पांच दिवसीय प्रशिक्षण सत्र के दौरान भारत निर्वाचन आयोग के अलावा ओडिशा, हरियाणा, बिहार, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ सहित झारखंड के राष्ट्रीय स्तर के मुख्य प्रशिक्षकों ने विभिन्न सत्रों में पदाधिकारियों को निर्वाचन से संबंधित विषयों का क्रमवार प्रशिक्षण दिया। वहीं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने सभी प्रशिक्षुओं के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में निर्वाचन संबंधी अप्रत्याशित कुछ सामान्य गलतियों तथा उनके निराकरण के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

भारत निर्वाचन आयोग में सूचीबद्ध राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षकों ने चुनाव संबंधित विषयों पर दिया विशेषज्ञता परक प्रशिक्षण।

प्रशिक्षण सत्र के दौरान सभी विधानसभा क्षेत्र के आरओ एवं एआरओ को निर्वाचन संबंधी विषयों यथा उम्मीदवारों की योग्यता एवं अयोग्यता, चुनाव चिन्ह आवंटन, नामांकन संबंधित निर्देश, आपराधिक पूर्ववृत्त, ई रोल, वल्नरेबलिटी मैपिंग, ईवीएम एवं वीवीपैट का प्रशिक्षण, आदर्श आचार संहिता, व्यय प्रबंधन, स्वीप, पोलिंग पार्टी का व्यवस्थापन, पोस्टल बैलट, पेड न्यूज, एमसीएमसी, मतगणना आदि विषयों पर बिंदुवार प्रशिक्षण दिए गए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारत निर्वाचन आयोग के वरीय प्रधान सचिव एनएन बूटोलिया, सचिव विनोद कुमार, अवर सचिव राकेश कुमार सैनी, हरियाणा के एनएलएमटी पंकज सेतिया, छत्तीसगढ़ के एनएलएमटी केआरआर सिंह, सुनील कुमार शर्मा, प्रणव सिंह, ओडिशा के एनएलएमटी देवी प्रसाद मोहंती, मध्य प्रदेश के एनएलएमटी पी एन सनेसर, बिहार के एनएलएमटी यशलोक रंजन वहीं झारखंड के एनएलएमटी राजेश वर्मा, गीता चौबे, देव दास दत्ता, एस एन जमील, सुनील कुमार ने अपने संबंधित विषयों पर पदाधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया।

संक्षिप्त खबरें

श्याम मंदिर में भंडारा का हुआ आयोजन

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में प्रत्येक शनिवार को होने वाला 126 वा श्री श्याम भंडारा भक्तिमय रंग में सम्पन्न हुआ। पूरा मंदिर परिसर हारे के सहारे की जय खाटूनरेश की जय लखदातार की जय जयकारों से गूंज रहा था। श्री श्याम मित्र मंडल के प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया एवम उपमंत्री अनिल नारनोली के नेतृत्व में मुन्ना सिंह पिंकी सिंह ने श्री श्याम मंदिर में विराजमान खाटूनरेश रिद्धि सिद्धि शिव परिवार बजरंगबली लड्डू गोपाल शालिग्रामजी गरुडजी व गुरुजनों को भंडारे का प्रसाद अर्पित किया। सिंह परिवार ने प्राकृतिक पंखा डोलाकर बाबा के दरबार में मत्था टेका। भोग अर्पित करने के समय पूरा मंदिर श्रध्दा में डूबा हुआ था। भोग लगे प्रसाद को यजमान परिवार ने विशाल वृहद भंडारे में मिश्रित करके सर्वप्रथम मंदिर के आचार्यों को प्रसाद खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद श्री गणेश जी महाराज की जय जयकारों के साथ मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी के नेतृत्व में यजमान मुन्ना पिंकी सिंह ने श्री श्याम भंडारे का प्रसाद का वितरण प्रारंभ किया। 125 वे श्री श्याम भंडारा का समय होते-होते मंदिर परिसर भक्तों से पट गया एवं हरमू रोड में लंबी-लंबी कतारे लग गई। खाटूनरेश की जय जयकारों से पूरा हरमू रोड गूंज रहा था। आज के श्री श्याम भंडारे में नमक अजवाइन का पुड़ी आलू लौकी का मिक्स सब्जी केसारिया जलेबी टॉफी का प्रसाद मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी के दिशा निर्देश में श्री श्याम मंदिर में निर्मित किया गया था। लगभग 2500 से ज्यादा भक्तजनों ने भंडारे का महाप्रसाद प्राप्त किया। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी, महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, श्रवण ढानढनिया, पूर्व सांसद अजय मारू, राजीव मित्तल, मनोहर केड़िया, अमित सरावगी, अनुज मोदी, रमा सरावगी, कविता मित्तल, कमलेश सावा, आशीष डालमिया, मनोज खेतावत सहित 50 से ज्यादा स्वयं सेवकों ने भंडारा वितरण में सहयोग किया।

झारखंड चेंबर का चुनाव 22 सितंबर को

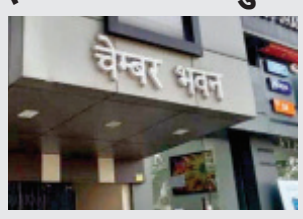

रांची : झारखंड चेंबर (सत्र 2024-25) का चुनाव 22 सितंबर को गुरुनानक स्कूल सभागार में होगा। मतदान सुबह नौ से शाम पांच बजे तक चलेगा। उम्मीदवार नौ और 10 सितंबर को शाम चार बजे तक नामांकन कर सकेंगे। नामांकन वापसी की तिथि 12 सितंबर की शाम चार बजे तक है। इसके बाद उम्मीदवारों की अंतिम सूची का प्रकाशन किया जायेगा। चुनाव पदाधिकारी ललित केडिया ने कहा कि कंपनी लॉ के अनुसार, उम्मीदवारों को नामांकन प्रपत्र के साथ डीन नंबर देना अनिवार्य है। डीन नंबर नहीं होने की स्थिति में आवेदन रद्द कर दिया जायेगा। डीन जमा करने के लिए उम्मीदवारों को कोई अतिरिक्त समय नहीं दिया जायेगा। 20 सितंबर तक उम्मीदवार चुनावी प्रचार-प्रसार कर सकते हैं। 20 सितंबर की रात 10 बजे के बाद प्रचार-प्रसार पूरी तरह वर्जित रहेगा। चुनाव के को-चेयरमैन अंचल किंगर ने कहा कि चुनाव में कुल 3909 मतदाता शामिल होंगे। चेंबर की सदस्यता सूची के अनुसार, 3656 लाइफ मेंबर, 156 जनरल मेंबर, 83 संबद्ध संस्थाएं, 11 कॉरपोरेट मेंबर और तीन पैट्रोन सदस्य हैं। उन्होंने जनरल, कॉरपोरेट और संबद्ध संस्थाओं से अपील की है कि सदस्यता शुल्क का डयूज यदि बकाया है, तो चुनाव से पूर्व उसका भुगतान कर दें। बकाया होने की स्थिति में मतदान से वंचित किया जा सकता है। हर सदस्य को एक वोट करने का अधिकार है। केवल संबद्ध संस्थाओं को ही दो वोट देने का अधिकार है।

कांग्रेस नेता अमानत अली का 100 वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

रांची : कांग्रेस के पूर्व विधायक अमानत अली के 100 वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। अमानत अली के 100 वें जन्मदिन पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने उनके आवास पर पहुंच कर शॉल और बुके देकर जन्म दिन की बधाई दी और उनसे आशीर्वाद लिया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के साथ वरिष्ठ कांग्रेस नेता चंचल चटर्जी, आदित्य विक्रम जयसवाल ने भी जन्म दिन की बधाई दी। यह जानकारी प्रदेश प्रवक्ता डॉ एम तौसीफ ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

जेबीकेएसएस की झारखंड नवनिर्माण यात्रा आज से

रांची : झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति की ओर से रविवार को एक न्याय यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा का नेतृत्व समिति के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो और वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्रनाथ महतो करेंगे। यह जानकारी देवेंद्र नाथ महतो ने दी है। शनिवार को देवेंद्र नाथ महतो ने पत्रकारों को बताया कि न्याय यात्रा भगवान बिरसा मुंडा के जन्मस्थली उलिहातु से शुरू होकर झारखंड के प्रथम स्वतंत्रता सेनानी रघुनाथ महतो के शहीद स्थल लोटा सिल्ली तक जाएगी। यात्रा उलिहातु, अड़की, तमाड़, बुंडू और राहे होते हुए सिल्ली प्रवेश करेगी। इसकी संपूर्ण तैयारी संगठन की ओर से कर ली गयी है। उन्होंने बताया कि राज्य कई सफल ऐतिहासिक आंदोलन होने के बाद भी सरकार ने हमारे नैतिक मांगों को नजरअंदाज किया है। बीते 24 वर्ष के दौरान भी यहां झारखंडी का पहचान नहीं हो सकी है। खतियान धारी को उचित अवसर और सम्मान नहीं मिल रहा है। उन्होंने बताया कि बिरसा मुंडा के वंशज को सम्मानित करने के बाद ही यात्रा शुरू की जाएगी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम आयोजक मंडली में महिला अध्यक्ष दमयंती मुंडा, जिला अध्यक्ष आलोक उरांव, नवीन मुंशी, खुदीराम, नकुल मुकेश, अजय, रोमा निगम, संजीव, फलींद्र करमाली, विमल, सुमित खतियानी, लकी रामू, प्रकाश, अजीत, खगेन्द्र, नरेश और सुभाष शामिल हैं।

एतवा उरांव फुटबॉल टूर्नामेंट आज से

रांची : शहीद एतवा उरांव स्मारक न्यास और युवा विकास क्लब, बुढ़ाखुखरा, (मांडर) के संयुक्त तत्वावधान में पांच दिनी शहीद एतवा उरांव फुटबॉल टूर्नामेंट-2024 का उद्घाटन एक सितंबर की दिन के 10 बजे से होगा। टूर्नामेंट का फाइनल पांच सितंबर को होगा। खेल प्रभारी फ्रांसिस जेवियर खलखो और मो. साकिब ने बताया कि रांची जिला अंतर्गत मांडर प्रखंड के बुढ़खुखरा स्थित खेल मैदान में आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट में कुल 32 टीमें शामिल होंगी। एक सितंबर को उद्घाटन मैच (ग्रुप ए) न्यू तूफान क्लब टांगरवसली और युवा विकास क्लब बुढ़ाखुखरा के बीच खेला जाएगा। एक सितंबर को कुल सात मैच खेले जाएंगे। मो. साकिब ने बताया कि टूर्नामेंट के विजेता को 75 हजार रुपए नगद व ट्रॉफी, उपविजेता को 45 हजार रुपए नगद व ट्रॉफी दिया जाएगा। साथ ही तृतीय और चतुर्थ स्थान पानेवाले टीम को 11-11 हजार रुपए नगद देकर पुरस्कृत किया जाएगा। इसके अलावा मैन ऑफ द मैच, मैच ऑफ द सिरीज होने वाले खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया जाएगा।

रांची पुलिस ने जमशेदपुर में की छापेमारी, दो गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची पुलिस ने पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर)में छापेमारी कर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। रांची पुलिस ने शनिवार को जमशेदपुर पुलिस के सहयोग से बिरसानगर के त्रिवेणी अपार्टमेंट में छापेमारी कर इस घटना में शामिल बाबू पिल्लै को गिरफ्तार किया। वहीं बाबू पिल्लै की निशानदेही पर पुलिस ने टेल्को में छापा मारा और अभिषेक सिंह नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार किया। अभिषेक सिंह के पास से पुलिस ने अपहरण में प्रयुक्त पिस्तौल और कारतूस भी बरामद किये हैं। इस मामले में पुलिस एक अन्य आरोपति परसुडीह निवासी इरशाद की तलाश कर रही है।

मुंबई के कारोबारी मेहुल साह का हाल ही में अपहरण कर 50 लाख की फिरौती वसूली की गयी थी। इस मामले में यह गिरफ्तारी की गई है।

आरोपियों से पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि किडनैपरों ने व्यवसायी का अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने और जान से मारने की धमकी दी थी। इस मामले को लेकर पुलिस पहले ही कई लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

मामले में पुलिस ने साजिशकर्ता श्वेतापति और उसके प्रेमी (जयपुर निवासी) के अलावा चाईबासा से दो युवकों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार युवकों ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि रांची एयरपोर्ट के पास से मेहुल साह का अपहरण करने के बाद उसे बिरसानगर के अपार्टमेंट में लेकर पहुंचे थे। बाबू पिल्लै अपार्टमेंट के एक फ्लैट में किराये में रहता था। इसी फ्लैट में पिस्तौल का भय दिखाकर अभिषेक सिंह, बाबू पिल्लै और श्वेतापति के प्रेमी ने जबरन युवती के साथ शारीरिक संबंध बनाने के लिए उसे मजबूर किया और मोबाइल से वीडियो भी बनाया। इसके बाद मेहुल साह से 50 लाख की फिरौती की मांग की। फिरौती की रकम नहीं देने पर वीडियो वायरल करने और जान से मारने की धमकी भी दी।

डोमेस्टिक वुमन्स टी-20 लीग पांच सितंबर से, महिला खिलाड़ी दिखाएंगी प्रतिभा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के धुर्वा स्थित जेएससीए क्रिकेट स्टेडियम में पांच सितंबर से डोमेस्टिक वुमन्स टी-20 लीग मैच खेले जाएंगे। 15 सितंबर तक खेली जाने वाली क्रिकेट प्रतियोगिता में झारखंड की महिला क्रिकेट खिलाड़ियों को अपना टैलेंट दिखाने का मौका मिलेगा।

स्टेडियम के सीनेट अमिताभ चौधरी पेवेलियन में शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में वाइस प्रेसिडेंट डॉ नरेंद्र सिन्हा ने बताया कि पांच सितंबर को वुमन्स लीग क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन होगा। गांडेय विधायक कल्पना सोरेन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगी। 15 सितंबर को प्रतियोगिता का फाइनल खेला जाएगा। इस प्रतियोगिता के जरिये यहां की प्रतिभाओं को उभरने और आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। मौके पर ज्वाइंट सेक्रेट्री पीएन सिंह ने बताया कि तीसरी बार इस लीग का आयोजन रांची में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में झारखंड की ही लड़कियां प्रतिभाग कर रही हैं। अंडर-19 और इससे ऊपर के आयु वर्ग के खिलाड़ी इनमें शामिल हैं। रांची रॉयल्स, धनबाद ड्रैगंस, जमशेदपुर टाइटंस, बोकारो वारियर्स और दुमका डायनेमोस के नाम से पांच टीम इस प्रतियोगिता में खेलेंगी। रश्मि गुड़िया, दुर्गा कुमारी, देव्यानी प्रसाद, मोनिका मुर्मू और खुशबू कुमारी अलग-अलग टीमों की कैप्टन हैं। जेएससीए स्टेडियम में खेली जाने वाली इस प्रतियोगिता में हर दिन दो मैच खेले जाएंगे। अंक तालिका में टॉप टू पर रहने वाली टीमों के बीच फाइनल मैच होगा। ज्वाइंट सेक्रेट्री ने बताया कि दर्शकों के लिए इंट्री निःशुल्क होगी। साउथ पेवेलियन साइड से उनकी इंट्री होगी। मौके पर जेएससीए के सचिव देवाशीष चक्रवर्ती, जय कुमार सिन्हा के अलावा स्पोर्ट्स इवेंट मैनेजमेंट कंपनी डब्ल्यूसीआई के प्रतिनिधि विशाल सिंह, सन्नी सोनकर और अन्य भी उपस्थित थे।

करमा पूजा आपसी प्रेम, एकजुटता और भाईचारा का देता है संदेश : पार्वती कच्छप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : हटिया विधानसभा क्षेत्र स्थित टोनको में करमा पूजा महोत्सव 2024 का आयोजन संगम सरना समिति की ओर से किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आदिवासी समाज के संस्कृति, रीति-रिवाज, त्योहार, परम्परा को बचाना है। कार्यक्रम की शुरूआत आदिवासी करमा नृत्य के साथ की गई। सैकड़ों की संख्या में पहुंची महिलाओं ने नृत्य के माध्यम से अपनी संस्कृति बचाने का संदेश दिया। करमा लोक गीत गायन कर एकजुटता का संदेश समाज के लोगों ने दिया। मौके पर समाजसेविका पार्वती कच्छप ने कहा आज आदिवासी संस्कृति विलुप्ति की कगार पर है। युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति को भूलते जा रहे हैं। अपने समाज के लोग ही आदिवासी नृत्य और आदिवासी लोकगीत को बचाने पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

ऐसे में इस प्रकार का कार्यक्रम कर आदिवासी परंपरा को बचाने का संदेश हम लोगों ने देने का कार्य किया। प्रत्येक वर्ष करमा महोत्सव का आयोजन हमलोग करते हैं। इस बार कर्म पूजा से पूर्व कार्यक्रम कर रीति-रिवाज बचाने की मुहिम की शुरूआत हमलोगों ने की है। वहीं गांव के पाहन दिवाकर कच्छप ने कहा राज्य सरकार को भी आदिवासी समाज की परंपरा बचाने के लिए कार्य करना चाहिए। हमारा धर्म और संस्कृति ही हमारी पहचान है। आगे भी हमारा प्रयास रहेगा कि इस प्रकार का कार्यक्रम का आयोजन होता रहे। वहीं टोनको को रिंकी कच्छप ने भी करमा पूजा का महत्व और उद्देश्य को बताया। कहा करमा पूजा मूल रूप से बहन व भाइयों के आपसी प्रेम को प्रदर्शित करता है। मान्यता के अनुसार इस दिन बहन अपने भाई के सुख, समृद्धि और दीर्घायु होने की कामना के साथ पूरे दिन निर्जला व्रत रखा जाता है।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में रिंकी कच्छप, दिवाकर कच्छप, संजीव कच्छप, भरत कच्छप और पार्वती कच्छप का विशेष योगदान रहा।

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में कृत्रिम गर्भाधान टेक्नीशियन का माहव्यापी प्रशिक्षण सम्पन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय में भारत सरकार के राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत ग्रामीण इलाकों में कृत्रिम गर्भाधान कार्य करने के लिए बहुउद्देशीय कृत्रिम गर्भाधान टेक्नीशियन (मैत्री) का एक माह का प्रशिक्षण शनिवार 31 अगस्त को संपन्न हुआ। मैत्री के इस 16वें बैच का प्रशिक्षण 29 जुलाई को प्रारंभ हुआ था जिसमें 10 जिला के 35 ग्रामीण युवाओं ने भाग लिया। पशुचिकित्सा संकाय के डीन डॉ सुशील प्रसाद तथा डेयरी टेक्नोलॉजी कॉलेज के एसोसिएट डीन डॉ आलोक कुमार पांडेय ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान किया तथा उन्हें अपना आगे का कार्य गंभीरतापूर्वक करने का परामर्श दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में पशु चिकित्सा प्रसार शिक्षा विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ अमित कुमार झा की सक्रिय भूमिका रही। समापन कार्यक्रम का संचालन डॉ पंकज कुमार ने किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में चतरा, देवघर, दुमका, पूर्वी सिंहभूम, गिरिडीह, जामताड़ा, पाकुड़, पलामू एवं रांची जिला के 35 लोगों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण प्रभारी डॉ आलोक कुमार पांडेय ने बताया कि मई 2022 में यह परियोजना प्रारंभ हुई थी और विभिन्न बैच में अब तक झारखंड के लगभग 550 युवाओं को मैत्री प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

हाई कोर्ट में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना पर रोक लगाने के लिए पीआइएल दायर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड हाई कोर्ट में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना पर रोक लगाने के लिए शनिवार को जनहित याचिका दाखिल की गई है। सिमडेगा निवासी विष्णु साहू ने अधिवक्ता राजीव कुमार के माध्यम से यह याचिका दाखिल की है।

इस याचिका में कहा गया है कि आने वाले कुछ माह में झारखंड विधानसभा चुनाव होना है। सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देश के अनुसार राज्य सरकार किसी व्यक्ति विशेष को सीधे अकाउंट के माध्यम से पैसे नहीं दे सकती है। राज्य सरकार पब्लिक के परपस के लिए पैसा दे सकती है, क्योंकि जनता के टैक्स के पैसे से ही सरकार चलती है। सरकार काम पैसा को उस योजना में लगाना, जिससे पब्लिक का फायदा हो, किसी को सीधे पैसा देना सही नहीं है। उनकी ओर से यह भी कहा गया है कि चार माह से वृद्धा पेंशन, विकलांग पेंशन जैसी पेंशन की योजनाएं नहीं चल रही हैं।

उन्होंने याचिका में कहा कि विधानसभा चुनाव में वोटरों को प्रभावित करने के लिए यह योजना शुरू की गई है। मंईयां सम्मान योजना से 40 लाख से अधिक महिलाएं जुड़ चुकी हैं। राज्य सरकार ने महिलाएं और बुजुर्ग महिला को आर्थिक रूप से सबल बनाने के लिए यह योजना शुरू की गई है, जिसके तहत किसी घर में तीन महिलाएं और बुजुर्ग हैं तो सरकार सालाना 60 हजार रुपये देगी।

एक नजर

नगर सेवा सीजीएम से हुई वार्ता : रणधीर

बोकारो : राष्ट्रवादी इस्पात मजदूर संघ का प्रतिनिधि मंडल नगर सेवा विभाग के मुख्य महाप्रबंधक से मिलकर सेवानिवृत कर्मी जिनका ग्रेच्युटी बोकारो प्रबंधन रोक के रखा है उन कर्मियों को माननीय उच्च न्यायालय के आदेशानुसार 6 फीसदी ब्याज के साथ नॉर्मल रेंट काट के ग्रेच्युटी की पूरी राशि लौटाने के लिए ऑर्डर पास किया है महाप्रबंधक से मिल कर यूनियन के महामंत्री रणधीर सिंह ने कहा कि माननीय न्यायालय के आदेश अनुसार शीघ्र सभी कर्मियों का ग्रेच्युटी ब्याज के साथ लौटा दिया जाए इसके साथ-साथ नगर के सड़क संबंधी समस्याओं पर भी वार्ता हुई जिस पर महाप्रबंधक महोदय ने संघ को आश्वासन दिया कि विगत 15 दिनों के अंदर जितनी भी नगर की जर्जर सड़क है उसे ठीक किया जाएगा इसके अलावे नगर के अन्य समस्याओं पर भी मुख महाप्रबंधक नगर सेवा वार्ता हुई इस वार्ता में मुख्य रूप से केपी सिंह, सुशील चौधरी, अशोक कुमार, जय तिवारी, आदि लोग मौजूद थे।

सरकार आपके द्वार शिविर में टुंडी की छात्राओं को मिला साइकिल

धनबाद : आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के तहत शनिवार को टुंडी प्रखंड की बेगनरिया पंचायत में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में दर्जनों छात्र-छात्राओं का ऑन स्पॉट जाति प्रमाण पत्र निर्गत किया गया। वहीं, कई छात्राओं के बीच साइकिल का भी वितरण किया गया। साथ ही दर्जनों लाभुकों को पेंशन की स्वीकृति दी गई। शिविर में मनरेगा जॉब कार्ड, जेएसएलपीएस के बीच पहचान पत्र का भी वितरण किया गया। योजनाओं का लाभ पाकर ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार जताया। धनबाद प्रखंड की बारडुभी पंचायत में आयोजित आपकी सरकार-आपके द्वार शिविर में जेएसएलपीएस से संचालित स्वयं सहायता समूह को लिंकेज के रूप में 1 लाख 50 हजार रुपए का ऋण प्रदान किया गया। जेएसएलपीएस की दीदियों ने बताया कि इस ऋण राशि का प्रयोग वे गो पालन, बकरी पालन, राशन दुकान संचालन समेत अन्य व्यापार में आजीविका के लिए करेंगी।

चोरी की घटना का पुलिस ने किया उद्भेदन, चार आरोपी हुए गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : गत सप्ताह 23 अगस्त की रात्रि को ग्राम कमलडी सीह में अज्ञात चोरों के द्वारा एक साथ सटे चार घर में घुसकर घर का सामान चोरी का पिंडाजोड़ा पुलिस ने उद्भदान कर चार को जेल फॉरवर्ड किया है। इस घटना के संबंध में कांड की वादी विकास कुमार दास पिता आसुलाल दास ग्राम-कमलडीह थाना-पिंडराजोरा जिला बोकारो के लिखित आवेदन के आधार पर वादी एवं इनके घर से सटे तीन अन्य घरों में घुसकर घर का सामान अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी कर लेने के आरोप में पिंडराजोय थाना कांड संख्या 215/24 दिनांक 24/08/2024 धारा 331 (4) 305 बी०एन०एस० अंकित किया गया। इस कांड का उद्भेदन करने हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय के निदेर्शानुसार अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर चास के नेतृत्व में पिंडराजोरा थाना के पुलिस पदाधिकारी के साथ एक छापामारी दल का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा गुप्त सुचना तथा तकनिकी साक्ष्यों के आधार पर कांड का उद्देदन करते हुए अप्रा० अभि० छोटू कुमार महतो उम्र - 21 वर्ष पिता स्व० बासुदेव महतो ग्राम सीवनडीह आजादनगर थाना माराफारी जिला - बोकारो को गिरफ्तार कर अपराध स्वीकारोक्ति बयान लिया गया। जिसमे अप्रा० अभि० छोटू कुमार महतो के द्वारा अपने साथी राहुल मुर्मू उर्फ रसेल उम्र 20 वर्ष पिता कालिया मुर्मू ग्राम रीतुडीह झोपड़ी कॉलोनी गोचाटोला थाना - माराफारी जिला - बोकारो ,बिट्टू कुमार उर्फ छोटू उम्र 21 वर्ष पिता नारायण मंडल स्थायी पता ग्राम - विद्यापीठ चौक थाना टाउन थाना जिला लखीसराय (बिहार) वर्तमान पता जोधाडीह मोड़ चास थाना-चीरा चास जिला - बोकारो के साथ मिलकर दिनांक 23/08/2024 की रात्रि ग्राम कमलडीह में एक साथ सटे चार घरों में एवं दिनांक 20/08/2024 की रात्रि ग्राम खेदाडीह के एक घर से पैसा, बर्तन एवं जेवरात की चोरी कर अप्रा० अभि० बामा स्वर्णकार उम्र 37 वर्ष पिता स्व० जगरनाथ स्वर्णकार ग्राम स्वर्णकार मोहल्ला चास थाना- चास जिला बोकारो के पास बिक्री करने की बात स्वीकार किया है। छापामारी टीम के द्वारा अपा०अभि० राहुल मुर्मू उर्फ रसेल, बिट्टू कुमार उर्फ छोटू व बामा स्वर्णकार को गिरफ्तार किया गया है एवं इन सभी के निशानदेही पर चोरी किये गए सामानों को बरामद कर विधिवत जप्त किया गया है। दिनांक 20/08/2024 की रात्रि चोरी की घटना के संबंध पिंडराजोय थाना कांड संख्या 212/24 दिनांक 21/08/2024 धारा - 331(4)/305 बी०एन० एस० अंकित किया गया था।

विस्थापित अप्रेंटिस संघ ने 14 घंटे तक ईडी आवास घेराव को बताया बंधक बनाना : बोसा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : गुरुवार की सुबह लगभग 4.30 बजे से ही बोकारो विस्थापित अप्रेन्टिस संघ द्वारा बीएसएल के ईडी के सेक्टर 4 स्थित आवास का घेराव किया गया था। जो शाम लगभग 7 बजे तक चला। इस दौरान ई डी राजन प्रसाद और उनके परिवारजन अपने ही आवास में बंधक बने रहे। उक्त बातें शुक्रवार को आयोजित बीएसएल प्लांट आफिसर्स एसोसिएशन ने प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कही। एसोसिएशन की ओर से कहा गया कि बोकारो विस्थापित अप्रेन्टिस संघ के साथ वार्ता के लिए बीएसएल का एच आर विभाग, उनसे लगातार संपर्क करता रहा है। सीजीएम के स्तर से भी वार्ता की पहल की जाती रही है। इस पृष्ठभूमि में 14 घंटे तक आवास में ईडी और उनके साथ उनके पूरे परिवार को घेराव कर बंधक बनाये रखना। कहाँ तक उचित है। इस से प्लांट सहित सभी तरह काम प्रभावित होने की बात कही गई।

जिला प्रशासन बनी रही मूक दर्शक-

बोसा ने इस प्रकरण पर बोकारो जिला प्रशासन की गतिविधि पर हैरानी जाहिर करते हुए, जिला प्रशासन को मूक दर्शक करार दिया। पूछा कि क्या उनके उच्च अधिकारी के साथ भी ऐसा होता, तब भी क्या जिला प्रशासन इसी तरह मूक दर्शक बनी रहती क्या बोकारो जिला प्रशासन का यह कर्तव्य नहीं है कि इस तरह की घटना पर स्वतः संज्ञान ले बीएसओए ने जिला प्रशासन से इस घटना पर संज्ञान लेने और उचित कारवाई की मांग की। वहीं, ऐसे घटना को कतई बर्दास्त नहीं करने तथा इस मामले को उच्च स्तर तक ले जाने की बात कही। इधर बीएसएल अधिकारियों ने इस घटना से आसपास के लोगों को हुई परेशानी का जिक्र करते हुए।

ईस्ट इंडिया इंटर स्कूल स्पेस डे क्विज प्रतियोगिता में डीएवी 4 ने रचा इतिहास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : झारखण्ड का प्रथम एवं एकमात्र स्कूल डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर-4 जिसने प्रथम ईस्ट इंडिया इंटर स्कूल स्पेस डे क्विज प्रतियोगिता कोलकत्ता में शामिल होकर विद्यालय का नाम इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों से दर्ज कराया। आज विद्यालय में स्पेस सप्ताह के अंतर्गत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन संपन्न। भारत ने 23 अगस्त को अपना पहला अंतरिक्ष दिवस मनाया, इस दिन चंद्रयान-3 मिशन के तहत चंद्र सतह पर विक्रम लैंडर की सफल लैंडिंग के एक वर्ष पूरे हो गए थे। इस सफलता के साथ ही भारत चंद्रमा पर उतरने वाला चौथा देश और उसके दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र पर उतरने वाला पहला देश बन गया। भारत सरकार द्वारा इस दिन को स्पेस डे घोषित किया गया है और इस संदर्भ में विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन देश भर में के विद्यालयों में किया जा रहा है। जिसमें डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर-4 के तीन बच्चे अमन सिंहा ,युवराज कुमार, और ज्ञान कुमार ने कोलकत्ता में आयोजित होने वाले क्विज प्रतियोगिता में ब्रांड एंबेसडर भूमिका निभाते हुए अपना सकारात्मक योगदान दिया। बच्चों ने अपने मार्गदर्शक शिक्षक श्री सुभाष कुमार के मार्गदर्शन से अपना बेहतरीन प्रदर्शन किया। विद्यालय में भी कक्षा 7वीं से 9वीं तक के बच्चों के बीच स्पेस सप्ताह के अंतर्गत प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। बच्चों को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए पोस्टर और पेन्स प्रदान किया गया। प्राचार्य श्री सर्बेंदु शेखर कर ने बच्चों के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा करते हुए उन्हें प्रशस्तिपत्र और पोस्टर प्रदान कर, बताया कि शिक्षा का उद्देश्य तथ्यों को सीखना नहीं बल्कि दिमाग को प्रशिक्षित करना होता है।प्रगति के लिए प्रयास करें, पूर्णता के लिए नहीं। शिक्षा का उद्देश्य प्रगतिशील मनुष्यों का निर्माण करना है, न कि केवल वे जो पूर्णता के पीछे अस्पष्ट रूप से भागते हैं। मानव समाज को एक सभ्य समाज में बदलने वाला एकमात्र आवश्यक कारक शिक्षा है।

रानी सती दादी मंदिर का 26 वां भादो अमावस्या महोत्सव पर निकाली गयी शोभा यात्रा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : भादो अमावस्या महोत्सव पर प्रभात फेरी के साथ निशान सह शोभा यात्रा कि शुरूआत नर्मदेश्वर मंदिर से कलश यात्रा के साथ हुईं, 26वा भादो अमावस्या महोत्सव पर भव्य निशान सह शोभायात्रा राहुल चौक से शोभायात्रा कतरास राणी सती दादी मंदिर तक गयी, समाजसेवियों ने अभिवादन किया। जगह जगह पर पेय पदार्थ का वितरण किया, आर्कषक झांकी देखते ही बन रही थी. यात्रा को देखने के लिए लोगो की भीड़ उमड़ पड़ी । इस अवसर पर हवन, पूजन, पाठ के साथ- साथ कई संगीतमय कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। कोलकाता के प्रसिद्ध कलाकार श्वेता अग्रवाल एंड पार्टी और ज्योति खन्ना एंड पार्टी द्वारा भक्ति जागरण का कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। कांग्रेसी नेता रोहित यादव के साथ विनय पासवान,संजीव पांडे, मो मिराज, मो वसीम, अनुराग राजगढ़िया,परदेशी यादव ,परेश दासौंधी , जावेद रजा ,विजय दासौंधी ,सोनू राय यादव, संजय भगत,बाबू बर्मन , राज कुमार यादव, दीपक सिंह,भोला दास, मुलायम पांडे, विशाल यादव, राजू, चौटाला, छोटू सिंह, राजा सिंह, अमित, प्रदीप यादव, शशि सिंह, गुड्डू कुमार ,कल्लू आदि समर्थक मुख्य रूप से उपस्थित रहे। धनबाद सांसद प्रतिनिधि शत्रुघ्न महतो ने शोभायात्रा में निशान झंडा लेकर चल रहे थे। लायंस क्लब ऑफ कतरास के द्वारा सभी 700 श्रद्धालुओं के लिए पानी तथा फ्रूटी की सेवा दी गई। इस सेवा में लायंस क्लब ऑफ कतरास के अध्यक्ष डॉ विश्वनाथ चौधरी, दीनानाथ चौधरी तथा अन्य सदस्यों में बिष्णु प्रसाद चौरसिया, महेश अग्रवाल, कृष्णा कन्हैया राय, डॉक्टर स्वतंत्र कुमार सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता बंटी कुलवाल, ब्रजेश सिंह, शुभम कुमार, सागर विश्वकर्मा, नाजो साहू,बटेश्वर सिंह, राणा प्रताप सिंह सहित कई सामाजिक जन उपस्थित थे।

वाहन जांच के नाम पर ग्रामीणों को परेशान करना बंद करे ट्रैफिक पुलिस : कुमार अमित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददा

बोकारो : भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुमार अमित आम लोगों की ट्रैफिक से जुड़ी समस्याओं के समाधान को लेकर बोकारो ज़िला के ट्रैफिक डीएसपी आशीष मंगली से मिले एवं ज्ञापन दिया। कुमार अमित ने ट्रैफिक डीएसपी से कहा कि चास आइटीआइ मोड़, चास प्रखंड मुख्यालय, जोधाडिह मोड़ आदि क्षेत्रों में जहां गाँव के गरीब, मजदूर-किसानों की आवाजाही जादा होती है। वहां बोकारो ट्रैफिक पुलिस द्वारा ग्रामीणों को वाहन जाँच के आड़ में कदम-कदम पर रोक कर अनावश्यक परेशान किया जा रहा है। जिसके कारण ग्रामीणों में ट्रैफिक पुलिस के प्रति रोष व्याप्त है। जिला ट्रैफिक पुलिस को इस विषय का संज्ञान लेकर अविलम्ब रोक लगाना चाहिए जिससे जनता को इस समस्या से निजात मिले। ट्रैफिक पुलिस का काम केवल चालान काटना हीं नहीं बल्कि यातायात नियमों को लेकर आम जनता को जागरूक करना भी है। ग्रामीण क्षेत्रों में इसे लेकर विशेष जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है जिससे ग्रामीणों में यातायात नियमों को लेकर जागरूकता आए। इसके अलावे कुमार अमित ने चास चेक पोस्ट, जोधाडिह मोड़, सिटी सेंटर सेक्टर 4 में वाहन पार्किंग व्यवस्था बनाने, नया मोड़, चेक पोस्ट, जोधाडिह मोड़, आइटीआइ मोड़, महावीर चौक, धर्मशाला मोड़ एडीएम बिल्डिंग, मजदूर मैदान, आदि जैसे बोकारो के भीड़भाड़ वाले इलाकों में ट्रैफिक सिग्नल और पुरे शहर में सीसीटीवी कैमरा लगाने एवं तालगड़िया मोड़ पर ट्रैफिक पुलिस का पोस्ट बनाने की मांग बोकारो ट्रैफिक पुलिस से की है।

झारखंड में घुसपैठिए बसा रहा है जमाई टोला : शिवराज सिंह चौहान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : राष्ट्रवादी विचार मंच द्वारा बोकारो के सेक्टर थर्ड सी स्थित पू. त. जगजीवन महाराज सरस्वती विद्या मंदिर में झारखंड किधर शीर्षक पर आयोजित विचार गोष्ठी कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता, केंद्रीय मंत्री सह झारखंड चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान शुक्रवार शाम हवाई मार्ग से बोकारो पहुंचे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्व हिन्दू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष जगन्नाथ शाही ने की। संयोजक की भूमिका राजेन्द्र विश्वकर्मा ने निभाई। वहीं, बतौर मुख्य अतिथि धनबाद-बोकारो सांसद ढुल्लू महतो तथा विशिष्ट अतिथि बोकारो विधायक विरंची नारायण मौजूद थे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिव राज सिंह चौहान झारखंड सरकार पर जमकर बरसे। कहा कि झारखंड बांग्लादेशी घुसपैठिए का चारागाह बन गया है। झारखंड की हेमंत सरकार और कांग्रेस इन लोगो को आश्रय दे रही है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से उनकी जमात बढ़ी है, ऐसे में जगह का नाम भी जमाई टोला रख दिया गया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जिस तरह से घुसपैठिए की तादात बढ़ रही है, ऐसे में आनेवाले समय में झारखंड पर इन्हीं लोगो का कब्जा हो जाएगा। अगर झारखंड को बचाना है तो इस बार भाजपा सहित एनडीए की सरकार झारखंड में बनाना होगा। तभी ये राज्य को बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह बातें झारखंड का चुनाव प्रभारी होने के नाते नहीं बल्कि देश का एक सच्चा नागरिक होने के नाते बोल रहा हूं। सभी को जात-पात और आपस में भेदभाव भुलाकर, इस लड़ाई में बढ़चढ़कर आने की अपील की। कहां कि विपक्ष जात-पात को लेकर हमे बाटने के कोशिश में लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि ये मात्र कुर्सी की लड़ाई नहीं है। ना ही किसे मुख्यमंत्री बनाना है, किसे नहीं बनने की। ये झारखंड को बचाने की लड़ाई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमलोगों ने धारा 370 हटाने का, राम मंदिर बनाने का वादा पूरा किया। लेकिन झारखंड में जेएमएम और कांग्रेस ने जो वायदा किया, वो अबतक पूरा नहीं किया। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, विधानसभा चुनाव के दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा ने जनता से कई वादा किया था।

संक्षिप्त खबरें

आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम का हुआ आयोजन

धनबाद : धनबाद प्रखंड के बारडुभी पंचायत में आयोजित आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार शिविर के दौरान जेएसएलपीएस अंतर्गत गठित एवं संचालित स्वयं सहायता समूह को लिंकेज के रूप में 1 लाख 50 हजार रुपए का ऋण प्रदान किया गया। इसको लेकर सभी स्वयं सहायता समूह की दीदियों ने माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन को आभार एवं धन्यवाद प्रकट किया। दीदियों ने बताया कि इस ऋण राशि का प्रयोग वह गौ पालन, बकरी पालन, राशन दुकान संचालक समेत अन्य व्यापार कर आजीविका हेतु करेंगे, जिससे उनके आर्थिक विकास में काफी सहायता मिलेगी। जेएसएलपीएस अंतर्गत गठित एवं संचालित स्वयं सहायता समूह की सभी दीदियों ने माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का आभार प्रकट करते हुए आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में मिले लाभ हेतु धन्यवाद बोला।

कोलियरी अभियंता के कार्यशैली के विरोध में 2 सितंबर से विरोध प्रदर्शन

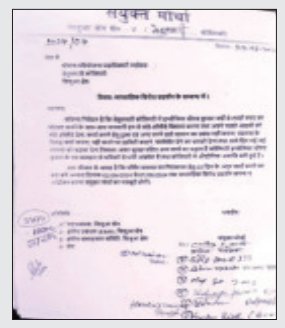

धनबाद : तेतुलमारी कोलियरी के विधुत अभियंता धीरज कुमार के मनमानी रवैये के खिलाफ संयुक्त मौर्चा के बैनर तले 2 से 7 सितंबर तक तेतुलमारी कोलियरी प्रांगण में विरोध प्रदर्शन करेंगे। उक्त सिमेवा के शाखा सचिव सचिव खगेन्द्र रवानी ने दी। श्री रवानी ने कहा कि तेतुलमारी कोलियरी में विद्युत अभियंता धीरज कुमार वर्षों से लाखों रुपए का घोटाला करने के साथ मनमानी ढंग से संडे-हॉलीडे वितरण करना तथा अपने चाहते आदमी को संडे-हॉलीडे देना, कार्य करने हेतु टूल्स एवं अन्य सामान का परचेज व पदनाम के विरुद्ध कार्य करना, नहीं करने पर हाजिरी काटने, चार्जशीट देने का धमकी देना तथा आये दिन नई-नई समस्या को बढ़ावा देना जिसका असर सुरक्षा सहित अन्य कार्य पर पड़ता है ।विद्युत अभियंता धीरज कुमार के इस व्यवहार से श्रमिकों में भारी आक्रोश है तथा कोलियरी में औद्योगिक अशांति बनी हुई है। वर्णित समस्या का निराकरण हेतु 03 दिन के अंदर वार्ता नही होने पर 2 सितंबर से 7 सितंबर तक साप्ताहिक विरोध प्रदर्शन करना व आंदोलन करेगी। मौके पर खगेन्द्र रवानी,धर्मद्र मिस्त्री,शाहजादा हामिद हुसैन,कुंदन रजक,भीम महतो सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

असंगठित मजदूरों ने बैठक का किया आयोजन

धनबाद : असंगठित मजदूरो के द्वारा पाण्डेडीह चंदौर बस्ती में एक बैठक हुई, जिसमे प्रवेक्षक के रूप में सिजुआ क्षेत्र के क्षेत्रिय सचिव कॉ० मो शरीफ के उपस्थिति में संपन हुआ। मजदूरो द्वारा असंगठित मजदूर यूनियन का गठन किया गया। जो अध्यक्ष कॉ अनिल वर्मा, उपाध्यक्ष कॉ० विकास बाउरी व धर्मेन्द्र कुमार वर्मा, सचिव शेखर वर्मा, सहायक सचिव उमेश बाउरी व विष्णु वर्मा, कोषाध्यक्ष- दीपू वर्मा, संगठन सचिव कॉ० प्रशांत वर्मा, कार्यकारणी सदस्य कॉ० अमित वर्मा, विपुल वर्मा,संजय बाउरी, पप्पू कुमार चौहान, सुरेश चौहान, संतोष वर्मा, संजीत बाउरी , कमलेश बाउरी , कृष्ण कुमार रजक, राकेश बाउरी, उपेन्द्र कुमार वर्मा, हरेंद्र कुमार बर्मा आदि लोग को जिमेवारी दि गई।

गलत स्कूल ड्रेस पहनने पर की गयी छात्राक की पिटाई, अभिवक पहुंचे विद्यालय

कसमार : प्रखंड अंतर्गत खैराचातर स्थित आनंद मार्ग उच्च विद्यालय के आधा दर्जन छात्राओं की आज जमकर पिटाई साइंस शिक्षक ने कर दी। पिटाई के बाद दर्द से कराह रहे हैं छात्र-छात्राएं। जब शिकायत लेकर अभिभावक तथा जनप्रतिनिधि विद्यालय पहुंचे तो कोई भी शिक्षक तथा संचालक विद्यालय में नहीं थे मौजूद। प्राप्त जानकारी के अनुसार आनंद मार्ग उच्च विद्यालय के नव तथा दसवीं के आधा दर्जन छात्र-छात्रा आज पीटी यूनिफॉर्म में विद्यालय नही पहुंचे थे। सवेरे प्रार्थना के समय विद्यालय के विज्ञान शिक्षक सूरज पांडे ने उनकी छड़ी से जमकर पिटाई कर दी। छात्रों के हाथ तथा कलाई में गंभीर चोटे हैं। जिससे उन्हें काफी पीड़ा हो रही है। छात्र अपने अभिभावक के पास पहुंचे तो वह काफी परेशान हुए। फिर स्थानीय मुखिया विजय कुमार जायसवाल तथा समाजसेवी संजय कुमार जायसवाल, गौतम सागर तथा कुछ पत्रकार जब विद्यालय पहुंचे तो विद्यालय बंद था। तथा संचालक विद्यालय में मौजूद नहीं थे ।काफी इंतजार के बाद तथा फोन से संपर्क करने के बाद विद्यालय की प्रधानाध्यापिका पहुंची तथा संचालक गांव से बाहर चले गए थे। जिस कारण किसी प्रकार की बातचीत नहीं हो पाई।

डीवीसी ने चिरकुंडा जलापूर्ति योजना की बिजली काटी, 2 दिन से जलापूर्ति ठप

धनबाद : डीवीसी का चिरकुंडा नगर परिषद शहरी जलापूर्ति योजना पर सात माह का करीब 17 लाख रुपए बिजली बिल बकाया है। बकाया का चुकता नहीं करने पर डीवीसी ने जलापूर्ति योजना की बिजली शुक्रवार को काट दी। इसके चलते चिरकुंडा नगर परिषद क्षेत्र में दो दिनों से जलापूर्ति ठप है। करीब 50 हजार की आबादी को दूसरे दिन शनिवार को भी सप्लाई का पानी नहीं मिला। इससे लोग काफी परेशान हैं। इस बीच नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी विजय कुमार हांसदा ने डीवीसी कोलकाता के मुख्य अभियंता को पत्र लिखकर 6 सितंबर तक बकाया बिजली बिल जमा करने का आश्वासन देते हुए बिजली बहाल करने का अनुरोध किया है। डीवीसी के अधिकारी ने बताया कि कार्यपालक पदाधिकारी का पत्र मिलने के बाद शनिवार को शहरी जलापूर्ति योजना की बिजली बहाल कर दी गई।

जमीन का डेटा ऑनलाइन गड़बड़ी कर डिजिटल डकैती कर रही है सरकार : सुदेश महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने आरोप लगाते हुए कहा है कि राज्य की वर्तमान परिस्थिति में लोग अपनी खतियानी जमीन तक का ऑनलाइन रसीद निर्गत नहीं करा पा रहे हैं। आज एक जमीन को उसके वाजिब मालिक की जगह दूसरे के नाम से ऑनलाइन अपडेट किया जा रहा है। फिर खुद से जानबूझकर किए गए गड़बड़ी को ठीक करने के लिए जमीन के मालिक से अधिकारी मोटी रकम वसूल रहे हैं। सुदेश कुमार महतो शनिवार को मांडू प्रखंड के तरवा टांड़, मुरपा, कुज्जू में आयोजित में मांडू विधानसभा स्तरीय चूल्हा प्रमुख सम्मलेन सह शपथ ग्रहण समारोह में बोल रहे थे। मौके पर उपस्थित हजारों चूल्हा प्रमुखों ने शपथ ग्रहण की। महतो ने आरोप लगाया कि सरकार

जमीन का डेटा ऑनलाइन गड़बड़ी कर डिजिटल डकैती कर रही है। इस अराजक व्यवस्था ने गरीब परिवार को मानसिक और आर्थिक रूप से तोड़ दिया है। हमारी तैयारी इस व्यवस्था को बदलने की है। इनके आंकड़ों और हिसाब में कोई मेल नहीं है। उन्होंने कहा कि झारखंड आंदोलन को बेचने वाली जेमएएम और खरीदने वाली कांग्रेस ने अपने गलत नीति निर्धारण से राज्य के विकास पर विराम लगा दिया है। 40 साल से सक्रिय राजनीति में रहने वाली पार्टी जेएमएम ने राज्य के हित में कोई काम नहीं किया। राज्य की जनता ने इनकी दूसरी पीढ़ी को नेतृत्व का मौका तो दिया लेकिन इन्होंने अपनी ही जनता को केवल ठगने का काम किया है। जनता को कई महीनों से पेंशन नहीं मिला है, उनके हक के राशन से भी उन्हें वंचित होना पड़ रहा है। राशन कार्ड में नाम जोड़ने के लिए लोग सालों से सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि मांडू के हर परिवार ने राज्य आंदोलन की लड़ाई लड़ी है। मांडू का हर परिवार राज्य के बारे में सोचने वाला है। भूगर्भ संपदा से परिपूर्ण इस क्षेत्र की जनता को आज तक कुछ नहीं मिला। अपार संभावनाओं वाले इस क्षेत्र के युवा दो जून की रोटी के लिए पलायन को विवश हैं। मांडू पिछली बार हुई चूक को नहीं भूला है। मांडू बदलाव के लिए तैयार है। मौके पर उपस्थित सभी चूल्हा प्रमुखों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि चूल्हा प्रमुख एक अटल विचार और मजबूत शक्ति है। हमारा उद्देश्य हर गांव हर घर से जवाबदेह राजनीति तैयार करना है। महिलाओं का आजसू पार्टी के प्रति सबसे अधिक स्नेह और जुड़ाव है। इसकी वजह है कि हमने महिलाओं पंचायत चुनाव में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण से उनकी राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करने का काम किया है। पार्टी के वरीय उपाध्यक्ष सह गिरिडीह के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव से पहले लोकलुभावन वादों की पोथी लेकर आने वाली हेमंत सरकार ने जनता से किए एक भी वादे को पूरा नहीं किया। इन्होंने जनता को छलने का काम किया है। सरकार चुनाव सामने देख नए-नए वादे कर फिर जनता को भ्रामित करने का प्रयास कर रही है। हम सभी को मिलकर इस सरकार को सत्ता से हटाने का काम करना है। स्थानीय नीति, नियोजन नीति और विस्थापन नीति बनाने का वादा कर सत्ता में आई सरकार ने कोई नीति नहीं बनाई। पांच लाख नौकरी का वादा पूरा न करके युवाओं को ठगने का काम किया है।

विधानसभा चुनाव को लेकर प्रशासन द्वारा बैठक का किया गया आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए आज 31अगस्त को सिल्ली थाना अंतर्गत फारेस्ट गेस्ट हाउस मे अंतर्राज्यीय एवं अंतर्जिला पुलिस पदाधिकारी के उपस्थिति मे विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण रूप से संपन्न कराने हेतु बैठक किया गया। जिसमे अंतर्राज्यीय एवं अंतर्जिला अंतर्गत पड़ने वाले आपराधिक गिरोह,जेल से छूटे अपराधकर्मी, नक्सल, अंतर्राज्यीय सीमा पर होने वाले विभिन्न प्रकार के अवैध कारोबार से सम्बंधित अपराधकर्मी की सूची आदान प्रदान किया गया एवं आपराधिक गिरोह एवं अपराधकर्मी पर कड़ाई से करवाई

करने हेतु विचार विमर्श किया गया। बैठक मे सिल्ली पुलिस उपाधीक्षक रणवीर सिंह, झालदा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गौरव घोष, बुंडू पुलिस उपाधीक्षक रतिभान सिंह, रामगढ़ पुलिस उपाधीक्षक परमेश्वर प्रसाद, रामगढ़ गोला अंचल निरीक्षक पंकज कुमार, अनगड़ा अंचल पुलिस निरीक्षक हाँसे उराव,सिल्ली थाना प्रभारी दिनेश ठाकुर, मुरी ओपी प्रभारी कुंदन कुमार सिंह, सोनाहातू थाना प्रभारी चन्दन कुमार, बरलंगा थाना प्रभारी एवं तुलिन प्रभारी तप्पन गोराई उपस्थित थे।

झारखंड नवनिर्माण यात्रा आज से जयराम महतो करेंगे यात्रा का नेतृत्व

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के द्वारा कल रविवार को विशाल न्याय यात्रा किया जाएगा। यह यात्रा केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो की उपस्थिति में वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्रनाथ महतो के द्वारा किया जाएगा। यात्रा भगवान बिरसा मुंडा के जन्मस्थली उलिहातु खूंटी से प्रारंभ होकर झारखंड के प्रथम स्वतंत्रता सेनानी रघुनाथ महतो शहीद स्थल लोटा सिल्ली तक तय होगा। यात्रा का रूट उलिहातु,अड़की,तमाड़,बुंडू और राहें होते हुए सिल्ली प्रवेश करेगी। इसकी संपूर्ण तैयारी संगठन की ओर से कर लिया गया है। इस महा यात्रा का प्रशासनिक सूचनार्थ प्राप्त कर लिया गया। इस संबंध में देवेंद्र नाथ महतो ने जानकारी देते हुए कहा कि राज्य कई सफल ऐतिहासिक आंदोलन होने के बाद भी सरकार ने हमारे नैतिक मांगों को नजरअंदाज किया है। के पीछे 24 वर्षों के दौरान भी यहां झारखंडी का पहचान नहीं हो सका है। खतियान धारी को उचित अवसर और सम्मान नहीं मिल रहा है। बिरसा मुंडा के वंशज को आदर पूर्वक सम्मानित करने के बाद ही यात्रा को आरंभ किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजक मंडली में महिला अध्यक्ष दमयंती मुंडा,जिला अध्यक्ष आलोक उंराव,नवीन मुंशी, खुदिराम, नकुल मुकेश, अजय, रोमा निगम, संजीव, फलिंद्र करमाली, विमल सर, सुमित खतियानी, लकी रामू, प्रकाश, अजीत, खगेन्द्र, नरेश, सुभाष आदि सक्रिय है।

संक्षिप्त खबरें

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अनगड़ा : अनगडा प्रखण्ड के दो पंचायत चतरा एव हेसल में सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया आयोजन में ग्रामीण एव बुर्जुग काफी उत्सुक देखें। राज्य सरकार की महत्वपूर्ण योजना समाजिक सुरक्षा, अबुआ आवास योजना, कृषि विभाग, सर्वजन पेंशन योजना, मनरेगा, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, (के .सी .सी) फूलो झानो, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना आदि योजनाओं की जानकारी सरकार के अधिकारी के साथ-साथ स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने योजना के प्रसार-प्रचार में सराहनीय भूमिका निभाई एव कई योजनाओं को शीघ्रता के साथ निष्पादन किया गया अवेदन भी स्वीकार किए गए। पंचायत चतरा में उपप्रमुख जयपाल हजाम, प्रखण्ड अध्यक्ष एतवा उरांव विधायक प्रतिनिधि औद्योगिक टाटीसिल्वे किस्टो कुजूर अध्यक्षा सरिता देवी, ममता देवी, सुजय महतो वही पंचायत हेसल में विधायक प्रतिनिधि राजेन्द्र मुण्डा शिक्षा विभाग साकिर अंसारी, मत्स्य पालन विभाग सचिन नायक युवा अध्यक्ष अजय करमाली पंचायत समिति सदस्य शीला देवी चिलदाग पंचायत समिति प्रतिनिधि रबानी राज सिरका पूर्व मुखिया अनीता मुण्डा सहित अशोक बेदिया, यूनूस अंसारी, इत्यादि लोगा उपस्थित थे।

हिंडालको आल्युमिनियम फैक्ट्री से दो मजदूर हुए सेवानिवृत्त

मुरी : मुरी आज 31 अगस्त को हिंडालको अल्युमिनियम फैक्ट्री से दो मजदूर का सेवानिवृत्ति हुआ। जिसमें एक जीवराज महतो मैकेनिकल विभाग जो मुरी अल्मीनियम वर्कर्स यूनियन के भूतपूर्व महामंत्री रहे हैं, दूसरा इलेक्ट्रिकल विभाग से आत्माराम महतो का सेवानिवृत्ति हुआ। जिसे सभी मजदूरों ने शाम के 5:00 बजे के बाद भारी संख्या में एक विदाई समारोह का आयोजन मेडिकल चौक में किया गया और दोनों मजदूर साथी को गुलदस्ता, फूलों की माला व अंग वस्त्र देकर उन्हें सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह में मुख्य रूप से सदानंद सोनार, अरुण सोनार, मुकेश साहू, नीतीश कुमार महतो, आलोक कुमार महतो, मालू, नाजीर हुसैन, सूरज महतो, सुमित कुमार महतो उर्फ डोला एवं एवं सैकड़ो संख्या में मजदूर साथी शामिल रहे। नगाड़े के धुन पर गाजे बाजे के साथ उन्हें घर तक पहुंचाया गया।

अधेड़ ने तालाब में लगाई छलांग, हुई मौत

सिल्ली : सिल्ली थाना के समीप साहेब बांध तालाब में कोकोराना निवासी हरिहर कोईरी उम्र 45 वर्ष की की तबीयत बिगड़ने पर उनके परिजनों द्वारा राहत नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया था। जानकारी के मुताबिक उसकी तबीयत ठीक होने पर अस्पताल से छुट्टी कर दी गई थी तत्पश्चात वह साहेब बांध तालाब में रात्रि 9 बजे के आसपास छलांग लगा दिया। रात्रि में ही पुलिस और ग्रामीणों के सहयोग से उसको खोजने का प्रयास किया गया परंतु नहीं मिला। सिल्ली थाना प्रभारी दिनेश ठाकुर ने बताया कि हरिहर महतो के भाई सुचांद कोईरी ने एक लिखितआवेदन दिया था जिसके तहत कार्रवाई करते हुए साहेब बांध तालाब में मछुआरों के द्वारा खोजबीन शुरू कराया गया जहां शव साहेब बांध तालाब सिल्ली से बरामद किया गया। शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रांची रिम्स भेज दिया गया।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में आयोजित क्रिएटिविटि कॉनक्लेव का हुआ समापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची में सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स द्वारा आयोजित क्रिएटिविटि कॉनक्लेव के समापन समारोह का आयोजन बड़े उत्साह और उमंग के साथ किया गया। सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स, रांची ने पिछले एक महीने में कई प्रतियोगिताएं आयोजित की, जिसमें टॉर्क, शब्दनामा, हेस्टी टेस्टी-फायरलेस कुकिंग, इंटर स्कूल पैट्रिऑटिक साँग जैसी कई रोचक इवेंट शामिल थे। महीने भर की इन प्रतियोगिताओं में विभिन्न स्कूलों के 2000 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत एक सुंदर ओडिसी नृत्य तथा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस आयोजन में दो प्रतियोगिताएं शामिल थीं- टॉर्क-इंटिग्रेटेड डांस डायलॉग और खेलें खिलखिलाएँ-टॉय मेकिंग प्रतियोगिता। इसमें सीखने और करने और आनंददायक शिक्षा के सिद्धांत को अनुभव करने के लिए प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता में कई स्कूलों के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्हें कला और शिक्षा के क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकित किया गया। निर्णायक मंडली में विपुल नायक, गेस्ट फैकल्टी, रांची विश्वविद्यालय, दीपक कुमार, पाजेब, रांची, डॉ. मुकेश कुमार सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, कॉमर्स एडं बिजनेस मैनेजमेंट, सरला बिरला विश्वविद्यालय रांची तथा डॉ. अतुल कुमार कर्ण, असिस्टेंट प्रोफेसर, कॉमर्स एडं बिजनेस मैनेजमेंट, सरला बिरला विश्वविद्यालय रांची शामिल थे। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन और पुरस्कार वितरण के साथ हुआ। टॉर्क इवेंट में डीएवी पब्लिक स्कूल, हेहल ने पहला स्थान हासिल किया। सुरेंद्रनाथ सेंटेनरी स्कूल ने द्वितीय स्थान और फिरायालाल पब्लिक स्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बस की चपेट में आने से छात्र की मौत, सड़क जाम

चतरा : सिमरिया प्रखंड के बेलगडा गांव में एनएच-100 में शनिवार को खुशी नामक यात्री वाहन की चपेट में आने से एक छात्र की मौत हो गई। मृतक अभियंत कुमार राजकीय मध्य विद्यालय बेलगडा के तीसरी कक्षा का छात्र था। छात्र के इस प्रकार हुई दर्दनाक मौत से ग्रामीण आक्रोशित हो उठे और सिमरिया-बगरा पथ को जाम कर दिया। सूचना के बाद सिमरिया एसडीपीओ विनय कुमार केसरी, सीओ गौरव कुमार और थाना प्रभारी मानव मयंक घटना स्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने बुझाने का प्रयास किया। ग्रामीणों का कहना था कि विद्यालय की लापरवाही के कारण बच्चे की जान गई है। ऐसे में लापरवाह शिक्षकों पर कार्रवाई हो और परिजनों को मुआवजा दिया जाए। संध्या में वार्ता और परिजनों को समझाने के बाद सड़क जाम हटा लिया गया। घटना के बाबत बताया गया कि छात्र को स्कूल से पैसा चेंज कराने के लिए बाहर भेजा गया था। इसी दौरान छात्र यात्री वाहन के चपेट में आ गया। इधर घटना के बाद यात्री वाहन को जब्त कर लिया गया है। वाहन चालक फरार हो गया है।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, खूँटी।

चाईबासा रोड, खूँटी, पिन- 835210 फोन नं० - 06528-299928 (Email Id - eedwsd.khunti@gmail.com)

पत्रांक...../ दिनांक...../

प्रेस विज्ञप्ति

एतद् द्वारा **मेसर्स लोलर इन्फ्रा प्राईवेट लिमिटेड**, लालगंज सुगनु, टाटीसिल्वे, राँची झारखण्ड को इस प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से अंतिम बार यह सूचित किया जाता है कि आपको पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, खूँटी अन्तर्गत खिजुर टोली ग्रुप ऑफ SVS Scheme आवंटित है, जिसका एकरारनामा संख्या- 213F2/2021-22 दिनांक- 22.03.2022 एवं कार्य पूर्णता की तिथि 21.06.2022 थी। उक्त योजना का कार्य आपके द्वारा आज तक पूर्ण नहीं किया जा सका है इस संदर्भ में इस कार्यालय के पत्रांक- 1441, दिनांक- 06.10.2023, पत्रांक- 66, दिनांक- 10.01.2024 एवं पत्रांक- 275, दिनांक- 20.02.2024 द्वारा अंतिम नापी हेतु सूचित किया गया है लेकिन विभाग द्वारा अंतिम नापी हेतु निर्धारित किसी भी तिथि को स्थल पर आप उपस्थित नहीं हुए।

अतः अंतिम सूचना देते हेतु अनुरोध है कि दिनांक- **04.09.2024** को अंतिम नापी के समय स्वयं या आपके प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। अन्यथा आप के अनुपस्थिति में विभागीय अभियंता द्वारा अंतिम नापी कर ली जायेगी एवं बाद में आपका कोई भी दावा मान्य नहीं होगा।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, खूँटी।

PR 334312 (Drinking Water and Sanitation) 24-25 (D)

जिला समादेष्टा का कार्यालय, झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी, राँची

प्रेष विज्ञाप्ति

जिला समाादेष्टा, का कार्यालय झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी, राँची में सरकारी भण्डार के अनुपयोगी सामग्रीयों का उपस्कर को कंडम घोषित किया गया है। जिसकी निलामी द्वारा विक्रय करने का निर्णय लिया गया है। इच्छुक पार्टियों को सूचित करना है कि दिनांक–01.09.2024 से 14.09.2024 तक जिला समादेष्टा, कार्यालय राँची से सम्पर्क कर इस संबध में आवश्यक जानकारी प्राप्त की जा सकती है एवं कंडम घोषित सामग्रीयों/उपस्करों की सूची का अवलोकन किया जा सकता है दिनांक–18.09.2024 को निलामी की तिथि घोषित की गई है। इस तिथि में इच्छुक पार्टी निलामी में सम्मिलित होकर अपनी बोली लगा सकते है। अधीकतम बोली वाले पार्टी को सामग्रीयों/उपस्कर की निलामी होगी।

ह0/
जिला समादेष्टा
झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी राँची

PR 334277 (Police)24-25*D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल संख्या–1, राँची

अति अल्पकालीन निविदा/कोटेशन आमंत्रण सूचना–44/2024–25

1. विज्ञापनदाता का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल राँख्या–1,राँची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री करने की तिथि एवं समय : दिनांक 09.09.2024 को 1.00 (एक) बजे अपराहन् तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 09.09.2024 को 3.00(तीन) बजे अपराहन् तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 09.09.2024 को 3.30(साढ़े तीन) बजे अपराहन।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : अधीक्षण अभियंता, भवन निर्माण विभाग, छोटानागपुर भवन अंचल–1, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष, राँची एवं कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–1, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष, राँची।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : नगर नियंत्रण कक्ष राँची।
7. निविदा खोलने का स्थान : अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय।
8. कार्यों का विवरण :

क्र०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की तिथि
1	Renovation of Staff Quarter No.-04/19 (Allotted in the Favour of Secretary, Drinking Water & Sanitation Department Near A.G. More, Doranda, Ranchi	4680400.00	93700.00	5000.00	One Month
2	Renovation Main Building of D.C. Bungalow at Morabadi Ranchi	4846400.00	97000.00	5000.00	One Month
3	Renovation of Residential office Staff Room, Driver Rest Room, Servant Room & Toilet Block and Painting work of Boundary Wall of D.C. Residence, Morabadi Ranchi	4855900.00	97200.00	5000.00	One Month
4	Renovation Deputy Superintendent of Police Residence at Circular Road, Ranchi	3568300.00	71400.00	5000.00	One Month
5	Construction of Staff Quarter and Other Works at Senior Officer Quarter No.-2 at Dindayal Nagar, Ranchi	2416300.00	48400.00	5000.00	One Month
6	Renovation of Senior Officers Flat No.-1 Near Machlighar, Booty Road, Ranchi	4722500.00	94500.00	5000.00	One Month
7	Construction of Boundary wall and Parking Tiles in the Campus of Senior Officer's Flat No.-1 to 8 at Dindayal Nagar, Booty Road, Ranchi	3166600.00	63500.00	5000.00	One Month
8	Renovation of Press Trust of India (PTI) Office at D Type Quarter No.-D1 (RDC Pool) at Dindayal Nagar, Booty Road, Ranchi	4967600.00	99400.00	5000.00	One Month
9	Renovation of Press Trust of India (PTI) Residence at D type Quarter No-D3 (RDC Pool) at Dindayal Nagar, Booty Road, Ranchi	4959400.00	99200.00	5000.00	One Month
10	Renovation of Senior Officer's Flat No-4/4 at Kanke Road, Booty Road, Ranchi	3054800.00	61100.00	5000.00	One Month
11	Renovation Main Building and Boundary Wall (Occupied by Shri Chhavi Ranjan, I.A.S.) at Senior Officer's Quarter No-02/08 at Randhir Verma Chowrk, Booty Road, Ranchi	3141200.00	62900.00	5000.00	One Month
12	Renovation of Main Building Officer's Flat No-08 at Dindayal Nagar, Booty Road, Ranchi	4311200.00	86300.00	5000.00	One Month
13	Construction of Kitchen in Out Side Main Building, Shed 2 Nos and other works at Hon'ble EX. C.M. Shri Shibu Soren (Hon'ble M.P. Rajya Sabha) Residence Morabadi, Ranchi	3992400.00	79900.00	5000.00	One Month
14	Renovation of Office Room, Servant Quarter, Main Building Inner and Outer Paint, Main Gate, Front Lawn and other work in Old Chief Engineer Office Building (Occupied by Hon'ble Minister of Jharkhand MD. Hafijul Hasan) at Deputy Para, Near Kutchary Road, Ranchi	3850700.00	77100.00	5000.00	One Month
15	Construction of Out House at Quarter No.-A3 at Police Line, Kanke Road, Ranchi	2673900.00	53500.00	5000.00	One Month

नोट :– निविदा की शर्तें www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
भवन निर्माण विभाग
भवन प्रमण्डल संख्या–1, राँची।

PR 334301 (Building) 24-25 (D)

कार्यालय-कार्यपालक अभियंता, एन०आर०ई०पी०, लातेहार

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण, सूचना संख्या–10/2024–25

विज्ञापन दाता का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियन्ता, एन०आर०ई०पी०, लातेहार।
परिमाण विपत्र की राशि जमा करने की तिथि :– दिनांक– 09.09.2024 कार्यालय दिवस को जिला नियंत्रण कक्ष, लातेहार में 11.00 बजे पूर्वाहन से 1.00 बजे अपराहन तक।
परिमाण विपत्र प्राप्त की तिथि :– दिनांक–11.09.2024 कार्यालय दिवस में 11.00 बजे पूर्वाहन से 5.00 बजे अपराहन।
निविदा प्राप्त करने की तिथि :– दिनांक–12.09.2024 को 11.00 बजे से 2.00 बजे अपराहन तक।
निविदा खोलने की तिथि दिनांक– 12.09.2024 को अपराहन 2.00 बजे।
निविदा प्राप्ति, जमा एवं खोलने का स्थान :– जिला नियंत्रण कक्ष, लातेहार।
कार्य की विस्तृत विवरणी :–

क्र०	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र की राशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	प्रखण्ड–बालूनाथ, पंचायत–मारंगलोईया, ग्राम– बारा में हेबना सिमना से भगनदेव उरांव के घर तक पी०सी०सी० पथ निर्माण भाग–1	12,71,200.00	25500.00	2500.00	03 माह
2.	प्रखण्ड–बालूनाथ, पंचायत–मारंगलोईया, ग्राम– बारा में हेबना सिमना से भगनदेव उरांव के घर तक पी०सी०सी० पथ निर्माण भाग–2	12,71,200.00	25500.00	2500.00	03 माह
3.	प्रखण्ड–बालूनाथ, पंचायत–मारंगलोईया, ग्राम– बारा में किशुन राम के घर होते हुए सिताराम के घर तक पी०सी०सी० पथ निर्माण।	9,44,500.00	19000.00	1250.00	03 माह
4.	प्रखण्ड–बालूनाथ, पंचायत–शेरेगड़ा, ग्राम–हाही में प्रेम गंझू के घर से अखरा तक पी०सी०सी० पथ निर्माण। भाग–1	21,37,400.00	43000.00	5000.00	03 माह
5.	प्रखण्ड–बालूनाथ, पंचायत–शेरेगड़ा, ग्राम–हाही में प्रेम गंझू के घर से अखरा तक पी०सी०सी० पथ निर्माण। भाग–2	21,37,400.00	43000.00	5000.00	03 माह
6.	प्रखण्ड–बालूनाथ, पंचायत–शेरेगड़ा, ग्राम–हाही में प्रेम गंझू के घर से अखरा तक पी०सी०सी० पथ निर्माण। भाग–3	18,32,000.00	37000.00	5000.00	03 माह
7.	प्रखण्ड–बालूनाथ, पंचायत–बसिया, ग्राम–नगड़ा के कसियाडीह में मंदिर से तालाब तक पी०सी०सी० पथ निर्माण।	9,28,200.00	19000.00	1250.00	03 माह
8.	प्रखण्ड–बालूनाथ, पंचायत–बालू, ग्राम– बालू में सहमीर के घर से पूजा स्थल तक पी०सी०सी० पथ निर्माण।	14,90,000.00	30,000.00	2500.00	03 माह
9.	प्रखण्ड–बालूनाथ, पंचायत–बालू, ग्राम– बालू में इमतेयाज के घर से स्कूल तक पी०सी०सी० पथ निर्माण।	5,55,700.00	11200.00	1250.00	03 माह
10.	प्रखण्ड–बालूनाथ, पंचायत–बालू, ग्राम– बालू में तजमुल मिया के घर तक पी०सी०सी० पथ निर्माण।	18,62,500.00	37500.00	5000.00	03 माह
11.	प्रखण्ड–बालूनाथ, पंचायत–गणेशपुर, ग्राम– गणेशपुर में चमरेंगा मेन रोड़ से सुकरु नदी तक पी०सी०सी० पथ निर्माण। भाग–1	15,26,600.00	31000.00	5000.00	03 माह
12.	प्रखण्ड–बालूनाथ, पंचायत–गणेशपुर, ग्राम– गणेशपुर में चमरेंगा मेन रोड़ से सुकरु नदी तक पी०सी०सी० पथ निर्माण। भाग–1	15,26,600.00	31000.00	5000.00	03 माह
13.	प्रखण्ड–लातेहार, नगर पंचायत में समाहरणालय गेट से हाई स्कूल के गेट तक पी०सी०सी० पथ एवं नाली निर्माण। भाग–1	24,54,900.00	49500.00	5000.00	03 माह
14.	प्रखण्ड–लातेहार, नगर पंचायत में समाहरणालय गेट से हाई स्कूल के गेट तक पी०सी०सी० पथ एवं नाली निर्माण। भाग–2	24,54,900.00	49500.00	5000.00	03 माह
15.	प्रखण्ड–लातेहार, नगर पंचायत में समाहरणालय गेट से हाई स्कूल के गेट तक पी०सी०सी० पथ एवं नाली निर्माण। भाग–3	24,54,900.00	49500.00	2500.00	03 माह
16.	प्रखण्ड–लातेहार, नगर पंचायत में समाहरणालय गेट से हाई स्कूल के गेट तक पी०सी०सी० पथ एवं नाली निर्माण। भाग–4	15,66,500.00	31500.00	2500.00	03 माह
17.	प्रखण्ड–मनिका, पंचायत– जान्हो बिरसा मुण्डा उच्च विद्यालय में चाहरदिवारी निर्माण। (भाग–1)	22,86,200.00	46000.00	5000.00	03 माह
18.	प्रखण्ड–मनिका, पंचायत– जान्हो बिरसा मुण्डा उच्च विद्यालय में चाहरदिवारी निर्माण। (भाग–2)	22,86,200.00	46000.00	5000.00	03 माह
19.	प्रखण्ड–मनिका, पंचायत–जान्हो राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, मंकनियां में चाहरदिवारी निर्माण।	22,72,600.00	45500.00	5000.00	03 माह
20.	प्रखण्ड–महुआडांड़, पंचायत–दुरुप, ग्राम–हरतुआ में जर्जर आंगनबाड़ी केन्द्र भवन का निर्माण।	18,19,800.00	36500.00	5000.00	03 माह
21.	प्रखण्ड–महुआडांड़, पंचायत–घटकपुर, ग्राम– जयपुर में जर्जर आंगनबाड़ी केन्द्र भवन का निर्माण।	18,19,800.00	36500.00	5000.00	03 माह

1. पी०सी०सी० पथ कार्य हेतु ग्रामीण कार्य विभाग / पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल एवं चाहरदिवारी तथा आंगनबाड़ी केन्द्र भवन निर्माण हेतु ग्रामीण कार्य विभाग / भवन प्रमंडल के समुचित श्रेणी के निबंधित संवेदक ही इस निविदा में भाग ले सकेगें।
2. परिमाण विपत्र का मुल्य परिमाण विपत्र में अंकित राशि के अनुरूप आवेदन के साथ बैंक ड्राफ्ट (भारतीय स्टेट बैंक) के रूप में कार्यपालक अभियंता, एन०आर०ई०पी०, लातेहार के पदनाम से देय होगा एवं अदायगी पर (जो लौटाया नहीं जाएगा) परिमाण विपत्र निर्गत किया जाएगा। बैंक ड्राफ्ट लातेहार में भुगतेय होगा एवं बैंक ड्राफ्ट की वैधता निविदा प्राप्ति की तिथि से दो माह का होना अनिवार्य है।
3. इस निविदा में लातेहार जिला के स्थानीय संवेदक ही भाग लेंगें।
4. बैंक ड्राफ्ट संवेदक/संबधित फर्म के नाम से निर्गत होना अनिवार्य है।
5. प्राक्कलन की राशि घट–बढ़ सकती है। तदनुसार अग्रधन की राशि घट–बढ सकती है।
6. निविदा की अन्य शर्तें https://latehar.nic.in एवं कार्यालय, एन०आर०ई०पी०, लातेहार के सूचना पट्ट पर कार्यालय अवधि में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
एन०आर०ई०पी०, लातेहार

PR 334281 Rural Development (24-25)_D

एकता राग बनाम जनगणना...

उमेश चतुर्वेदी

योगी ने आरक्षण हटाने को लेकर कोई बात नहीं कही है, लेकिन यह जरूर है कि वे एक तरह से सामाजिक एकीकरण का संदेश दे रहे हैं। ऐन चुनाव के बीच आए ऐसे बयान का चाहे जो भी अर्थ लगाया जा रहा हो, लेकिन लगता नहीं कि योगी सिर्फ अपने मन से ऐसे बयान दे रहे हैं। सात साल के शासन के साथ योगी यह जान चुके हैं कि कब, क्या, कितना और कैसे बोलना है? तो क्या मान लिया जाए कि बीजेपी नेतृत्व की ओर से अपने पारंपरिक वोटरों को लुभाने के लिए योगी को हरी झंडी मिल चुकी है?

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिस तरह इन दिनों राजनीतिक बयान दे रहे हैं, उससे कुछ कई आशंकाओं ने जन्म लिया है तो कुछ उम्मीदें भी बढ़ी हैं। राजनीतिक क्षेत्रों में यह आशंका जताई जा रही है कि क्या योगी हिंदुत्व की पारंपरिक राजनीति की ओर लौट रहे हैं? इसके साथ ही यह सवाल उठ रहा है कि क्या योगी अपने दम पर ऐसा कर रहे हैं या फिर पार्टी नेतृत्व या संघ की ओर से उन्हें इसके लिए हरी झंडी मिल चुकी है? इन सवालों और आशंकाओं के साथ भारतीय जनता पार्टी के पारंपरिक समर्थकों की उम्मीदों का बढ़ना स्वाभाविक है। बीजेपी का विकास हिंदुत्व की सामाजिक और सियासी जमीन पर ही हुआ है।

भारत जैसे विशाल, बहुरंगी और बहुविचारी देश की राजनीति के केंद्र में रहने वाले दलों के सामने चुनौती यह है कि वे एक जैसी वैचारिकी के जरिए पूरे देश की नब्ज पर कब्जा नहीं कर सकते। चुनावी सफलताओं के लिए कई बार उन्हें अपने सैद्धांतिक वैचारिकी को बदलना पड़ता है। मसलन किसी दल की वैचारिकी किसी खास बिंदु पर कड़क हुई और उससे चुनावों में बड़े नुकसान की आशंका हो तो उसे लचीला रुख अपनाना पड़ता है। इसी तरह अगर किसी मुद्दे पर उसकी वैचारिकी लचीली और किसी खास इलाके के लिए लचीलापन राजनीतिक कमजोरी माना जाता हो तो राजनीतिक दल को उस इलाका विशेष में चुनावों के बीच अपना रूख कड़ा करना पड़ता है। राजनीतिक दलों के साथ एक और वैचारिक चुनौती है। जब तक वे विपक्ष में रहते हैं तो कई मुद्दों पर उनकी मुखर राय होती है, लेकिन जब वे सत्ता में आते हैं तो देश की सर्वमान्य वैचारिकी के हिसाब से काम करना पड़ता है।

भाजपा चूंकि सत्ता में है, हिंदुत्व और मजबूत राष्ट्रवाद की वैचारिक बुनियाद पर उसकी पूरी राजनीति विकसित हुई है, इसकी वजह से उसके कोर समर्थक आधार की सोच इसी अंदाज में विकसित हुई है। इसलिए उसका पारंपरिक और कोर समर्थक वर्ग हर उस मुद्दे के क्रियान्वयन की उम्मीद भी उसी अंदाज में लगा रखे हैं, जिस अंदाज में उन्होंने सत्ता से बाहर रहते बीजेपी का समर्थन किया था, लेकिन तात्कालिक राजनीति के लिहाज से जब भी पार्टी या उसकी सरकारों का कोर मुद्दों से समय के दबाव में भी विचलन होता दिखता है, तो कोर समर्थक कई बार हताश हो जाते हैं तो कई बार गुस्से से भर उठते हैं। बीजेपी के साथ इन दिनों ऐसा होता दिख रहा है। जब भी वह अपने पारंपरिक कोर मुद्दों पर थोड़ा भी लचीला रुख अपनाती दिखती है,

उसके कार्यकर्ता क्षोभ से भर उठते हैं। ऐसे माहौल में योगी आदित्यनाथ लगातार कोर हिंदुत्व के दिनों वाली आवाज उठा रहे हैं, इसलिए कार्यकर्ताओं के पारंपरिक वर्ग प्रसन्न नजर आ रहा है। योगी जी की आवाज अपनी लग रही है, लेकिन योगी आदित्यनाथ ने आगरा में जो कहा, वह दरअसल सिर्फ कोर हिंदुत्ववादी विचार नहीं है, बल्कि जातिवाद और आरक्षण के ईद-गिर्द घूम रही मौजूदा राजनीति का जवाब है। आदित्यनाथ ने आगरा में वीर दुगार्दास राठौर की प्रतिमा के अनावरण के मौके पर कहा कि बटेंगे तो कटेंगे। उन्होंने यह बयान बांग्लादेश का हवाला देते हुए कहा था।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए हमले को लेकर वैश्विक स्तर पर हिंदू समुदाय में गुस्सा दिखा। भारत में एक वर्ग ऐसा है, जो इसे लेकर कड़ी कार्रवाई तक की वकालत कर रहा है। योगी के बयान को लेकर यही वर्ग खुश नजर आ रहा है। एक बड़ा वर्ग ऐसा है, जिसे लगता है कि योगी के बयान से सनातन समर्थक वोटर भले ही खुश हों, लेकिन बीजेपी के लिए कई इलाकों में सियासी नुकसान का भी सबब बन सकता है। अभी जम्मू-कश्मीर में चुनाव हो रहे हैं। वहां 63 प्रतिशत से कुछ ज्यादा के साथ मुस्लिम आबादी बहुसंख्यक है। बीजेपी कश्मीर घाटी की सीटों पर मुस्लिम समुदाय के उम्मीदवारों पर भी भरोसा जता रही है। वैसे भी घाटी में चुनावी सफलता के लिए मुस्लिम समर्थन जरूरी है। ऐसे में योगी के बयान का फायदा जम्मू क्षेत्र की सीटों पर तो मिल सकता है, लेकिन घाटी में इस बयान के उलट अर्थ निकाले जाएंगे और उसकी व्याख्या भी उलटी होगी। वैसे जिस तरह योगी के बयान पर मुस्लिम राजनीति के बड़े चेहरे असदुद्दीन ओवैसी ने प्रतिक्रिया दी है, उसके संकेत साफ हैं कि विपक्ष इस बयान को सियासी मैदान में अपने फायदे में इस्तेमाल करने की कोशिश में है।

महाराष्ट्र में करीब बारह फीसद आबादी मुस्लिम है। विधानसभा चुनाव में बीजेपी विरोधी दल इस बयान का भी अपने पक्ष में फायदा लेने का प्रयास जरूर करेंगे। वैसे योगी आदित्यनाथ के बयान को सनातन समाज को बांटने वाली वैचारिकी के जवाब के रूप में भी देखा जा सकता है। जाति आधारित जनगणना की लगातार मांग करने वाले राहुल गांधी, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव के बयान के जवाब में भी योगी के बयान को देखा जा रहा है। एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है, जो मान रहा है कि योगी एक तरह से हिंदू समाज का एकीकरण करके राहुल, अखिलेश और तेजस्वी की राजनीतिक काट का रसायन पेश कर रहे हैं। जाति जनगणना के लेकर जारी मांग को लेकर देश का एक बड़ा हिस्सा सहज नहीं है। आरक्षण के मुद्दे को राजनीति ने उस मुकाम तक पहुंचा दिया है, जहां से उसे वापस लौटाना कोई राजनीतिक दल सोच भी नहीं सकता। कांग्रेस भी भूल चुकी है कि 1951 में जाति आधारित जनगणना ने की मांग को सरदार पटेल ठुकरा चुके थे। तब कांग्रेस के एक बड़े वर्ग को लगता था कि इससे जातीय उन्माद को बढ़ावा मिलेगा, लेकिन अब उसी कांग्रेस का रुख पूरी तरह बदला हुआ है। राहुल गांधी हर मंच पर जोर-शोर से जाति जनगणना की मांग उठा रहे हैं। आम चुनाव के दौरान वे लगातार वोटरों को आशंकित करते रहे कि आरक्षण को सरकार हटा देगी। हालांकि योगी ने आरक्षण हटाने को लेकर कोई बात नहीं कही है, लेकिन यह जरूर है कि वे एक तरह से सामाजिक एकीकरण का संदेश दे रहे हैं। ऐन चुनाव के बीच आए ऐसे बयान का चाहे जो भी अर्थ लगाया जा रहा हो, लेकिन लगता नहीं कि योगी सिर्फ अपने मन से ऐसे बयान दे रहे हैं। सात साल के शासन के साथ योगी यह जान चुके हैं कि कब, क्या, कितना और कैसे बोलना है? तो क्या मान लिया जाए कि बीजेपी नेतृत्व की ओर से अपने पारंपरिक वोटरों को लुभाने के लिए योगी को हरी झंडी मिल चुकी है? इसका वक्त आने वाला इतिहास ही दे सकता है।

(लेख में व्यक्त विचार निजी हैं)

संपादकीय

मुख्यमंत्री की हताशा

कोलकाता के आरजी कर मेड़िकल कॉलेज और अस्पताल में एक स्नातकोत्तर प्रशिक्षु महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या की घटना को लेकर लगातार जारी विरोध-प्रदर्शनों के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जो बयान दिया है उसकी चाहे जितनी भी निंदा की जाए कम है। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा है कि 'याद रखिए अगर आपने बंगाल को जलाया तो असम, नाथ-ईस्ट, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड़, ओड़िशा और दिल्ली भी जलेगा। हम आपकी कुर्सी हिला देंगे।' ममता बनर्जी करीब 13 वर्षों से बंगाल की मुख्यमंत्री हैं। अभी संपन्न लोक सभा चुनाव में उनकी पार्टी का प्रदर्शन बेहतर रहा है। अगर किसी महिला के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में इस तरह का बयान आता है तो यह उनका उतावलापन और हताशा ही प्रकट करता है। उनका कहना है कि मेरे कुछ राजनीतिक विरोधियों ने मुझ पर विरोध-प्रदर्शन कर रहे मेड़िकल छात्रों को धमकी देने का आरोप लगाया है, जो सरासर झूठ और गलत है और मेरे विरुद्ध दुर्भावनापूर्ण दुष्प्रचार का हिस्सा है। लेकिन इस जघन्य अपराध के पहले ही दिन से जो तथ्य सामने आए हैं उनसे जाहिर होता है कि पुलिस इस मामले को दबाने में लगी थी। उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय ने इस मामले में जो सवाल उठाए हैं उनसे सरकार की नाकामी उजागर होती है। सरकार ने आरजी कर अस्पताल के प्राचार्य डॉ. संदीप घोष को इस घटना के बाद दूसरे प्रतिष्ठित मेड़िकल कॉलेज का प्रिंसिपल बना दिया। घटना के 14 घंटे बाद एफआईआर दर्ज की। आखिर अस्पताल परिसरि ने एफआईआर दर्ज करने के लिए शिकायत क्यों नहीं की? प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ हैवानियत के बाद उसके माता-पिता को गलत सूचना दी गई। 14 अगस्त की रात को 7-8 हजार लोगों की भीड़.ने आरजी कर अस्पताल पर हमला किया और आपातकालीन विभाग और नर्सिंग स्टेशन में तोड़फोड़.की। सवाल है कि क्या यह घटना सबूतों को नष्ट करने की मंशा से की गई थी। ये सारी घटनाएं पुलिस, प्रशासन और सरकार को कठघरे में खड़ा करती हैं। अब मुख्यमंत्री ममता बलात्कार के दोषियों को फांसी की सजा देने की वकालत कर रही हैं। वर्तमान कानूनों में संशोधन के लिए 2 सितम्बर को विधानसभा का विशेष सत्र आहूत किया गया है। इसमें बलात्कार के दोषियों को मृत्युदंड़ के प्रावधान वाला विधेयक पारित किया जाएगा। ममता को ध्यान रखना चाहिए कि केवल कठोर कानूनों और कड़े.दंड़ प्रावधानों से अपराध नहीं रुकता। इसके लिए ईमानदार पुलिस, निष्पक्ष प्रशासन और सरकार की इच्छाशक्ति की जरूरत होती है।

चिंतन-मनन

मन की शक्ति

मन को जीवन का केंद्रबिंदु कहना असंभव नहीं है। मनुष्य की क्रियाओं, आचरणों का प्रारंभ मन से ही होता है। मन तरह-तरह के संकल्प, कल्पनाएं करता है। जिस ओर उसका रुझान हो जाता है उसी ओर मनुष्य की सारी गतिविधियां चल पड़ती है। जैसी कल्पना हो उसी के अनुरूप प्रयास-पुरुषार्थ एवं उसी के अनुसार फल सामने आने लगते हैं। मन जिधर रस लेने लगे उसमें लौकिक लाभ या हानि का बहुत महत्व नहीं रह जाता। प्रिय लगने वाले के लिए सब कुछ खो देने और बड़े से बड़े कष्ट सहने को भी मनुष्य सहज ही तैयार हो जाता है। मन यदि अच्छी दिशा में मुड़ जाए; आत्मसुधार, आत्मनिर्माण और आत्मविकास में रुचि लेने लगे तो जीवन में एक चमत्कार हो सकता है। सामान्य श्रेणी का मनुष्य भी महापुरुषों की श्रेणी में आसानी से पहुंच सकता है। सारी कठिनाई मन को अनुपयुक्त दिशा से उपयुक्त दिशा में मोड़ने की ही है। इस समस्या के हल होने पर मनुष्य सच्चे अर्थ में मनुष्य बनता हुआ देवत्व के लक्ष्य तक सुविधापूर्वक पहुंच सकता है। शरीर के प्रति कर्तव्य पालन करने की तरह मन के प्रति भी हमें अपने उत्तरदायित्वों को पूर्ण करना चाहिए। कुविचारों और दुर्भावनाओं से मन गंदा, मलिन और पतित होता है, अपनी सभी विशेषता और श्रेष्ठताओं को खो देता है। इस स्थिति से सतर्क रहने और बचने की आवश्यकता का अनुभव करना हमारा पवित्र कर्तव्य है। मन को सही दिशा देते रहने के लिए स्वाध्याय की वैसी ही आवश्यकता है जैसे शरीर को भोजन देने की। आत्मनिर्माण करने वाली जीवन की समस्याओं को सही ढंग से सुलझाने वाली उत्कृष्ट विचारधारा की पुस्तकें पूरे ध्यान, मनन और चिंतन के साथ पढ़ते रहना ही स्वाध्याय है। यदि सुलझे हुए विचारों के जीवन विद्या के ज्ञाता कोई संभ्रांत सज्जन उपलब्ध हो सकते हों तो उनका सत्संग भी उपयोगी सिद्ध हो सकता है। मन का स्वभाव बालक जैसा होता है, उमंग से भरकर वह कुछ न कुछ करना-बोलना चाहता है।

आरक्षण का राजनीतिकरण देशहित में कदापि नहीं

डा. भरत मिश्र प्राची

देश जब आजाद हुआ तो सामाजिक समरसता के लिये सामाजिक, आर्थिक, एवं शैक्षणिक रूप से अति पिछड़े वर्ग अनुसूचित जाति , अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों के उत्थान हेतु संविधान में आरक्षण देने का प्रावधान सीमित काल के लिये किया गया पर यह राजनीतिकरण के चलते आज तक जारी हीं नहीं इसका विस्तार होता गया। आरक्षण वोट की राजनीति से जुड़ गया। आरक्षित वर्ग में सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक रूप से विकास होने के वावजूद भी इसमें कोई परिर्तन नहीं हुआ बल्कि अनुसूचित जाति, जनजाति के अलावे देश की कई जातियां आरक्षण के दायरे में समा गई। इस दिशा में उभरे राजनीतिकरण को आसानी से देखा जा सकता जब सत्ता की कुर्सी पाने के लिये मंडल आयोग को देश

में लागू करने की वकालत की गई। जिसके तहत पिछड़े वर्ग ओबीसी नाम से देश की कई जातियां आरक्षण सूचि में शामिल हो गई। लोकसभा चुनाव के दौरान सत्ता पाने के लिये राजस्थान प्रदेश में जाट वर्ग को ओबीसी में शामिल करने की वकालत तत्कालीन राजनीतिक दल भाजपा द्वारा किया गया जिसका राजनीतिक लाभ भी मिला, केन्द्र में सरकार बनते ही राजस्थान के जाट वर्ग को ओबीसी में शामिल भी कर लिया गया। आरक्षण सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक सुधार की जगह लाभ तंत्र का संसाधन बन गया। इस दिशा में बढ़ते राजनीतिकरण ने अनारक्षित अन्य जातियों को भी आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को आरक्षण में शामिल किये जाने की वकालत राजनीतिक दलों द्वारा की जाने लगी। कुछ राज्यों में इस दिशा में पहल भी हुई। इस तरह देश में आरक्षण का अनुपात 50 प्रतिशत से भी आगे चला गया। आरक्षण जिसे मिल गया वो किसी भी कीमत पर इससे अलग होने को तैयार नहीं।

इस दिशा में सर्वेक्षण भी यहीं बता रहे है रहे है कि वास्तविक रूप से आरक्षण आरक्षित वर्ग में जिसे मिलना चाहिए वह आज भी आरक्षण प्रक्रिया से दूर है। इस कमी को दूर करने के लिये हीं देश की सर्वोच्य न्यायालय ने आरक्षण में क्रीमीलेयर लाने की पहल की जिससे आरक्षित वर्ग में आरक्षण से वंचित सर्वाधिक लोगों को आरक्षण प्रक्रिया से जोड़ा जा सके पर सर्वोच्य न्यायालय के इस पहल पर जो विवाद देश भर में खड़ा हुआ, सभी के सामने है।

आरक्षित वर्ग में आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक रूप से आगे बढ़े हुये को आरक्षण प्रक्रिया से दूर कर देना चाहिए पर वोट की राजनीति से जुड़े इस मसले पर पहल कौन करे। सर्वोच्य न्यायालय ने पहल की तो विवाद खड़ा हो गया। इसे लेकर भी देश में राजनीति शुरू हो गई। सभी को वोट चाहिए। वोट से जुड़ा आरक्षण समाप्त तो नहीं किया जा सकता पर देशहित में जरूरी है कि आरक्षण का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। आरक्षण का जातिगत आधार की जगह आर्थिक आधार होना चाहिए। इस दिशा में सभी राजनीतिक दलों को विचार कर पहल करना होगा।

क्रिकेट : वैश्वीकरण पर रहेगा जय का जोर

रजनीश कपूर

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड. के सचिव जय शाह एक राय से आईसीसी के अध्यक्ष बन गए हैं। वह अभी मात्र 35 साल के हैं। वह एक दिसम्बर को ग्रेग बार्कले से यह पद संभालेंगे, पर इस जिम्मेदारी को संभालने के लिए उन्हें बीसीसीआई का सचिव पद छोड़ना होगा। जय शाह बहुत ही महत्त्वपूर्ण मौके पर आईसीसी की जिम्मेदारी संभालेंगे, क्योंकि 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में क्रिकेट पहली बार शामिल होने जा रही है। शाह के सामने क्रिकेट को विश्व स्तर पर फैलाने की जिम्मेदारी होगी। उन्हें अभी तीन साल के लिए आईसीसी अध्यक्ष चुना गया है और वह इसके बाद एक कार्यकाल और अध्यक्ष रह सकते हैं। यह माना जा रहा है कि जय शाह छह वर्षों में आईसीसी की शक्ल बदल सकते हैं।

आईसीसी में भारतीय दबदबे की शुरूआत 1997 में जगमोहन डालमिया के अध्यक्ष बनने के साथ हुई। इसके बाद शरद पवार को 2010 में आईसीसी अध्यक्ष चुना गया। आईसीसी में स्वतंत्र अध्यक्ष की शुरूआत होने के बाद इसके पहले स्वतंत्र अध्यक्ष एन श्रीनिवासन (2014-15) बने। इसके बाद शशांक मनोहर 2016 से 2020 तक आईसीसी के स्वतंत्र अध्यक्ष रहने वाले दूसरे भारतीय थे। इस तरह जय शाह आईसीसी अध्यक्ष बनने वाले पांचवें भारतीय हैं। जय शाह 2019 में बीसीसीआई सचिव बने थे। अब बीसीसीआई को अगली वार्षिक साधारण सभा बैठक में नया सचिव चुनना होगा। जय शाह के सामने सबसे

बड़ी चुनौती क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में सही संतुलन बनाना होगा। शाह ने कहा भी कि वह टेस्ट क्रिकेट को प्राथमिकता देने का काम करेंगे, क्योंकि यही क्रिकेट का आधार है। इसके लिए सबसे जरूरी होगा, राष्ट्रीय क्रिकेट बोर्डों की टी-20 और वनडे.मैचों पर से आर्थिक निर्भरता को कम कराना होगा। इसके लिए टेस्ट क्रिकेट में पैसे के प्रवाह को बढ़ाना होगा। वह यदि ऐसा कर सके तो टेस्ट क्रिकेट की चमक में इजाफा होना तय है। वह क्रिकेट के वैश्वीकरण पर जोर देने की बात कह रहे हैं। जय शाह ने 2019 में बीसीसीआई का पद सौरव गांगुली के अध्यक्ष बनने के दौरान संभाला था। बीसीसीआई में एड़हॉक कमेटी के दौरान पटरी से उतरे बोर्ड. को को संभालने की जिम्मेदारी थी, पर सौरव और जय शाह की जोड़ी इस चुनौती को उठाने में सफल रही। वह कोविड़ के दौरान आईपीएल और टी-20 विश्व कप को संयुक्त अरब अमीरात में सफलतापूर्वक आयोजित करने में सफल रहे। यही नहीं उन्होंने 2022 में आईपीएल के प्रसारण अधिकारों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाकर अपनी क्षमता को एक बार फिर साबित कर दिया है। आईपीएल के पांच साल के प्रसारण अधिकार 48390 करोड़. रुपए में बेचकर बीसीसीआई की आर्थिक सेहत और मजबूत कर दी है। इसके अलावा आईसीसी वनडे. विश्व कप का पिछले साल सफलतापूर्वक आयोजन भी किया है। जय शाह ने देश में महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने में भी अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने महिला क्रिकेटरों को मिलने वाली सुविधाओं में तो इजाफा किया ही है, साथ ही उनके वेतन को भी बढ़ाकर इस और युवाओं को आकर्षित करने का रास्ता साफ किया है। क्रिकेट वेस्ट इंड़ीज के सीईओ जॉनी ग्रेव का जय शाह को आईसीसी का अध्यक्ष बनाए जाने के बारे में कहना है कि उन्हें सभी का सहयोग मिलने की वजह उनके लाभप्रद प्रसारण अधिकार लाने और प्रमुख टूर्नामेंट का सफलतापूर्वक आयोजन करने की क्षमता रखना है। उन्होंने कहा कि जय शाह का नामांकन चरण में 16 में से 15 ड़ायरेक्टरों ने समर्थन किया। इस तरह का समर्थन आईसीसी में जगमोहन ड़ालमिया, शरद पवार, एन श्रीनिवासन और शशांक मनोहर भी नहीं पा सके थे।

आईसीसी टेस्ट क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए 150 लाख करोड़. ड़ालर का फंड़ बनाना चाहती है। इस प्रस्ताव को जय शाह के अलावा ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड़ एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड.का समर्थन हासिल है। इससे टेस्ट क्रिकेटरों को मिलने वाली न्यूनतम मैच फीस में बढ़ोतरी होगी। इससे टीमों के विदेशी दौरों को भी कवर किया जा सकेगा। इसका उद्देश्य आर्थिक लाभ के लिए क्रिकेटरों को टेस्ट को छोड़कर टी-20 क्रिकेट की तरफ जाने से रोकना है। पर पिछले दिनों आईसीसी के प्रसारण अधिकार हासिल करने वाले हॉट स्टार 2027 तक के करार के लिए दी जाने वाली तीन अरब ड़ॉलर में कमी करना चाहता है। अगर ऐसा होता है तो टेस्ट क्रिकेट के लिए बनाया गया फंड़ प्रभावित हो सकता है। सवाल यह है कि जय शाह आईसीसी चले जाएंगे तो बीसीसीआई में सचिव कौन बनेगा। मौजूदा कोषाध्यक्ष आशीष शेलर और देवजीत सैकिया बीसीसीआई सचिव का पद संभालने के मजबूत दावेदार हैं। पर आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल इन दोनों से आगे निकलने की क्षमता रखते हैं। इस पद के लिए ड़ीड़ीसीए चेयरमैन रोहन जेटली का भी नाम चल रहा है। इतना तय है कि जिस नाम को शाह का समर्थन मिलेगा, वह ही बीसीसीआई की जिम्मेदारी संभालेगा।

एक नजर

ट्रेक्टर के धक्के से मजदूर की मौत

मेदिनीनगर (पलामू) : चैनपुर ग्राम काराकाट बंधुआ का रहने वाला मजदूर मित्तल भुइया, उम्र 35 वर्ष पिता केल भुइया को आज एक अज्ञात ट्रेक्टर ने धक्का मार दिया जिसमे उसकी मौके पर ही मौत हो चुकी थी। आनन फानन में उसे एमएचसीएच लाया गया। जहा डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक अपने 2 बच्चे समेत पूरा परिवार छोड़ गया परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है समाचार लिखे जाने तक युवक का स्व अस्पताल परिसर में ही पड़ा था।

मृतक अनिल सिंह के परिजनों से मिलने पहुंचे कांग्रेस नेता

मेदिनीनगर (पलामू) : पाटन प्रखंड के कोलवा निवासी निरंजन मेहता की मौत आसमानी बिजली गिरने से दिनांक 29 अगस्त 2024 को हो गई थी। यह खबर सुनते ही दलित कांग्रेस अध्यक्ष अशोक पासवान एवं मजदूर कांग्रेस अध्यक्ष अनिल सिंह मृतक के परिजनों से मिलने उनके गांव पर पहुंचे मृतक के परिजनों को सहायता राशि उपलब्ध कराते हुए उपायुक्त महोदय से निवेदन किया गया कि जल्द से जल्द इस लाचार बेसहारा परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए। ताकि आगे का जीवन इनका खुशियों भरा रहे। मौके पर कांग्रेस मंडल अध्यक्ष लव सिंह, दलित कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष संजय पासवान, कांग्रेसी नेता राकेश दुबे, सुधीर कुमार, अरुण कुमार, अनूप मेहता, कामेश्वर मेहता, रिंकी कुमारी, प्रियंका कुमारी, संगीता देवी, पंचायत समिति सदस्य उपस्थित थे।

डीसी ने विभिन्न दलों के साथ की बैठक

मेदिनीनगर (पलामू) : फोटोयुक्त मतदाता सूचि के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 के तहत मतदाता सूचि के अंतिम प्रकाशन के तहत मतदाता सूचि सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को उपलब्ध कराने एवं मतदाताओ के परिवर्धन / विलोपन तथा अन्य महत्वपूर्ण जानकारिया उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शनिवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त शशि रंजन की अध्यक्षता में सभी राजनीतिक दलों के अध्यक्ष / सचिव के साथ बैठक आयोजित की गयी। उपायुक्त कार्यालय कक्ष में आयोजित इस बैठक में सभी दलों को अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची की एक-एक प्रति उपलब्ध कराते हुए अनुरोध किया गया की वे मतदाता सूची की अच्छी तरह जाँच कर लेंगे, यदि किसी व्यक्ति का नाम अभी तक मतदाता सूची में निबंधित नहीं है तो प्रपत्र 06 के माध्यम से नाम निबंधन हेतु आवेदन समर्पित करवाने में सहयोग करें साथ ही गलत विलोपन वाले प्रविष्टि का यदि कोई मामला संज्ञान में आता है तो उसकी जानकारी अवश्य उपलब्ध कराएं।

पत्नी की हत्या करने वाला पति गिरफ्तार

लोहरदगा : पुलिस ने गुमला जिला के घाघरा थाना के नवमी गांव निवासी बेनामी मलार (42) को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिलने के बाद छापामारी दल का गठन किया गया था, जिसमें बेनामी मलार को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार बेनामी मलार पर अपनी पत्नी राखी देवी की हत्या कुदाल से काटकर करने का आरोप है। छापामारी दल द्वारा बेनामी मलार को टोरी रेलवे स्टेशन के पास से फुटपाथ के सैलून से गिरफ्तार किया गया। डीएसपी समीर तिर्की ने बताया कि छापामारी दल को देखकर वह भागने का प्रयास किया, जिसे पुलिस ने पकड़ लिया। बेनामी मलार गिरफ्तारी के बाद पुलिस को बताया कि वह अपनी पत्नी की हत्या अपने घर में रखे कुदाल से काटकर दिया।

एमएमसीएच अस्पताल भगवान भरोसे, निजी प्रैक्टिस में मस्त है सरकारी डॉक्टर : रूचिर तिवारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव सह राष्ट्रीय परिषद सदस्य रुचिर कुमार तिवारी ने अर्ध रात्रि में एम एम सीएच सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया एवं अस्पताल में भर्ती हुए मरीजों के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लिया। वहीं उत्पाद विभाग में चल रहे हैं बहाली में गंभीर रूप से भरती अभ्यर्थियों से मुलाकात किया जहां पर पाया कि अभ्यर्थियों की हालत बिलकुल ही नाजुक है, अस्पताल में रात्रि के समय तीन डॉक्टरों की टीम इमरजेंसी सेवा के समय बैठनी चाहिए जबकि पूरा अस्पताल केवल एक ट्रेनी डॉक्टर के भरोसे पलामू का इतना बड़ा अस्पताल चल रहा है जो मरीज के साथ जान का खिलवाड़ करने के समान है। वही उत्पाद विभाग के अभ्यर्थियों और उनके माता-पिता से मिलने के बाद मालूम चला कि इस बहाली में अभ्यर्थियों को पानी भी नहीं पिलाने दिया जा रहा है और दोपहर के समय में दौड़ाया जा रहा है, इंसानों के साथ जानवरों जैसा सलूक किया जा रहा है वही एक अभ्यर्थी का लाश भी पड़ी हुई है एवं दो अभ्यथीयों की पहले ही जान जा चुकी है,इस पर जिला सचिव तिवारी ने काफी दुख व्यक्त किया। वहीं अस्पताल अधीक्षक एवं प्रभारी डॉक्टर आरके रंजन के द्वारा लापरवाही किया जा जा रहा है। तिवारी ने कहा कि यह केवल कहने से काम नहीं चलेगा कि बेड नहीं है डॉक्टर नहीं है,दवा की किल्लत है अस्पताल प्रबंधन को सभी सामग्री उपलब्ध करवाना होगा ताकि अगर कोई नई महामारी आए तो तत्काल इलाज हो सके इस पर भी ध्यान देना होगा।केवल अपना पल्ला झाड़ने और अपनी प्राइवेट हॉस्पिटल मैं बैठकर इलाज करने से काम नहीं चलेगा। तिवारी ने हिदायत देते हुए कहा कि अस्पताल कि हालिया स्थिती को सुधारा जाए और पलामू उपायुक्त इस पर संज्ञान ले अन्यथा भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी आंदोलन करने को बाध्य हो जाएगी। सरकारी अस्पताल में प्रेक्टिस करने वाले डॉक्टरों की निजी प्रैक्टिस पर रोक लगे एवं एम एम सीएच की व्यवस्था को सुदृढ़ करें।

रेलवे ब्रिज का सरिया सेटरिंग खिसकने से दो मजदूरों की मौत, एक गंभीर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : रेलवे ब्रिज निर्माण साइट में शनिवार को सरिया सेटरिंग गिरने से बड़ा हादसा हो गया है। चतरा के टंडवा में निमार्णाधीन शिवपुर-कठौतिया रेलवे लाईन निर्माण में लगी इरिकॉन कंपनी के बुकरू गांव? स्थित ब्रिज संख्या 102 का सरिया खिसकने से ब्रिज निर्माण कार्य में लगे डेढ़ दर्शन मजदूरों में से आधा दर्जन मजदूर धराशाई हुए सरिया के नीचे दब गए। घटना के बाद अन्य मजदूरों के सहारे सरिया के नीचे दबे मजदूरों को बाहर निकलने का प्रयास किया गया। इसमें से कुछ मजदूरों को बाहर निकाल लिया गया लेकिन सरिया के बीच में दब जाने के कारण एक मजदूर की मौके पर मौत हो गई। जबकि गंभीर रूप से घायल दो मजदूरो को आनन-फानन में इलाज के लिए सिमरिया रेफरल अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां इलाज के दौरान एक मजदूर की मौत हो गई। वहीं दूसरे मजदूर को गंभीर हालत में हजारीबाग रेफर किया गया है। घटना में मृतक मजदूर की पहचान बुकरू गांव निवासी बेचन भुइयां तथा लेम्बुआ गांव निवासी सकेंद्र साहू के रूप में की गई। जबकि घायल मजदूर की पहचान बुकुर गांव निवासी दुर्गेश भुईयां के रूप में की गई। घटना के बाद जहां एक और मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है वहीं दूसरे ओर आक्रोशित ग्रामीण और परिजनों ने घटनास्थल पर पहुंचकर जमकर हंगामा किया। वहीं घटना में ब्रिज निर्माण में कार्य कर रहे मजदूरों ने बताया कि ब्रिज के सरिया के सेफ्टी रड को कंपनी के इंजीनियर सौरभ के द्वारा कटवा दिया गया था। रड के कटते ही सरिया धराशाई हो गया। जिससे यह पूरा हादसा हुआ। वहीं घटना पर सिमरिया विधायक किसुन कुमार दास ने भी दुख व्यक्त करते हुए कंपनी के विरुद्ध जमकर भड़ास निकाल है। उन्होंने कहा कि कंपनी वैसे ही अपने मनमाने रवैया के कारण पहले से ही बदनाम रही है। ऐसे में सेफ्टी के अभाव में मजदूरों की मौत कम्पनी के मनमानी और नाकामी दोनों को दशार्ता है।

मासिक लोक आदालत में 26 मामलों का हुआ निष्पादन, 7.93 लाख रु का सेटलमेंट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डीएलएसए अध्यक्ष रसिकेश कुमार की अध्यक्षता में व्यवहार न्यायालय खूंटी में शनिवार को मासिक लोक अदालत का आयोजन किया गया। मासिक लोक अदालत में विभिन्न मामलों के निष्पादन के लिए चार बैंचों का गठन कर न्यायालय में लंबित मामलों तथा प्री- लिटिगेशन से संबंधित मामलों का निस्तारण किया गया। लोक अदालत में दीवानी एवं फौजदारी न्यायालय के सुलहनीय प्रकृति के मामले एनआईएक्ट के मामले और बिजली संबंधित मामले प्रस्तुत किए गए। डीएलएसए सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने बताया कि लोक अदालत में चार बैंचो के माध्यम से न्यायालय में लंबित 26 मामलों का निष्पादन किया गया तथा 793709 रु का सेटलमेंट किया गया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश डालसा अध्यक्ष रसिकेश कुमार ने एमएसीटी केस नंबर 12/2021 में 7,60,000 रुपये का चेक भी पीड़ित को प्रदान किया गया। लोक अदालत के प्रथम बेंच में जिला जज द्वितीय राकेश कुमार मिश्रा जिला जज तृतीया प्रति प्राची मिश्रा, पैनल अधिवक्ता प्रेम प्रकाश गुरु, द्वितीय बेंच में मुख्य न्यायाधीश दंडाधिकारी मनोरंजन कुमार, पैनल अधिवक्ता मुकुल कुमार पाठक और कविता कुमारी, तृतीय बेंच में एसडीजेएम विद्यावती कुमारी, पैनल अधिवक्ता आशीष कुमार और सुमित कुमार कश्यप तथा चतुर्थ बेंच में अस्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष केके सिंह और सदस्य मधु चंदा रजक और पैनल अधिवक्ता शशि कला कुमारी उपस्थित थे।

विकास से कोसों दूर, साजिशों में माहिर विपक्ष : विधायक आलोक चौरासिया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : विधायक आलोक चौरासिया ने हाल ही में वायरल हुए ऑडियो क्लिप को पूरी तरह से फर्जी और डीपफेक करार देते हुए विपक्ष पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि यह ऑडियो क्लिप एक साजिश के तहत बनाई गई है, जिसका उद्देश्य उनकी छवि को धूमिल करना और क्षेत्र के विकास कार्यों को बाधित करना है। आलोक चौरासिया ने कहा, ₹यह वायरल ऑडियो क्लिप एक डीपफेक है, जिसे मेरे विरोधियों ने साजिशन तैयार किया है। मैं जल्द ही इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज करूंगा और सुनिश्चित करूंगा कि दोषियों को सख्त से सख्त सजा मिले। यह मेरी जनता के साथ धोखा है, और मैं इसे किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं करूंगा। विधायक आलोक चौरासिया ने कहा, विपक्ष ने कभी भी इस क्षेत्र के विकास में कोई योगदान नहीं दिया है। उनकी पूरी राजनीति सिर्फ साजिश और अफवाहों पर टिकी है। जो लोग विकास के कामों से कोसों दूर हैं, वे अब अपने राजनीतिक अस्तित्व को बचाने के लिए इस तरह के निचले स्तर की चालें चल रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, विपक्ष को यह समझना चाहिए कि जनता को अब उनके झूठ और साजिशों से बहकाया नहीं जा सकता। जनता देख रही है कि कौन उनके हित में काम कर रहा है और कौन सिर्फ राजनीतिक फायदे के लिए नकारात्मक प्रचार कर रहा है। विधायक आलोक चौरासिया ने यह भी कहा कि वह इन साजिशों से डरने वाले नहीं हैं और विकास के कार्यों को रुकने नहीं देंगे। मैं अपने क्षेत्र की जनता के साथ खड़ा हूं, और हम मिलकर इस तरह के षड्यंत्रों का मुंहतोड़ जवाब देंगे। जो लोग विकास में विफल रहे हैं, वे अब इन गंदे हथकंडों से हमारी प्रगति को रोक नहीं सकते, उन्होंने जोड़ा।

गतका चैंपियनशिप में संत मरियम के दो खिलाड़ियों ने जीता सिल्वर मेडल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : पंजाब के संगरूर में नेशनल गतका चैंपियनशिप का आयोजन दिनांक 24 अगस्त से 28 अगस्त तक किया गया था । जिसमें संत मरियम स्कूल के खिलाडियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर 11 टिम फरी सोती खेलते हुए महाराष्ट्र , राजस्थान की टीम को हरा कर झारखंड राज्य के लिए रजत पदक जीती। जीत के पश्चात विद्यालय आने पर स्कूल के तमाम शिक्षक, शिक्षिकाओं एवं प्राचार्य ने खिलाड़ियों का हौसला अफजाई किया। मौके पर स्कूल के प्राचार्य कुमार आदर्श ने कहा की एक बेहतरीन खिलाड़ी बने के लिए अनुशासन में रहना बहुत ही जरूरी है । अनुशासन में रहकर ही शिक्षा एवं खेल के जगत में आप अव्वल आ सकते हैं। विजेता खिलाड़ियों को ढेर सारी शुभकामनाएं आप ईमानदारी पूर्वक अभ्यास कीजिए सफलता एक दिन जरूर आपकी कदम चूमेगी। यह सभी खिलाड़ी स्कूल के शारीरिक शिक्षक सुमित बर्मन के नेतृत्व में पंजाब रवाना हुए थे।

पलामू में उत्पाद सिपाही बहाली प्रक्रिया में हो रही मौत और बेहोश होने की घटना के लिए राज्य सरकार दोषी : सांसद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : उत्पाद सिपाही बहाली प्रक्रिया में दौड़ के दौरान हो रही मौत और बेहोश होने की घटना पर पलामू सांसद वीडी राम ने झारखंड सरकार को जिम्मेवार बताया है। उन्होंने बहाली प्रक्रिया पर भी सवाल उठाया है। साथ ही इसे रोक कर जाड़े के मौसम में प्रक्रिया पूरी करने की आग्रह किया है। मृतक के परिजनों को एक-एक करोड रुपए मुआवजा राशि देने की मांग की है। मेदिनीनगर के चियांकी एयरपोर्ट पर उत्पाद विभाग के सिपाही पद पर बहाली प्रक्रिया के लिए दौड़ प्रतियोगिता हो रही है। 27 अगस्त से यह प्रतियोगिता चल रही है। नौ सितंबर तक आयोजित है। दौड़ के दौरान अभ्यर्थी लगातार बेहोश हो रहे हैं। अब तक चार लोगों की मौत हो चुकी है। सांसद ने शनिवार को अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव आने वाला है और आदर्श आचार संहिता लगने वाली है, इस कारण हड़बड़ी दिखाई जा रही है। गर्मी में एयरपोर्ट की पिच पर दौड़ाने से यह सब हो रहा है। ऊपर और नीचे की गर्मी दोनों अभ्यर्थियों को मिल रही है, जिससे वे बेहोश हो जा रहे हैं। जब भी बहाली निकलती है तो दौड़ की प्रक्रिया जाड़े के मौसम में पूरी की जाती है, लेकिन चुनाव की वजह से झारखंड सरकार युवाओं की जान लेने पर तूली हुई है। पूरे पांच साल कोई बहाली नहीं निकली। 5 लाख लोगों को नौकरी देने का वादा हवा हवाई साबित हुई। बेरोजगारी भत्ता तक नहीं मिला। अब चुकी चुनाव नजदीक है। ऐसे में हड़बड़ी में बहाली की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। भाजपा सासंद और पूर्व डीजीपी विष्णु दयाल राम ने कहा कि बहाली की प्रक्रिया के दौरान लापरवाही बरती जा रही है। बहाली के दौरान होने वाली चार मौतों का जिम्मेदार कौन है? बहाली की प्रक्रिया सुबह या शाम में भी ली जा सकती है। चियांकि हवाई अड्डा पर उत्पाद सिपाही के बहाली के लिए सही जगह नहीं है, चार अभ्यर्थियों की अब तक मौत हो चुकी है। वहीं बेहोश होने वाले अभ्यर्थियों को फर्श पर लिटाकर इलाज किया जा रहा है। इस लापरवाही के कारण अभ्यर्थियों की मौत हो रही है। मेरी पूरी संवेदना मृतक के परिजनों के साथ है और जो पीड़ित हैं उन्हें जल्द ठीक होने की कामना करते हैं।

संक्षिप्त खबरें

पांकी विधानसभा के सैकड़ों गांव के ग्रामीण जनता रहते हैं अंधेरे में : शशिभूषण मेहता

पांकी (पलामू) : पांकी विधानसभा क्षेत्र में सैकड़ों ट्रांसफरमर है खराब, तार बिजली पोल को लेकर विभाग के पदाधिकारी है बेलगाम, पांकी विधानसभा के सैकड़ों गांव के ग्रामीण जनता रहते हैं अंधेरे में, बिजली विभाग के जेनरल मैनेजर और पदाधिकारी के खिलाफ पलामू जिला के मेदिनीनगर शहर में ढिबरी जुलूस निकाल कर करेंगे धरना एवं प्रदर्शन, पांकी विधानसभा के जनता ढिबरी युग में रहने को है मजबुर, विभाग का है लापरवाही, दिनांक 2/9/2024 को दिन सोमवार सुबह 11:00 बजे दिन में मेदिनीनगर शहर में बिजली विभाग के जेनरल मैनेजर और विभाग के पदाधिकारी के खिलाफ ढिबरी जुलूस निकाल कर प्रदर्शन किया जाएगा जिसमें सभी सम्मानित भारतीय जनता पार्टी के सम्मानित कार्यकर्ता एवं जनता उपस्थित रहेंगे।

स्कूल के छात्रों और पुलिस अधीक्षक के बीच हुआ वार्तालाप कार्यक्रम

मेदिनीनगर (पलामू) : मेदिनीनगर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पहली बार कामेश्वर अवध इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों और पलामू जिला की पहली महिला पुलिस अधीक्षक रिष्मा रमेशन के साथ एक वातार्लाप कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को पुलिस की समाज के प्रति भूमिका पर चर्चा करने और महत्वपूर्ण प्रश्नों पर विचार-विमर्श का अवसर प्रदान करना है। इस अवसर पर स्कूल के छात्रों और पुलिस अधीक्षक के बीच फेस-टु-फेस इंटरव्यू भी आयोजित किया गया। वातार्लाप कार्यक्रम के दौरान कामेश्वर अवध इंटरनेशनल स्कूल के प्राचार्य, शिक्षक, शिक्षिका, स्कूल प्रबन्धक समेत कई छात्र और छात्राऐ भी शामिल थे। वही कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक रिष्मा रमेशन ने स्कूल के छात्र, छात्राएं और शिक्षक को समानित भी की।

भाजपा नेता लाल सूरज ने सैकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस पार्टी का थामा दामन

पांकी (पलामू) : पांकी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा के कद्दावर नेता रहे लाल सूरज ने सैकड़ों समर्थकों के साथ शनिवार को रांची के कांग्रेस भवन में सदस्यता ग्रहण किए। मौके पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लाल सूरज ने कहा कि अनेकों वर्षों तक हमने भाजपा में रहकर कार्यकर्ता के रुप काम किया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा में अनेकों वर्षों तक सेवा देने के वावजूद कोई मान सम्मान नहीं देखा गया और ना ही भारतीय जनता पार्टी में कोई विकास मुद्दों को लेकर बात किया जाता है लाल सूरज ने अपने पिता स्वर्गीय मधु सिंह के संघर्षों को अवलोकन करते हुए कहा कि हमारे पिता जी एक संघर्शिल व्यक्ति थे,उनके के कार्यो को देखते हुए हमने भी कार्य करने का मन बना लिया है,जो आज संघर्षों के पार्टी कांग्रेस में हम सैकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस पार्टी का दामन थामा है। इधर उन्होंने कांग्रेस के कार्यक्रम में उपस्थित रहे सभी पदाधिकारियों को आभार प्रकट करते हुए कहा कि आगे हमें पार्टी जो कार्य सोपेगी हम उन्हे निष्ठा पूर्वक कार्य को करते हुए पांकी विधानसभा क्षेत्र ही नहीं पलामू प्रमंडल में कांग्रेस पार्टी का मजबूती बनाएंगे। इधर लाल सूरज को कांग्रेस पार्टी में दामन थामने के बाद पांकी विधानसभा में खुशी की लहर है। कांग्रेस पार्टी में अरविंद सिंह, अकमल खां, पारसनाथ सिंह, राजकुमार सिंह कमखया सिंह पूर्व मुखिया, त्रिवेणी सिंह, बच्चन ठाकुर, कन्हाई लाल सिंह उर्फ किशन बाबू,जोगिंदर सिंह,दिलीप चौधरी, अमेरिका सिंह, निरंजन यादव, सौदागर सिंह नरेंद्र सिंह, अभिषेक कुमार मेहता, सिंधु सिंह, सिद्धार्थ सिंह, संतोष सिंह सिद्धान्त, देवचंद यादव, भीम शुक्ला, दिलीप ठाकुर समेत सैकड़ों समर्थकों ने थामा दामन।

एसआईपी अर्थमैटिक जीनियस कॉन्टेस्ट में दूसरे राउंड के लिए निर्मय कुमार पांडेय चयनित

मेदिनीनगर (पलामू) : स्थानीय एमकेडीएवी पब्लिक स्कूल के कक्षा तीन का छात्र निर्मय कुमार पांडेय ने अखिल भारतीय अंतर विद्यालय प्रतियोगिता 2024 के सीजन 9 एसआईपी अर्थमैटिक जीनियस कॉन्टेस्ट के दूसरे चरण में प्रवेश कर लिया है। सदर मेदनी नगर प्रखंड अंतर्गत रजवाडीह गांव निवासी नितिन कुमार पांडे व रंजना पांडे के पुत्र निर्मय कुमार पांडे इस सफलता पर लोगों ने खुशी का इजहार किया है। विजेता प्रतिभागी छात्र निर्मय कुमार पांडे ने बताया कि 7 अगस्त को आयोजित पहले राउंड में कई कठिन सवाल थे और इसे एक निर्धारित समय में पूरा करना था लेकिन मैं इसमें बेहतर कर पाया इसकी मुझे काफी खुशी है। बता दें कि निर्मय कुमार पांडे के पिता नितिन कुमार पांडे अधिवक्ता व उनकी मां रंजना पांडे गृहिणी हैं। दोनों ने बेटे की सफलता पर बताया कि इस प्रतियोगिता में लाखों विद्यार्थी शामिल होते हैं। ऐसे में यदि कोई प्रतिभागी बेहतर करता है तो खुशी मिलती है।

गुमटी में बेचा जा रहा था नशीला इंजेक्शन तस्कर गिरफ्तार

रामगढ़ : रामगढ़ शहर के एनएच 23 पर नशीले इंजेक्शन का कारोबार काफी तेजी से फैल रहा है। पुलिस ने एक ऐसे ही नशीले इंजेक्शन के तस्कर को गिरफ्तार किया है। एसपी अजय कुमार ने शनिवार को बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि कैथा शिव मंदिर तालाब के आसपास कुछ युवकों के द्वारा नशीले पदार्थों की खरीद बिक्री की जा रही है। उनके निर्देश पर रामगढ़ एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद और प्रभारी थाना प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह ने छापेमारी की। इस दौरान वहां एक गुमटी से 26 नशीले इंजेक्शन बरामद किए गए। इस दौरान तस्कर भवानी सिंह को भी गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान भवानी सिंह ने बताया कि कुछ लोगों के द्वारा उन्हें यह नशीला इंजेक्शन बेचने के लिए दिया जाता था। जिसे गुमटी मालिक और उसके द्वारा बेचा जाता था। इस मामले में भवानी सिंह के अलावा तीन अन्य लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। रामगढ़ पुलिस ने बरामद किए गए नशीले इंजेक्शन की जांच औषधि निरीक्षक से करवाई। जांच के बाद पता चला कि वह दवा शेड्यूल एच-1 प्रवृत्ति का है। जिसे बिना चिकित्सकीय सलाह और बिना प्रिस्क्रिप्शन के बेचा नहीं जा सकता है। पुलिस द्वारा जप्त किया गया पेंटाजोसिन इंजेक्शन और पेंटाजोसिन लोकटेड इंजेक्शन मानव शरीर के लिए काफी हानिकारक है। इसकी बिक्री के लिए भी लाइसेंस होना बेहद आवश्यक है।

एक नजर

स्वास्थ्य केंद्र पर चलाया गया व्यस्क बीसीजी टीकाकरण अभियान

जमशेदपुर : बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के जगन्नाथपुर स्वास्थ्य केंद्र पर व्यस्क बीसीजी टीकाकरण अभियान की शुरूआत की गई। जिसका शुभारंभ एन एम निल्लम टोप्पो ने किया। अभियान की शुरूआत करते हुए उन्होंने कहा कि दुनियाभर में संक्रमण रोगों से होने वाली मौतों में टीबी सबसे ज्यादा जिम्मेदार है। इस रोग से बचाव के लिए प्रभावी उपायों में से टीका एक ऐसा उपाय है जिससे टीबी के नए मामलों और मृत्यु दर को रोका जा सकता है। व्यस्क नागरिकों को टीबी से बचाने के लिए सरकार द्वारा यह अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत घर-घर सर्वे के उपरांत चिन्हांकित किए गए सभी नागरिकों का टीकाकरण किया जाएगा। व्यस्क बीसीजी टीकाकरण अभियान के तहत बीसीजी का टीका 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को 6 श्रेणियों में विभक्त करके लगाया जाएगा। इसमें जिन व्यक्तियों को पूर्व में टीबी हुई हो, टीबी मरीजों के संपर्क में रहने वाले व्यक्तियों, 60 वर्ष और उससे अधिक के बुजुर्ग, कुपोषित व्यस्क, धूम्रपान करने वाले व्यक्ति और मधुमेह के मरीजों को उनकी सहमति उपरांत ही बीसीजी टीका लगाया जाएगा। उधर अभियान का मुख्य उद्देश्य 2025 तक भारत को टीबी मुक्त बनाना है।

पूर्व विधायक कुणाल ने पीड़िता को दिया ऑक्सीजन कंसंट्रेटर

जमशेदपुर : बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के गम्हरिया पंचायत अंतर्गत सालबनी गांव के निवासी मधु करण की पत्नी कल्याणी करण कई दिनों से गंभीर रूप से सांस लेने में काफी परेशानी का सामना कर रही थी। उन्हें गैस सिलिंडर को भरने के लिए हर बार जमशेदपुर जाना पड़ता था। उनकी आर्थिक स्थिति काफी खराब है। स्थिति और बिगड़ने लगी, तो परिजन ने मदद हेतु पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी से आग्रह किया। जिस पर पहल करते हुए नाम्या इस्माइल फाउंडेशन की ओर से कल्याणी करण को एक ऑक्सीजन कंसंट्रेटर दिया गया। यह मशीन उनकी जरूरत लायक ऑक्सीजन घर पर ही बना देगी। इससे सांस लेने में राहत मिलेगी और उनके स्वास्थ्य में सुधार होगा। इस मौके पर सोमनाथ करन, राज कुमार करन, गिरिधारी राणा, मधु मंगल करन, रिंकू करन, धर्मेंद्र राणा, गोपीनाथ करण, वरुण जना, जगन्नाथ करण, पार्थ राणा, नारायण करण, कौशिक करण, श्यामल दास, शैलेंद्र करन और अरुण करन सहित उपस्थित कई अन्य साथी ने विधायक का आभार प्रकट किया।

एग्रिको दुर्गा पूजा कमेटी 12 लाख की लागत से कराएगी पंडाल का निर्माण

जमशेदपुर : एग्रिको पूजा समिति के तत्वावधान में शनिवार को लाइट सिग्नल के समीप पंडाल निर्माण के लिए भूमि पूजन किया गया। भूमि पूजन में कमिटी के सभी पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्य मौजूद रहे। कमिटी के महामंत्री भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि इस बार 12 लाख रुपये की लागत से भव्य पंडाल का निर्माण कराया जाएगा। पंडाल का निर्माण कोंटाई के 40 उत्कृष्ट कारीगर करेंगे। उन्होंने बताया कि पंडाल में विराजमान होने वाली दुर्गा की प्रतिमा भी बंगाल के बेल्दा के कारीगरों द्वारा किया जाएगा। जिसकी लागत 1.30 लाख रुपये होगी। हर वर्ष की तरह आकर्षक विद्युत सज्जा के साथ-साथ मेला मुख्य आकर्षण होगा। भूमि पूजन में यह रहे मौजूद समिति के अध्यक्ष वाईपी सिंह, केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष अचिंतम दस गुप्ता, महामंत्री आशुतोष सिंह, चंद्रशेखर मिश्रा, रॉकी सिंह, संजय सिंह, जे बेहरा, जयराम रजक तथा कार्यकारिणी तथा पूजा कमेटी के सदस्य उपस्थित थे।

सफाई कर्मचारियों के बिना स्वच्छ भारत मिशन की परिकल्पना अधूरी : अंजना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग की उपाध्यक्ष अंजना पवार ने शनिवार को समाहरणालय सभागार में जिले के उपायुक्त, एसएसपी, सिटी एसपी समेत निकायों के पदाधिकारियों, सफाईकर्मियों के संगठन एवं सफाई कर्मचारियों के साथ बैठक की। बैठक का मुख्य उद्देश्य सफाईकर्मियों के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक एवं पुनर्वास पर चर्चा करना तथा उसे अमल में लाना है। बैठक के दौरान आयोग की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने नगर निकायों व अन्य संस्थाओं में कार्यरत सफाई कर्मियों को दी जाने वाली सुविधाओं व उनकी सामाजिक सुरक्षा के लिए सरकारी संस्थाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में उपस्थित नगर निगम के अधिकारियों को संबोधित करते हुए अंजना पवार ने कहा कि देश स्तर पर चलाए जा रहे स्वच्छ भारत मिशन की जो परिकल्पना है वह सफाई कर्मचारी के बिना पूरी नहीं हो सकती है। इन्हें पूर्ण सम्मान देना होगा। कोविड जैसी महामारी में इस वर्ग ने सबसे अधिक कार्य किया, अपने परिवारों का साथ छोड़कर इन्होंने सामाजिक कार्यों को महत्ता देते हुए अपने कार्यों का निर्वहन किया, इनके प्रति हमेशा हमें संवेदनशील होकर कार्य करना है। उन्होंने कहा कि अधिकारी और कर्मचारी एक दूसरे के पूरक होते हैं। देश की तरक्की चाहते हैं तो इनका हाथ पकड़कर चलना होगा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग का लक्ष्य सफाई कर्मचारियों जैसे कमजोर समूहों तक अपना दायरा बढ़ाना है। आम तौर पर सफाई कर्मचारियों को वित्तीय, स्वास्थ्य और सामाजिक जैसे कई मोर्चों पर गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय सफाई कर्मचारियों की स्थिति, सुविधाओं और अवसरों में असमानताओं को समाप्त करने की दिशा में कार्य करता है। मौके पर सिविल सर्जन डॉ साहिर पाल, एमजीएम सुपरिटेंडेंट डॉ रविन्द्र कुमार, अपर नगर आयुक्त मानगो नगर निगम रंजीत लोहरा, जिला परिवहन पदाधिकारी धनंजय, उप नगर आयुक्त जेएनएसी कृष्ण कुमार, जिला योजना पदाधिकारी अरूण द्विवेदी, जिला कल्याण पदाधिकारी राजेन्द्र गुप्ता, श्रम विभाग, जुस्को व अन्य सफाई कमार्चारियों से संबंधित अन्य विभागों के पदाधिकारी, संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। प्रत्येक छह माह में नियमित रूप से हो हेल्थ चेकअप राष्ट्रीय सफाई आयोग की उपाध्यक्ष ने कहा कि विभिन्न संस्थानों में सफाई कर्मचारी कॉन्ट्रैक्ट/अनुबंध आधारित/आउटसोर्स या दैनिक मानदेय पर कार्यरत हैं। इनके सामाजिक उत्थान के लिए और कार्य करने की आवश्यकता पर उन्होंने बल दिया। उन्होंने कहा सफाई कर्मचारी गंभीर परिस्थितियों में कार्य करते हैं, इन कर्मियों का हेल्थ चेकअप प्रत्येक छह माह में नियमित रूप से हो ताकि यह किसी गंभीर बीमारी के शिकार ना हो। सफाई कर्मचारियों के पहचान के लिए आईडी कार्ड बनवाने तथा उसमें सभी आवश्यक जानकारियों के साथ-साथ ब्लड ग्रुप, फोन नंबर, ईएसआसी नंबर को दर्ज करने का भी सुझाव दिया। साथ ही गर्मी, ठंड या बरसात के मौसम के मद्देनजर यूनिफॉर्म, जूता उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने नियमित मासिक सैलरी तथा पहले सप्ताह में नियमित भुगतान हो इसपर बल दिया।

मनरेगा में अनियमितता, बड़ा सोनाकड गांव में कूप निर्माण में मिली गड़बड़ी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बड़हरवा प्रखंड अंतर्गत कोटालपोखर बड़ा सोनाकड गांव में महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत कूप निर्माण कार्य में भारी अनियमितताओं का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस योजना के तहत मिठू देवी की जमीन पर कूप निर्माण कार्य किया गया है, जिसमें बिचौलिया शमीम अख्तर के द्वारा गंभीर अनियमितताएं बरती गई हैं। जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि कूप निर्माण से संबंधित कार्यों के लिए अत्यधिक राशि की निकासी हुई है। स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया है कि बिचौलियों ने सरकारी धन का दुरुपयोग करके अपनी जेब भरने की कोशिश की है। बिचौलिया शमीम अख्तर पर आरोप है कि उन्होंने योजना की राशि का गलत तरीके से इस्तेमाल किया है और वास्तविक कार्य से अधिक पैसे निकाल लिए हैं। स्थानीय नागरिकों ने इस भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाई है और उचित कार्रवाई की मांग की है। गांव के कुछ लोग इस मामले की शिकायत संबंधित विभाग को भी कर चुके हैं। जब इस मामले पर प्रशासन को संज्ञान में लाया गया, तो अधिकारियों ने जांच का आश्वासन दिया है।

उपायुक्त ने 'आपकी योजना, आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : प्रखंड के ग्राम- गंगा प्रसाद पश्चिम के पंचायत भवन में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत आयोजित शिविर का उपायुक्त हेमंत सती ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने शिविर में लगे हर एक काउंटर का बारीकी से निरीक्षण किया और यह सुनिश्चित किया कि किसी भी व्यक्ति को सेवाओं के प्राप्त करने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे लाभार्थियों की समस्याओं का त्वरित समाधान करें और उन्हें योजनाओं का लाभ पहुंचाने में कोई कोर कसर न छोड़ी जाए। शिविर में ग्रामीणों ने उपायुक्त को अवगत कराया कि अभी तक कई पात्र लाभार्थियों को आवास योजना का लाभ नहीं मिल पाया है। इसी दौरान, एक वृद्ध विधवा महिला ने अपनी समस्या बताते हुए कहा कि उसके पास रहने के लिए घर नहीं है और अभी तक उसका राशन कार्ड भी नहीं बन पाया है। उपायुक्त हेमंत सती ने तुरंत मौके पर जाकर वृद्ध महिला के घर का निरीक्षण किया और अंचल अधिकारी को निर्देश दिया कि महिला को जल्द से जल्द आंबेडकर आवास योजना के तहत आवास उपलब्ध कराया जाए। साथ ही, उन्होंने निर्देश दिया कि महिला का राशन कार्ड भी प्राथमिकता के आधार पर बनवाया जाए, ताकि उसे आवश्यक खाद्य सुरक्षा मिल सके। उपायुक्त ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना हमारी प्राथमिकता है और इसके लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

मतदाता सूची में अपने नाम की जांच अवश्य कर लें : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रवि शंकर शुक्ला ने द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 के तहत मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के बाद मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के सदस्यों के साथ शनिवार को बैठक की। इस दौरान उपायुक्त ने कहा कि सरायकेला-खरसावां जिला अंतर्गत सभी मतदान केंद्रों पर सूची का अंतिम प्रकाशन कर दिया गया है। इस दौरान नई सूची की सॉफ्ट और हार्ड कॉपी उपस्थित सदस्यों को भी उपलब्ध कराई गई। इस दौरान उपायुक्त ने सभी सदस्यों को भी अपने स्तर से मतदाताओं के बीच जागरुकता अभियान चलाने का अपील की ताकि लोग अद्यतन मतदाता सूची में अपने नाम की जांच अवश्य कर लें। बैठक के दौरान उपायुक्त ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 2 से 13 सितंबर 2024 तक सामुदायिक भवन स्थित एवं ईवीएम वेयरहाउस में ईवीएम तथा वीवी पैड्स का फर्स्ट लेवल चेकिंग कार्य किया जाना है। इस कार्य में सभी राजनीतिक दल के सदस्य स्वयं या अपने किसी प्राधिकृत प्रतिनिधि को निश्चित रूप से उपस्थित रहने की अपील करें। इस दौरान वेयरहाउस में मोबाइल फोन, कैमरा, स्पाई पेन तथा अन्य किसी भी प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाना पूर्णता निषेध रहेगा। उन्होंने कहा कि इस कार्य के दौरान एवं ईवीएम वेयरहाउस में प्रवेश हेतु आधार कार्ड, वोटर कार्ड, पहचान लाना अनिवार्य होगा। बैठक में मुख्य रूप से जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी गौतम प्रसाद साहू, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे ।

सर्दी, जुकाम व वायरल फीवर से पीड़ित 70 मरीज आ रहे प्रतिदिन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चाईबासा : मौसम में लागतार हो रहे बदलाव और बारिश से लोग वायरल फीवर की चपेट में आ रहे हैं। इसे लेकर मनोहरपुर आनंदपुर में वायरल फीवर के मरीज लगातार बढ़ रहे हैं। इससे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मनोहरपुर में इन दिनों सर्दी, जुकाम और तेज बुखार से पीड़ित मरीज काफी संख्या में पहुंच रहे हैं। अन्य दिनों की तुलना में मनोहरपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रतिदिन 60 से 70 मौसमी बीमारी से पीड़ित मरीज पहुंच रहे हैं। वहीं स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों द्वारा पीड़ित मरीजों को दवा देकर बीमारी से बचाव के लिए सावधानियां बरतने को कहा जा रहा है। वहीं मौसमी बीमारी की चपेट में आकर ज्यादा गंभीर होने वाले मरीजों को अस्पताल में भर्ती भी किया जा रहा है। इससे स्वास्थ्य केंद्र में बेड की भी कमी होने लगी है. इधर मनोहरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अनिल कुमार ने कहा कि मौसमी बीमारी से बचाव को लेकर सावधानी बरतने की आवश्यकता है। उन्होंने लोगों से घर के आसपास पानी का जमाव नहीं होने देने, सोने के दौरान मच्छरदानी का उपयोग करने, बासी भोजन खाने से बचने, साथ ही मौसमी बीमारी का अस्पताल जाकर इलाज कराने की बातें कहीं। उन्होंने कहा कि अस्पताल में प्रतिदिन 60 से 70 मरीज सर्दी, जुकाम और वायरल फीवर से पीड़ित आ रहे हैं। इनको दवाई उपलब्ध कराई जा रही है। मौसमी बीमारी से संबंधित अस्पताल में सभी जरूरत की दवाएं मौजूद हैं।

15 सितंबर तक आंगनवाड़ी सेविकाओं के माध्यम से पीएम जनमन का सर्वेक्षण पूरा करें : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में पीएम जनमन प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान से संबंधित समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने निर्देश दिया कि 15 सितंबर तक सभी पीवीटीजी विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह गांवों में आंगनवाड़ी सेविकाओं के माध्यम से पीएम जनमन का सर्वेक्षण पूरा किया जाए। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सर्वेक्षण के दौरान सभी जरूरतमंद परिवारों की पहचान सुनिश्चित की जाए ताकि उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि सर्वेक्षण का कार्य समयबद्ध तरीके से किया जाए और इसके लिए आंगनवाड़ी सेविकाओं का सक्रिय सहयोग लिया जाए। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया और सर्वेक्षण को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। अधिकारियों ने बताया कि पीएम जनमन के तहत सभी पीवीटीजीएस गांवों में विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी और इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। पीएम जनमन, जिसे प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान के नाम से जाना जाता है, भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक प्रमुख योजना है, जिसका उद्देश्य देश के विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों को सशक्त बनाना और उनके जीवन स्तर को सुधारना है। इस अभियान के तहत, सरकार उन क्षेत्रों और समुदायों पर विशेष ध्यान दे रही है, जो अब तक मुख्यधारा की विकास योजनाओं से वंचित रहे हैं। योजना का मुख्य उद्देश्य जनजातीय समुदायों को सामाजिक, आर्थिक, और शैक्षिक रूप से सशक्त बनाना और उन्हें न्यायसंगत विकास के अवसर प्रदान करना है। इस योजना के तहत, पीवीटीजी गांवों में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाता है, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, और बुनियादी सुविधाओं का विकास शामिल है। सरकार की ओर से इन गांवों में सर्वेक्षण किए जाते हैं ताकि वास्तविक जरूरतों का पता लगाया जा सके और उसी के अनुसार योजनाओं को लागू किया जा सके।

संक्षिप्त खबरें

लावा पंचायत मंडप के पास निर्मित कचड़ा घर को अन्यत्र निर्माण करवाने की मांग की

पटमदा: पटमदा प्रखंड मुख्यालय परिसर में लावा पंचायत मंडप के मुख्य द्वार के सामने कचड़ा घर निर्माण को अन्यत्र करने की मांग ग्रामीणों ने रखी।इस संबंध में लावा ग्राम प्रधान बृंदावन दास,अश्वनी दास ने अंचलाधिकारी पटमदा के नाम एक मांग पत्र सौपा।जिसमे उल्लेख किया गया है कि ये योजना पीएचईडी के द्वारा निर्माण होने की जानकारी मिली है। जिसमे किसी भी प्रकार का सूचना बोर्ड नही लगा है।उन्होंने ग्रामीणों के हस्ताक्षर किए आवेदन से कचड़ा घर निर्माण कार्य को मंडप के सामने से हटाया जाए। ताकि मंडप घुसने से पहले लोगो को दुर्गंध का सामना ना करना पड़े। पंचायत बोर्डी को सूचना दिए बिना निर्माण कार्य शुरू किया गया है।

योजनाओं का लाभ समाज के हर तबके तक पहुंचाना सरकार का उद्देश्य : सुमी

चाईबासा: राज्य सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के तहत शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को सदर प्रखंड के नरसंडा पंचायत में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में झामुमो नेत्री सुमी पूर्ति भी शामिल हुईं। उन्होंने शिविर में ग्रामीणों से कहा कि सरकार आपके द्वार कार्यक्रम से आपको सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। सरकार का उद्देश्य राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ समाज के हर तबके तक पहुंचे इसके लिए पंचायत स्तर पर शिविर आयोजित किये जा रहे है। शिविर में उन्होंने ग्रामीणों को मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, सर्वजन पेंशन योजना, गुरुजी क्रेडिट कार्ड, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना समेत विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए लाभ उठाने की अपील की।

सेंट्रल पब्लिक स्कूल में सर्वाइकल कैंसर पर स्वास्थ्य जागरुकता सत्र का हुआ आयोजन

जमशेदपुर: डॉ. अभिषेक चाइल्ड केयर एंड मैटरनिटी हॉस्पिटल साकची जमशेदपुर के सहयोग से सेंट्रल पब्लिक स्कूल आदित्यपुर में सर्वाइकल कैंसर पर स्वास्थ्य जागरुकता सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में शहर की प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रुचिता सिन्हा ने सीपीएस आदित्यपुर की शिक्षिकाओं, छात्राओं और उनके अभिभावकों के बीच सर्वाइकल कैंसर के बारे में जागरूक किया। उन्होंने शिक्षिकाओं और छात्राओं की इस विषय से संबंधित, शंकाओं का समाधान भी किया। सीपीएस के चिकित्सा सलाहकार डॉ. प्रदीप सिंह, प्रिंसिपल रामाशंकर सिंह और हॉस्पिटल के एचआर गुरविंदर सिंह भी इस इंटरैक्टिव सत्र का हिस्सा बने। प्राचार्य ने बताया कि भविष्य में भी सीपीएस आदित्यपुर में इस तरह के स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगें।

नो पार्किंग में लगे वाहनों से ट्रैफिक पुलिस ने वसूले 67300 रुपये जुर्माना

जमशेदपुर : रामकृष्ण फोर्जिंग यूनिट- 5 के समीप मुख्य सड़क पर नो पार्किंग खड़े किये गए वाहनों से ट्रैफिक पुलिस ने 67300 रुपये जुमार्ना वसूला है। ट्रैफिक पुलिस ने शनिवार को अवैध पार्किंग के विरुद्ध अभियान चला कर कांड्रा- सरायकेला मार्ग पर कोलाबीरा स्थित रामकृष्ण फोर्जिंग यूनिट पांच के मुख्य गेट के समीप लगे वाहनों से जुमार्ना वसूला है। साथ ही वाहन चालकों को दोबारा अवैध पार्किंग करते पकड़े जाने पर वाहन जब्त करने की चेतावनी दी है। इस संबंध में ट्रैफिक प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि चेतावनी देने और जुमार्ना वसूलने के बाद भी कंपनी प्रबंधन द्वारा नियमों को ताक पर रखकर बाहर से आने वाले वाहनों को मुख्य सड़क पर ही पार्क कराया जाता है। इससे आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती है। वहीं दुर्घटनाएं भी हो रही हैं। इससे पुलिस प्रशासन की बदनामी हो रही है। उन्होंने बताया कि शनिवार को चलाए गए अभियान में अवैध रूप से पार्किंग किए गए वाहनों से 67 हजार 300 जुमार्ना वसूले गए।

जाल उठाने पर एक बच्चे को पीट कर पानी में फेंका, लाया गया सदर अस्पताल

साहिबगंज: मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लालबथानी गांव के रहने वाले शहीद आलम के 10 वर्षीय पुत्र साबिर अली को उसके ही गांव के रहने वाले नजरुल हक ने मछली का जाल उठाकर मछली मारने के कारण बुरी तरह से मारपीट करते हुए पानी में फेंक दिया। इसको लेकर गंभीर रूप से घायल बालक के पिता ने बताया कि वो ग्रुप लोन का पैसा जमा करने के लिए साहिबगंज आया हुआ था जहां दोपहर को उसके मोबाइल फोन पर कॉल आया की उसके पुत्र को गांव के ही रहने वाले एक व्यक्ति ने बुरी तरह से मारपीट करते हुए बाढ़ के पानी में फेंक दिया है जिसके बाद वो तुरंत अपने गांव पहुंचा और अपने पुत्र को बाढ़ के पानी से निकालकर बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल लेकर आया। उधर सदर अस्पताल में बालक का चिकित्सक की देखरेख में इलाज जारी है। वही इस मारपीट मामले को लेकर पीड़ित पिता ने मुफस्सिल थाना क्षेत्र की पुलिस से शिकायत करने की बात कही है।

हम एकजुट, काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती पार्टी मीटिंग के बाद दिल्ली में शाह से मिले

पटना। राजद की तरफ से पार्टी में टूट की खबरों के बीच LJP(R) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान एक्शन में आ गए हैं। शुक्रवार को पटना स्थित प्रदेश कार्यालय में उन्होंने पहले पार्टी के कोर कमेटी के साथ बैठक की। इसके बाद आनन-फानन में वे दिल्ली पहुंचे। यहां उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। मुलाकात के बाद उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि दोनों के बीच कई राजनीतिक बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। हालांकि क्या चर्चा हुई फिलहाल इस पर वे कुछ बताने से बच रहे हैं। देर शाम न्यूज एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि विपक्ष भ्रम फैला रहा है। विपक्ष की तरफ से एक बार फिर से मेरी पार्टी और सांसदों को लेकर साजिश को हवा देने की कोशिश की जा रही है। ये ठीक उसी तरह है, जैसा 2021 में रची गई थी। आज की तारिख में मजबूती से जिस तरीके से लोजपा(आर) न केवल चुनाव लड़े, बल्कि 100 पर्सेंट स्ट्राइक रेट से सभी की सभी 5 सीटें जीतने में कामयाब रहे। मेरी पार्टी का एक-एक सांसद पूरे समर्पण भाव से बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट को धरातल पर उतारने की सोच के साथ काम कर रहा है। हमारे सामने बड़ा लक्ष्य है 2025 का विधानसभा चुनाव। उस दिशा में पूरी पार्टी एकजुटता से लगी हुई है। जो लोग सोचते हैं कि पार्टी में इस तरह की टूट हो। दरअसल, पिछले दो दिनों से राजद के विधायक और पार्टी नेताओं की तरफ से एलजेपी(आर) में टूट का दावा किया जा रहा था। राजद के नेता सार्वजनिक तौर पर ये कह रहे थे कि पार्टी के तीन सांसद बीजेपी के संपर्क में हैं। बीजेपी इन्हें तोड़ने की प्लानिंग पर काम कर रही है। टूट की खबरों के बीच अचानक 27 अगस्त को गृह मंत्री अमित शाह और चिराग पासवान के चाचा रालोजपा नेता पशुपति पारस के बीच मीटिंग हुई थी। इसके बाद चिराग पासवान को लेकर सस्पेंस बढ़ गया था। शाह से मुलाकात के बाद पशुपति पारस लगातार कह रहे हैं कि गृह मंत्री ने उन्हें भरोसा दिया है कि विधानसभा चुनाव में लोकसभा की तरह नहीं होगा। सही हिस्सेदारी दी जाएगी। मोदी के हनुमान का उनसे मोह भंग हो गया है? क्या विधानसभा चुनाव से पहले तेजस्वी यादव और चिराग पासवान में डील हो गई है? क्या चिराग पासवान के सांसदों को बीजेपी तोड़ने की प्लानिंग कर रही है? क्या जानबूझकर चिराग पासवान बीजेपी की नीतियों का विरोध कर रहे हैं? कई सवाल हैं, जो बिहार के सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बने हुए हैं। इसके पीछे तर्क दिया जा रहा है- पिछले एक महीने में चिराग पासवान केंद्रीय मंत्री रहते 5 बार मोदी सरकार की नीतियों का विरोध कर चुके हैं। मजबूरन सरकार को बैकफुट पर जाना पड़ा। वहीं, दूसरी तरफ राजद दावा कर रही है कि बीजेपी का ऑपरेशन लोटस बिहार में भी ऑन है। चंपाई को तोड़ने के बाद चिराग की पार्टी में बड़ी टूट की तैयारी की जा रही है।

संक्षिप्त डायरी

मुंगेर सदर अस्पताल में नाबालिग से छेड़खानी, नेत्र सहायक पर आरोप; हंगामे में पीड़िता हुई बेहोश

मुंगेर। सदर अस्पताल में शनिवार को 17 साल की नाबालिग लड़की के साथ छेड़खानी हुई है। नेत्र सहायक (50) पर आरोप लगाते हुए नाबालिग ने कहा कि आंख चेक करने के बहाने उसने बुर्का हटाने को कहा। मना करने पर वह मेरे सीने, शरीर को अजीब तरीके से छूने लगा। साथ ही हाथ पर अपना नंबर भी लिख दिया ये कहते हुए कि घर जाना तो कॉल करना। लड़की अपनी नानी का कान दिखाने हॉस्पिटल आई थी। वहीं, घटना के बाद जब वह रूम से निकली तो उसने शोर मचाना शुरू कर दिया। अस्पताल में हंगामा हो गया तब तक वह डर से बेहोश होकर गिर गई। फिलहाल अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। उधर, मौका मिलते ही आरोपी विकास मंडल फरार हो गया। नाबालिग ने आपबीती सुनाते हुए बताया कि मैं अपनी नानी का कान दिखाने सदर अस्पताल आई थी। नानी के कहा कि आंख की भी जांच करवा लेते हैं, जिसके बाद हम उनको लेकर नेत्र सहायक के कमरे में गए। वहां बैठे एक व्यक्ति ने नानी की आंख की जांच की और कहा कि आओ तुम्हारी भी आंख चेक कर दें। तुम्हारी आंखों में भी कुछ दिक्कत दिख रही है। मेरे मना करने के बाद भी वो जिद करने लगा। इधर, मेरी नानी ने कहा कि दिखवा लो और वो बाहर बैठ गईं। जब मैं अंदर गई तो नेत्र सहायक ने मुझे बुर्का हटाने को कहा। जब मैंने मना किया तो वह मेरे सीने और शरीर को अजीब तरीके से छूने लगा। मेरे मुंह से नकाब हटाकर अश्लील हरकत करने लगा। उन्होंने मेरे हाथ में अपना नंबर लिख कर पर्ची पकड़ा दी और कहा कि घर जाकर कॉल करना। हम बाहर निकले और चिल्लाने लगे। तब तक आरोपी वहां से भाग गया। हम बहुत घबरा गए जिसके बाद मुझे यहां भर्ती कराया गया है। अस्पताल में अपने परिजन का इलाज कराने आई सरिता देवी ने बताया कि पीड़िता रोती हुई अचानक एनएनसीयू वार्ड से बाहर गई। गार्ड से पूछी कि यहां का इंचार्ज कौन है, हम उनसे शिकायत करना चाहते हैं। मैं भी बाहर थी। तभी मैं उसके पीछे आई और पूछी कि बेटी क्या हुआ है। उसने मुझे सारी बात बताई। इसी बीच गार्ड हाथ जोड़कर पीड़िता को शांत रहने की अपील कर रहा था। यहां चार-पांच लड़के मौजूद थे। मैंने उन सब से आरोपी का वीडियो बनाने के लिए कहा, लेकिन किसी ने वीडियो नहीं बनाया। तभी मैं आरोपी के पास गई और कहा कि चिकित्सक को लोग भगवान मानते हैं, आपने ऐसा क्यों किया मगर वो कुछ नहीं बोला। नेत्र सहायक का मुंह सूखा हुआ था। अस्पताल परिसर में ही एक युवक आगे आए और पीड़िता को जब हिम्मत देने लगे तभी बहुत सारे लोग मौजूद हो गए और लड़की का साथ दिया। यहां जो भी घटना हुई हमलोगों के सामने हुई है। प्रत्यक्षदर्शी जैबुन निशा ने बताया कि लड़की ने कहा था कि उससे कोई परेशानी नहीं है। वो अपनी नानी का कान दिखाने आई है। आरोपी उसके सीने को टच करने लगा। आरोपी ने कहा कि अपना बुर्का हटाओ, फिर लड़की ने कहा कि उसे कोई बीमारी नहीं है। इतने में लड़की रोने लगी। उसके साथ गलत हुआ। अगर वो नेत्र सहायक हमारे हाथ लग जाता तो सबसे पहले उसकी जमकर पिटाई की जाती। उसके आंख फोड़ देते ताकि वो दुनिया न देखे। ड्यूटी पर तैनात डॉ किस्टु ने बताया कि बच्ची बाहर निकलने के बाद हंगामा करने लगी। मैंने पूछा तो नेत्र सहायक विकास मंडल पर छेड़खानी का आरोप लगाया। इसके बाद से विकास फरार हो गया है। मैंने घटना की जानकारी सिविल सर्जन, अस्पताल उपाधीक्षक और कोतवाली थाना को दे दी है। सीएस बिनोद कुमार सिन्हा ने बताया कि बच्ची ने डॉ किस्टु से नानी के आंख दिखाए। फिर जब वो खुद ऑथेल्मिक असिस्टेंट के पास गई तो वहां उसके साथ कुछ छेड़खानी की गई। उसकी कंप्लेन पर हंगामा हुआ है। हमने पुलिस को इन्फॉर्म किया है। पुलिस अगर एफआईआर दर्ज कर लेती है तो उस पर तुरंत कार्रवाई होगी। हम विभागीय कार्रवाई भी करेंगे। इससे पहले भी उस पर इस तरह की हरकत का आरोप लगा है। इस बार हम निश्चित रूप से एक्शन लेंगे। वहीं, एसपी सैयद इमरान मसूद ने कॉल पर बताया कि मामला अभी जानकारी में नहीं आया है। आवेदन आते ही पुलिस कार्रवाई करेगी।

मोतिहारी में परिजनों ने जताई हत्या की आशंका, मामले की जांच में जुटी पुलिस

मोतिहारी। में दो दिन से लापता अधेड़ का शव नहर से बरामद हुआ है। मृतक तालाब में मछली की रखवाली करता था। परिजनों को शक है कि उसी के मालिक ने घटना को अंजाम दिया है। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम में भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। घटना ढाका थाना क्षेत्र के बखरी खजुरी की है। घटना के संबंध में मृतक के बेटे सुनील पासवान ने बताया कि मेरे पिता 50 वर्षीय मुसाफिर पासवान बैजनाथ मुखिया के यहां मजदूरी करते थे। वहीं, खाना पीना रहना हुआ करता था। केवल वो घर पर पैसा देने आते और बच्चों से मिल कर वापस चले जाए थे। गुरुवार को दस बजे घर आए थे, जहां से बच्चों से मिल कर चले गए। बीते दिन सुबह में बैजनाथ मुखिया घर आया और पूछा कि तुम्हारे पापा कहां है। कल पैसा लेकर आया, उसके बाद वह नहीं गया है। उसके बाद हम लोगों ने उनकी तलाश शुरू कर दी। उनका कहीं पता नहीं चला। आज ग्रामीणों से जानकारी मिली कि जिस नहर के पास वह रहते थे, उसी से कुछ दूर हट कर नहर में इनका शव मिला है। पुलिस को घटना की सूचना दी गई। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक को तीन बेटा और एक बेटी है । जिसमें सबसे छोटे लड़के की शादी करना बाकी है। शव मिलने के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ढाका थानाध्यक्ष नीरज कुमार ने बताया कि नहर से एक अधेड़ का शव बरामद हुआ है। परिजन बता रहे है कि दो दिन से लापता था। शव पूरी तरह पानी में फूल गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। परिजन के आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मधुबनी में जाम हटाने गई टीम पर हमला; हत्याकांड में कार्रवाई नहीं होने पर फूटा गुस्सा

मधुबनी। के रहुआ गांव में शुक्रवार को जाम छुड़ाने गई पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। ग्रामीण एक हत्या के मामले में पुलिस कार्रवाई नहीं होने से नाराज थे। साथ ही वे पीड़ित परिजनों को 10 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग पर अड़े थे। इसी वजह से ग्रामीणों ने भेजा थाना क्षेत्र के मधेपुर मुख्य मार्ग पर बांस बल्ला और लकड़ियों का गट्ठर रखकर सड़क को तीन जगहों से जाम कर दिया। देर शाम झंझारपुर SDO कुमार गौरव और DSP पवन कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम जाम हटाने पहुंची। धरनास्थल पर बैठे लोगों को पुलिस बलों ने खदेड़कर भगा दिया। इस दौरान पुलिस ने लाठीचार्ज भी किया। साथ ही कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया। इस बीच ग्रामीणों ने पुलिस पर पत्थरबाजी शुरू कर दी। जाम हटाने में लगभग एक सौ पुलिस जवान शामिल थे। उग्र भीड़ ने पुलिस को एक किलोमीटर तक खदेड़ दिया। मधेपुर थानाध्यक्ष प्रकाश चन्द्र राजू सहित अन्य पुलिसकर्मी जंगल-झाड़ियों में छिपकर अपनी जान बचाई। 15 अगस्त को मधेपुर थाना क्षेत्र के बीरपुर बांध के पास से पुलिस ने दिनेश कामत उर्फ दल्लू नामक एक व्यक्ति का शव बरामद किया था। इसके बाद मृतक की पत्नी ने मधेपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। रहे अन्य स्टाफ के ऊपर हत्या करने का आरोप लगाया था।

सासाराम में अलग-अलग मांग को लेकर किया प्रदर्शन, प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन

सासाराम। जिला मुख्यालय स्थित शंकर कॉलेज में शनिवार को शिक्षकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन किया। शिक्षक संघ के बेनर के अंदर कॉलेज परिसर में शिक्षकों ने जमकर नारेबाजी की। शिक्षक संघ के प्रतिनिधि मंडल ने अपने विभिन्न मांगों का ज्ञापन प्राचार्य डॉ. शैलेंद्र कुमार ओझा को सौंपा है। शिक्षकों ने विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन किया है। बताया गया कि फुटाब और फुस्टाब की संयुक्त संघर्ष समिति के निर्णय को लेकर साल 2024-25 का बजटीय अनुबंध (वेतन पेंशन, वर्धित महंगाई भत्ता, ग्रेच्युटी, एरियर) विमुक्त नहीं किए जाने, सभी अवैधानिक और विवादास्पद आदेशों की वापसी व विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता की अनदेखी कर अंगीभूत महा विद्यालयों में जिला प्रशासन की दखलंदाजी के सरकार के निर्णय के खिलाफ शिक्षक संघ ने शंकर कॉलेज सासाराम में धरना-प्रदर्शन किया। मौके पर सचिव दीपक कुमार राय, संयुक्त सचिव डॉक्टर दीपक कुमार, कोषाध्यक्ष डॉक्टर अल्पना श्रीवास्तव, डॉक्टर महेंद्र नाथ पांडेय , डॉक्टर सुशील कुमार, विकास कुमार, आशुतोष कुमार, डॉक्टर नित्यानंद सिंह, डॉक्टर कृष्ण कुमार सिंह, डॉक्टर अरुण पांडेय, डॉक्टर संजय प्रसाद, कुंदन प्रसाद , मनीष प्रसाद, मधु तिवारी, वर्षा रानी, नाजिया खातून सहित सभी शिक्षक धरना में शामिल रहें।

बेगूसराय में जनता दरबार से निकल रहे थे, आप कार्यकर्ता ने किया हमला, बोले- दाढ़ी वालों संग तेजस्वी-अखिलेश

बेगूसराय। में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह को मुक्का मारने की कोशिश की गई। दरअसल, शनिवार को बलिया प्रखंड में जनता दरबार का आयोजन किया गया था। इसमें केंद्रीय मंत्री शामिल हुए थे। जनता दरबार से निकलते समय एक युवक ने हमला कर लिया। हालांकि, सुरक्षाकर्मियों ने केंद्रीय मंत्री को बचा लिया। पुलिस हमलावर को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। वहीं, गिरिराज सिंह ने कहा कि दाढ़ी वालों के लिए तेजस्वी और अखिलेश यादव खड़े हो जाएंगे। बताया जा रहा है कि जनता दरबार खत्म होने के बाद लखमिनियां निवासी वार्ड पार्षद और आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता शहजादुज्जमा उर्फ सैफी की ओर से कुछ सवाल पूछा गया। चलते-चलते केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि आपके द्वारा पूछे गए सभी सवालों का जबाव दे दिया गया है। इसके बाद सैफी ने नारेबाजी शुरू कर दी। पुलिस ने नारेबाजी से मना किया तो गिरिराज सिंह को मुक्के से मारने की कोशिश की। घटना पर अपनी बात रखते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि हम निकलने लगे, इसके बाद उसने मुदार्बाद का नारा लगाना शुरू कर दिया। दुर्भाग्य है कि दाढ़ी होने के कारण तेजस्वी यादव भी उसके साथ खड़े हो जाएंगे, अखिलेश यादव भी वोट के लिए उसके साथ खड़े हो जाएंगे। साम्प्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ना चाहेंगे, उसके खिलाफ हमारी आवाज उठती रहेगी।

ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच फंसा युवक

गोरखपुर। से नरकटियागंज जाने वाली पैसेंजर ट्रेन से गिरकर एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, उसके दोनों पैर कट गए। हादसे की वजह युवक की लापरवाही मानी जा रही है, क्योंकि वह चलती ट्रेन के दरवाजे पर लापरवाही से खड़ा था। घायल की पहचान बगहा के नगर थाना क्षेत्र के वार्ड-21 निवासी नरेश चौधरी के बेटे अंगद चौधरी (35) के रूप में हुई है। बताया गया कि अंगद चलती ट्रेन के दरवाजे पर बैठकर सफर कर रहा था। तेज रफ्तार से ट्रेन प्लेटफार्म पर जैसे ही आई तभी रेलवे प्लेटफार्म और ट्रेन के बीच में युवक का पैर फंस गया। झटके से वह असंतुलित होकर नीचे गिर गया जिससे, उसके दोनों पैर कट गए। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत उसे रामनगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। डॉक्टर डी. एस. आर्य ने प्राथमिक उपचार के बाद घायल को बेहतर इलाज के लिए बेतिया के GMCH अस्पताल रेफर कर दिया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल बोले-नरेंद्र मोदी के हनुमान है चिराग पासवान

बिहार। भारतीय जनता पार्टी की ओर से बेतिया में शनिवार को विस्तृत जिला कार्य समिति की बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल शामिल हुए। इन्होंने कहा कि आगामी चुनाव नीतीश कुमार के अगुवाई में बीजेपी लड़ेगी। दो तिहाई बहुमत हासिल करेगी। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि चिराग पासवान एनडीए के हनुमान है, जो विपक्ष की लंका को जलाएंगे। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष के साथ केंद्रीय कोयला एवं खनन राज्य मंत्री सतिश चंद्र दुबे, बिहार सरकार के अनुसूचित जाति जनजाति कल्याण मंत्री जनक चमार, पशुपालन और मत्स्य मंत्री रेणु देवी व पश्चिम चंपारण के सांसद डॉक्टर संजय जायसवाल, चनपटिया विधायक उमाकांत सिंह, नौतन विधायक नारायण प्रसाद, नरकटियागंज विधायक रश्मि वर्मा, लौरिया विधायक विनय बिहारी शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने की। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष को भाजपा कार्यकताओं ने चांदी के मुकुट और फुल माला पहनकर स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं को अगले चुनाव के लिए अभी से लग जाने की हुंकार भरी।

पटना में ऑनर किलिंग, भाई बोला-आपत्तिजनक हालत में थे; बहन को नहीं मारा, उसने जहर खाया

पटना। में ऑनर किलिंग में गुरुवार को एक प्रेमी जोड़े की हत्या की गई। लड़की का शव मकान के फर्स्ट फ्लोर पर मिला है, जबकि उसके प्रेमी का सेकंड फ्लोर पर। हत्या लड़की के भाई विशाल यादव(22) ने ही की थी। पुलिस ने आरोपी भाई को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में विशाल ने बताया कि उसकी बहन प्रतिमा रानी(18) और उसके प्रेमी अवनीश कुमार उर्फ रौशन(22) दोनों रिश्ते में चाचा-भतीजी लगते थे। विशाल ने पुलिस की पूछताछ में कबूल किया है कि अवनीश को उसी ने मारा है। हालांकि, उसने अपनी बहन की हत्या से इनकार किया है। विशाल का कहना है कि उसने अपनी बहन की हत्या नहीं की है। पकड़े जाने के बाद भाई ने प्रतिमा को सिर्फ दो-तीन थप्पड़ लगाए थे। जिसके बाद उसने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। विशाल के मुताबिक दोनों का काफी समय से अफेयर चल रहा था। गुरुवार रात भाई ने दोनों को घर के पास एक खंडरनुमा मकान में आपत्तिजनक हालत में एक साथ देख लिया था। जिसके बाद अवनीश के साथ उसकी मारपीट हुई। इसी क्रम में उसने बहन के प्रेमी के सिर पर एक शीशे की बोतल मार दी। जिससे उसकी मौत हो गई। पूछताछ में विशाल ने बताया, दोनों पहले भी कई मिलते रहे हैं। कई बार दोनों को न मिलने की चेतावनी भी दी, लेकिन दोनों नहीं माने। पड़ोस में रहने के कारण हमारी घरवालों की बदनामी हो रही थी। इसी बीच दोनों की एक खंडहरनुमा मकान में मिलने की जानकारी मिली। जब मैं खंडहरनुमा मकान में पहुंचा तो देखा कि उसकी बहन और अवनीश वहां आपत्तिजनक हालत में थे। जब मैंने इसका विरोध किया तो अवनीश ने हाथापाई शुरू कर दी। वहीं एक बोतल पड़ी थी। मैंने वो बोतल फोड़कर अवनीश के सिर पर पर मार दिया। जिसके बाद उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया।' विशाल ने बताया कि मैंने अपनी बहन को सिर्फ दो-तीन थप्पड़ मारे थे। जिसके बाद उसने घर जाकर जहर खा लिया। जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक,अवनीश की बेरहमी से हत्या की गई है। बॉडी पर चाकू और बोतल से वार किया गया था। युवती के शरीर पर किसी चोट के निशान नहीं थे। वहीं, दानापुर डीएसपी पंकज मिश्रा ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा। मृतक युवक के पिता हरिशंकर यादव ने गुरुवार को बिहटा थाने में बेटे के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पिता ने बताया कि अवनीश ने बीटेक किया था। उसने कुछ दिन प्रेमिका को ट्यूशन भी पढ़ाया था। इसी दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ी थी। दोनों का घर आसपास ही है। अवनीश की टाटा कंपनी में नौकरी लगी थी। शनिवार को जॉइनिंग के लिए उसे पुणे जाना था। प्रतिमा और अवनीश के बीच पिछले एक साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। प्रतिमा ग्रेजुएशन फर्स्ट ईयर की छात्रा थी। प्रतिमा के पिता का निधन पांच साल पहले हो चुका है। प्रेम प्रसंग को लेकर डेढ़ वर्ष पूर्व दोनों के परिवार में विवाद भी हुआ था।

ईरी मॉथ : यह है दुनिया का सबसे बड़ा पतंगा

ब्राजील में पाए जाने वाले इस पतंगे को दुनिया में सबसे बड़े कीट का दर्जा प्राप्त है। इसे ईरी मॉथ, ग्रेट ऑवलेट माथ, घोस्ट मॉथ, वाइट व्हिच, ग्रेट ग्रे विच जैसे विभिन्न नामों से जाना जाता है। पतंगों की दुनिया में इसके पंख सबसे लंबे होते हैं, जिनक आकार 30 सेंटीमीटर तक होता है। हालांकि हरक्यूलिस माथ और एटलस माथ के पंखों का क्षेत्रफल ज्यादा होता है।

जीवन सिर्फ दो हफ्तों का

इसके पंखों पर बने विशिष्ट आकार के पैटर्न इसे ट्रॉपिकल जंगलों में पेड़ों के बीच छिपने में मदद करते हैं। यह इतना बड़ा पतंगा भी शिकारियों की नजर से बचा रहता है। इसके इसी छद्मावरण के कारण इसे देखना बड़ा मुश्किल होता है। पंखों का रंग क्रीमी वाइट या हल्का भूरा होता है, जिन पर कई बादामी और काली धारियां जिगजैग पैटर्न बनाती हैं। नर में ये पैटर्न ज्यादा स्पष्ट होते हैं। उनका जीवन काल एक-दो सप्ताह तक ही होता है।

पेड़ों की पत्तियों पर देती है अंडे

इनकी मादाएं रबर के पेड़ और केसिया जैसे पेड़ों की पत्तियों पर अपने अंडे देती हैं, जिनसे निकलने वाले लार्वा इन्हीं की पत्तियों को खाकर बड़े होते हैं। ये युवा बन प्यूपा बनाते हैं। ये पतंगे ऊरग्वे से लेकर मेक्सिको और कभी-कभी टैक्सास तक पहुंच जाते हैं।

सांस्कृतिक मान्यताएं

दक्षिण अमेरिका की कई संस्कृतियों में यह मान्यता है कि यह पतंगे छिपी हुई अदृश्य दुनिया के संदेशवाहक हैं। वहां के लोगों का मानना है कि मृत लोगों की आत्माओं को ये अपने विशाल पंखों पर धारण करती है।

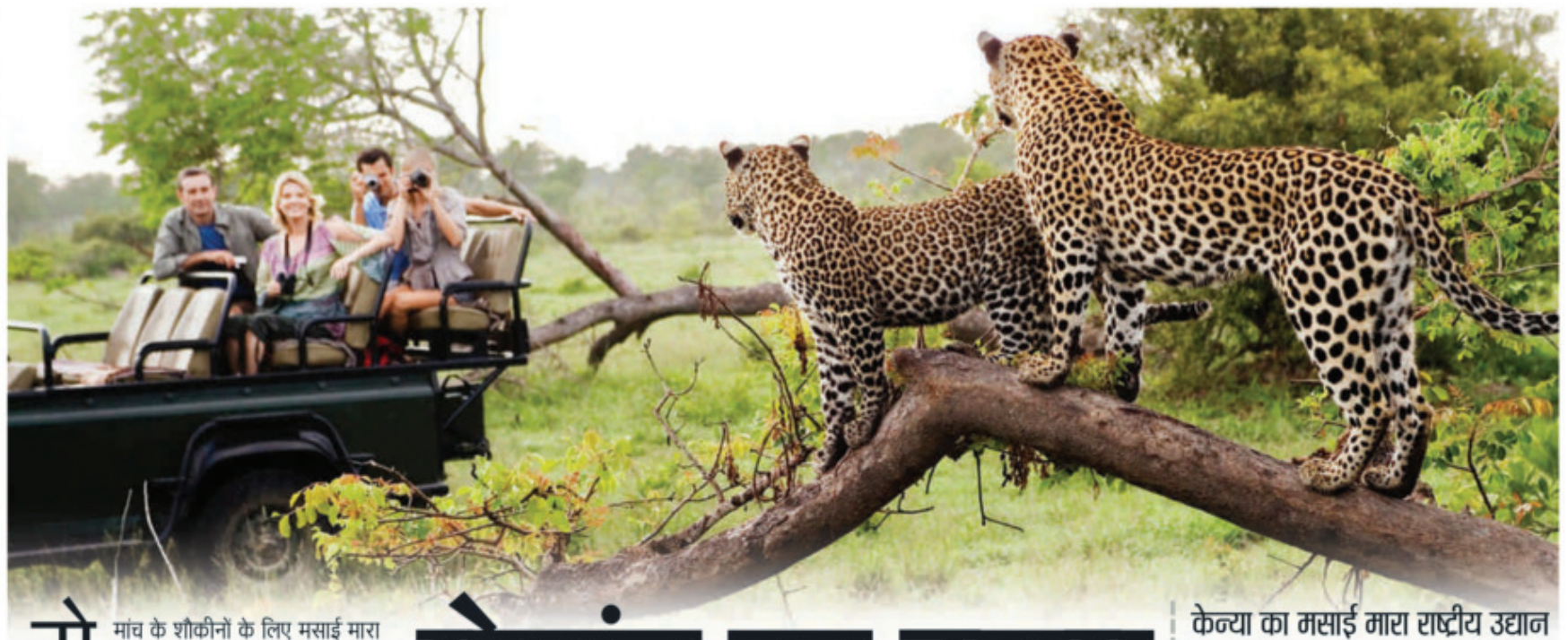

रोमांच का दूसरा नाम मसाई मारा

रोमांच के शौकीनों के लिए मसाई मारा किसी स्वर्ग से कम नहीं है। सुबह सूरज की पहली किरणों के साथ अफ्रीका के कुछ सर्वाधिक खूबसूरत नजारे मसाई मारा में नजर आने लगते हैं। पर्यटन केन्या की आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत है जिसके बाद फूलों, कॉफी तथा चाय के निर्यात से होने वाली आय है। इकेन्या में पर्यटन उद्योग हाल के दिनों में एक बार फिर अपने पैरों पर खड़ा होने लगा है, जब 2008 में केन्या में मची उथल-पुथल तथा खून-खराबे ने यहां सफारी पर्यटन को भारी नुक्सान पहुंचाया था।

पहली बार मसाई मारा आने वाले लोग इसके अनोखेपन से अभिभूत हुए बिना नहीं रह पाते हैं। करीब स्थित तंजानिया के सैरेंगेटी से बेशक ग्नू (हिरण की प्रजाति के जानवर) के झुंड इन दिनों यहां नहीं पहुंच रहे हों, फिर भी यह राष्ट्रीय उद्यान अनेक जानवरों की तस्वीरों से भरी किसी सुंदर पुस्तक जैसा प्रतीत होता है। जो लोग यहां करीब 30 साल पहले आ चुके हैं, वे याद कर सकते हैं कि तब यहां पहुंचने के लिए राजधानी नैरोबी से कार में 250 किलोमीटर का सफर तय करके पहुंचना पड़ता था परंतु अब सीधे हवाई जहाज में यहां पहुंचा जा सकता है।

पहले की तुलना में वे यहां कई अंतर देख सकते हैं। मसाई मारा तक जाने वाले रास्ते के दोनों तरफ अब बाड़ों में घिरे गेहूं के खेत तथा पालतु पशुओं के झुंड दिखाई देते हैं। अब यहां पहले की तुलना में जानवर भी कहीं कम हैं। केन्या में बढ़ती जनसंख्या का दबाव अब जंगलों तक पहुंच चुका है। 1980 से अब तक केन्या की जनसंख्या 150 प्रतिशत बढ़ कर 4 करोड़ 10 लाख तक पहुंच चुकी है। लोगों को रहने के लिए स्थान भी चाहिए और भोजन भी, जिसका विपरीत असर जंगलों और उनमें रहने वाले जीवों पर साफ नजर आता है। केन्या के जंगलों में खूब सारे जानवर हैं तो कुछ शिकारी भी हैं परंतु अभी यहां जानवरों का शिकार नियंत्रण में है। वैसे भी मसाई लड़ाके (मूल निवासी या यहां रहने वाले आदिवासी) प्राचीन काल से भाले से शेर का शिकार करके अपनी मर्दानगी साबित करते आए हैं। केन्या की जैव विविधता पर नजर रखने वाले कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि मसाई मारा राष्ट्रीय उद्यान में गैर-कानूनी रूप से चरने वाले पशुओं की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है। 1977 से अब तक यह संख्या 10 गुणा बढ़ चुकी है। दूसरी तरफ वन्य जीवों की संख्या में दो-तिहाई कमी आई है। इस संबंध में जारी पहले दीर्घकालीन अध्ययन के नतीजों पर कई लोगों ने आपत्ति भी जाहिर की है परंतु जानकारों का कहना है कि नतीजों में दिख रहे नकारात्मक रुझानों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है और पिछले 35 सालों के दौरान सम्पूर्ण मसाई क्षेत्र में जंगली जानवरों की संख्या में 80 प्रतिशत तक कमी आई है। काफी सारा जंगली इलाका किसानों को पशु चराने तथा खेती के लिए सौंप दिया गया है। वे जंगल जिनमें मूल मसाई लोग खेती किया करते थे तथा जो उनके संरक्षण में रहते थे, अब तेजी से काटे जा रहे हैं। केन्या के जंगलों के समक्ष इन चुनौतियों तथा चिंताओं के बावजूद भी मसाई मारा की यात्रा एक अविस्मरणीय अनुभव बन जाती है। जंगल में रात गुजारने के लिए अनेक बंदोबस्त हैं परंतु उनमें से अधिकतर काफी महंगे हैं। वहां लॉज तथा तम्बू भी मिल जाते हैं और वे भी विभिन्न तरह के। यहां पर्यटकों के लिए कई कैम्प लगे रहते हैं। ऐसे ही एक मारा बुश कैम्प में हर तम्बू में एक काऊबैल लगाई गई है ताकि किसी जानवर के करीब आने पर अलार्म बज जाए क्योंकि इस कैम्प के चारों ओर कोई बाड़ नहीं लगी है। इससे पहले कि आप यहां किसी रेस्तरां या कैम्प फायर तक जाने के लिए निकलें, अपने साथ भाले से लैस किसी स्थानीय मसाई लड़ाके को ले जाना न भूलें।

केन्या का मसाई मारा राष्ट्रीय उद्यान जैव विविधता तथा तरह-तरह के जीव-जंतुओं के लिए दुनिया भर में मशहूर है। रोमांचक अनुभवों का शौक रखने वाले पर्यटक यहां तम्बुओं में रात बिताते हैं। रात में करीब ही लक्कड़बग्घों के गुर्राने की आवाजें सुनाई पड़ती हैं तो दरियाई घोड़े तम्बुओं को सूंघ कर आगे बढ़ जाते हैं। कहीं न कहीं से रह-रह कर शेर की दहाड़ भी कानों में पड़ती रहती है। इस जंगल में हाथियों, जंगली भैंसों तथा चीतों की भी कोई कमी नहीं है।

जमीन पर रेंग कर चलने वाली पर्च मछली

'मछली जल की रानी है, जीवन उसका पानी है,हाथ लगाओ डर जाएगी, बाहर निकालो मर जाएगी' मछलियों के बारे में भले ही आपने बचपन से ही ये बातें सुनी हों अर्थात यह कहा जाता रहा है कि बिना जल के मछली के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती लेकिन 'पर्च' नामक मछली की एक प्रजाति ऐसी भी है, जो न सिर्फ पानी से बाहर भी 12 घंटे तक जीवित रह सकती है बल्कि जमीन पर रेंग कर चल भी सकती है। अन्य प्रकार की मछलियों को पक्षी भले ही न छोड़ें पर पर्च मछली को पक्षी नहीं खाते।

कारण है पर्च में पाए जाने वाले कांटे। आपको यह जानकर भी बड़ी हैरानी होगी कि इस मछली को सबसे पहले किसी जलस्रोत में नहीं बल्कि खजूर के एक पेड़ पर देखा गया था, यही वजह है कि इसे 'आरोही' मछली भी कहा जाता है। पूरे भारतीय प्रायद्वीप में पाई जाने वाली पर्च मछली ताजे पानी की मछली है जो हमेशा एक बेहतर घर की तलाश में रहती है। इसके शरीर में एक विशेष अंग होता है जिसके जरिए यह पानी के बाहर भी सांस ले पाती है। इसके गलफड़े अच्छी तरह विकसित नहीं होते। यही वजह है कि इसे सांस लेने के लिए बार-बार पानी की सतह पर आना पड़ता है। यदि पानी स्थिर हो जाए या फिर ज्यादा दूषित हो जाए तो यह पानी से बाहर आकर नए घर की तलाश शुरू कर देती है। पानी से बाहर यह करीब 12 घंटे तक जीवित रह सकती है, बशर्ते कि इसके गलफड़े तब तक गीले रहें। पानी से बाहर सांस लेने की अपनी अद्भुत क्षमता के कारण ही यह मछली वापस अपना रास्ता खोज लेती है।

हवाओं का सबसे खतरनाक स्वरूप हरीकेन या टायफून

किसी न्यूज चैनल पर या मूवी में जब हवाओं का एक स्पिन करता हुआ गोला तेजी से पेड़, कार, जानवरों सबको खाते हुए दिखता है तो लगता है जैसे प्रकृति गुस्से से लाल-पीली नहीं बल्कि काली और भूरी हो रही है। हवा और पानी के रौद्र रूप का ये भी एक उदाहरण है। ये वो तूफान हैं जो अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को तोड़-मरोड़ कर खत्म कर देते हैं। इन तूफानों के समय हवा की रफ्तार 150 मील प्रति घंटा और इससे कहीं ज्यादा तक हो सकती है। जानो इन खास तूफानी रूपों के बारे में और समझो इनके पीछे का विज्ञान।

किसी चैनल पर या मूवी तुमने भी हवाओं का एक स्पिन करता हुआ गोला तेजी से पेड़, कार, जानवरों सबको खाते हुए देखा होगा। इन्हें तुमने कई बार डिस्कवरी चैनल पर या किसी हॉलीवुड मूवी में भी देखा होगा। जमीन के साथ-साथ ये तूफानी बादलों की सतह से भी जुड़े हुए मालूम होते हैं। टॉरनेडो के अलावा इसे सायक्लोन या ट्विस्टर भी कहा जाता है। ये सारी चीजों को ट्विस्ट करता हुआ जो उठता है। दूर से देखो तो ऐसा लगता है मानो बादल से किसी ने एक बड़े से कपड़े को जमीन पर खड़े किसी हाथ में में पकड़ा दिया हो और बादल और जमीन दोनों मिलकर उस कपड़े को निचोड़ रहे हों। वहीं सायक्लोन नाम का उपयोग मेटरोलॉजी यानी मौसम विज्ञान में ज्यादा बड़े तूफान के मामले में किया जाता है। हिंदी में ये चक्रवात या बवंडर कहलाते हैं। यूं टॉरनेडो नाम स्पेनिश शब्द 'ट्रोनाडा'' से बना है जिसका मतलब है 'थंडरस्ट्रॉम।'' टॉरनेडो अलग-अलग साइज के हो सकते हैं पर इनका आकार तुम्हारी कैमेस्ट्री लैब में मौजूद फनल के जैसा होता है। जमीन की तरफ से संकरा और आसमान की ओर खुला हुआ। ये धूल का बड़ा सा गुबार होते हैं। सायक्लोन उन जगहों पर ज्यादा पैदा होते हैं जो जगहें इक्वेटर से पास हैं और ध्रुवों की तरफ यानी इक्वेटर से दूर जगहों पर ये कम पाए जाते हैं।

हमारे देश में ये बंगाल की खाड़ी के पास वाले इलाकों में ज्यादा दिखाई देते हैं। वैसे अंटार्कटिका के अलावा ये लगभग हर कॉन्टिनेंट में मिलते हैं। इनकी सबसे ज्यादा संख्या पाई जाती है अमेरिका के 'टॉरनेडो ऐली'' रीजन में। वैसे उत्तरी अमेरिका में इनका होना बहुत आम है। इनके आने का पता लगाने के लिए 'पल्स डॉप्लर राडार'' की मदद ली जाती है और इन्हें नापने के लिए कई तरह की फ्यूजिटा या टॉरो जैसी स्केल्स का उपयोग किया जाता है।

सामान्यतः किसी एक तूफान से एक से ज्यादा टॉरनेडो भी पैदा हो सकते हैं। ऐसे में इन्हें टॉरनेडो फैमेली भी कहा जाता है। यही नहीं जिस जगह टॉरनेडो बन रहे हैं उस जगह के नेचर के हिसाब से इनका रंग भी अलग-अलग हो सकता है। जैसे पानी के ऊपर उठने वाले टॉरनेडो सफेद या नीले हो सकते हैं तो कभी मिट्टी पर उठने के कारण ये लाल रंग के भी हो सकते हैं। है यह भी चक्रवात या सायक्लोन का ही एक रूप लेकिन इसका रिजल्ट भारी बारिश और बाढ़ वाले तूफान के रूप में दिखाई देता है। यानी ये पानी का खतरनाक रूप हैं। इन्हें भी तुमने कई हॉलीवुड मूवीज में देखा होगा। ये ट्रॉपिकल सायक्लोन कहलाते हैं जो कि मैक्सिको की खाड़ी, कैरेबियन सी, पूर्वी प्रशांत महासागर यानी ईस्टर्न पेसिफिक ओशियन तथा दक्षिणी अटलांटिक ओशियन जैसी जगहों पर जन्म लेते हैं। समुद्र की सतह पर मौजूद भाप से ये एनर्जी पाते हैं। इससे ही फिर भयानक बारिश वाले बादल आकार लेते हैं। इन्हें हरीकेन और टायफून के अलावा ट्रॉपिकल स्टॉर्म, ट्रॉपिकल डिप्रेशन आदि नामों से भी जाना जाता है। खास बात यह कि जमीन पर आने के बाद ये कमजोर पड़ जाते हैं क्योंकि उस समय ये अपने एनर्जी के सोर्स से यानी समुद्र की सतह से अलग होने लगते हैं। इनके बनते समय हवा पानी की सतह से ऊपर उठने की बजाय पानी के भीतर जाकर गोल, घुमावदार रूप ले लेती है।

इससे पानी पर एक खाली जगह बन जाती है जिसे 'आई'' यानी आंख कहा जाता है। दुनियाभर में ये तूफान आमतौर पर गरमी के मौसम के विदा लेते समय पैदा होते हैं जब समुद्र की सतह का तापमान सबसे ज्यादा होता है और भाप तेजी से बनती है। हालांकि, इसके अलावा भी अलग-अलग जगह इनका अलग सीजन हो सकता है। जमीन पर मौजूद डॉप्लर वेदर राडार के अलावा वेदर सैटेलाइट के जरिए भी इनके आने की सूचना मिल सकती है।

इनका टायफून नाम अरबी भाषा के 'तूफान'' शब्द से लिया गया है जिसे हिंदी और उर्दू में भी उपयोग में लाया जाता है। तूफान शब्द असल में ग्रीक मायथोलॉजी में तूफान के एक राक्षस 'टायफोन'' से भी जुड़ता है। वहीं हरीकेन शब्द स्पेनिश भाषा से आया है और तूफानों के देवता 'हुराकान'' को दर्शाता है। सबसे मजेदार बात यह है कि इन तूफानों की पहचान के लिए इनको बकायदा नाम दिए जाते हैं।

बडोनी ने टी20 की एक पारी में सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा, आर्य ने एक ओवर में छह छक्के लगाए

पेरिस (एजेंसी)। आयुष बडोनी (165) ने 19 छक्कों के साथ किसी टी20 पारी का नया रिकॉर्ड कायम किया तो वहीं प्रियांश आर्य (120) ने एक ओवर में छह छक्के लगाए जिससे साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में शनिवार को नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के खिलाफ पांच विकेट पर 308 रन बनाये। यह टी20 मैच का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है।

भारतीय अंडर-19 टीम के खिलाड़ी आर्य ने साउथ दिल्ली की पारी के 12वें ओवर में छह छक्के लगाये लेकिन बडोनी ने उनसे ज्यादा आक्रामक बल्लेबाजी की। इंडियन प्रीमियर लीग में लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए खेलने वाले बडोनी ने 19 छक्के जड़े जो टी20 क्रिकेट का नया रिकॉर्ड है। दायें हाथ के इस बल्लेबाज ने अपनी 55 गेंद की पारी में आठ चौके भी लगाये।

टी20 मैच की किसी पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड इससे पहले संयुक्त रूप से वेस्टइंडीज के क्रिस गेल और एस्टोनिया के साहिल चौहान के नाम था। दोनों बल्लेबाजों ने एक समान 18 छक्के लगाये थे। गेल ने बांग्लादेश प्रीमियर लीग के 2017 सत्र में ढाका डायनामाइट्स के खिलाफ रंगपुर राइडर्स के लिए 69 गेंदों में 146 रन की पारी में पांच चौकों के साथ 18 छक्के लगाए थे जबकि भारतीय मूल के चौहान ने इस साल जून में एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में साइप्रस के खिलाफ एस्टोनिया के लिए 41 गेंदों में 144 रन की पारी के दौरान 18 छक्के लगाए थे।

वामहस्त बल्लेबाज आर्य ने महज 40 गेंद में अपना शतक पूरा किया। उन्होंने अपनी 50 गेंद की पारी में 10 छक्के और इतने ही छक्के जड़े। उन्होंने इस दौरान मनन भारद्वाज के ओवर में छह छक्के लगाये। बडोनी और आर्य ने दूसरे विकेट के लिए 286 रन की साझेदारी कर टी20 क्रिकेट का नया रिकॉर्ड कायम किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड जापान की लाचलान यामामोटो-लेक और केंडेल काडोवाकी-फ्लेमिंग की सलामी जोड़ी के नाम था, जिन्होंने इस साल फरवरी में चीन के खिलाफ पहले विकेट के लिए 258 रन जोड़े थे। साउथ दिल्ली ने पांच विकेट पर 308 रन बनाये जो 2023 में एशियाई खेलों की पुरुष प्रतियोगिता में मंगोलिया के खिलाफ नेपाल द्वारा 20 ओवर में बनाए गए तीन विकेट पर 314 रन से महज छह रन कम है।

निशानेबाजी में भारत को चौथा पदक, रूबिना फ्रांसिस ने जीता ब्रॉन्ज

शेटराउ (फ्रांस) (एजेंसी)। भारत की रूबिना फ्रांसिस ने शनिवार को यहां पेरिस पैरालंपिक में महिलाओं की एयर पिस्टल एसएच1 स्पर्धा के फाइनल में कांस्य पदक जीता जिससे देश के निशानेबाजों का मजबूत प्रदर्शन जारी रहा। रूबिना ने कुल 211.1 अंक हासिल कर आठ महिलाओं के फाइनल में तीसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने क्वालीफिकेशन राउंड में सातवें स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। पेरिस पैरालंपिक में यह भारत का निशानेबाजी में चौथा और कुल मिलाकर 5वां पदक था। शुक्रवार को अवनि लेखरा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए इतिहास रच दिया था। उन्होंने तोक्यो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीता था। मोना अग्रवाल ने इसी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। मनीष नरवाल ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल (एसएच1) में रजत पदक जीता।

क्या है एसएच1 वर्ग

इस वर्ग में वो पैरा निशानेबाज हिस्सा लेते हैं जो बिना किसी परेशानी के पिस्टल संभालते हुए व्हीलचेयर या चेयर पर बैठकर या खड़े होकर निशाना लगा सकते हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर हरभजन सिंह की दो टूक, जानें भारतीय टीम के पाकिस्तान जानें पर क्या कहा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले साल मार्च में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन किया जाएगा। वहीं चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान के पास है, हालांकि टीम इंडिया टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए पाकिस्तान जाएगी या नहीं इस पर अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। बीसीसीआई साफ कह चुका है कि भआरतीय खिलाड़ियों के पाकिस्तान जाने पर फैसला सरकार करेगी।

वहीं, भारत के पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने इस पूरे मामले पर बेबाक तरीके से अपनी राय रखी है। भज्जी का कहना है कि जब तक सुरक्षा चिंताएं दूर न हों तब तक भारतीय खिलाड़ियों को पाकिस्तान बिलकुल नहीं जाना चाहिए। हरभजन ने स्पोर्ट्स तक से कहा कि, सुरक्षा को लेकर चिंताएं वहां रही हैं। अगर वहां खिलाड़ियों की सिक्योरिटी नहीं होगी तो मुझे नहीं लगता कि जाना चाहिए। अगर वे कहते हैं कि टीमों को फुल सिक्योरिटी दी जाएगी और कोई दिक्कत नहीं है तो फिर जो सरकार सोचे वो ठीक है। दरअसल, ये सिर्फ क्रिकेट तक ही सीमित नहीं है। ये उसके पार है। मैं बतौर क्रिकेटर यही कह सकता हूं कि क्रिकेट

खेलना है, खेलिए लेकिन वहां सुरक्षा को लेकर चिंता तो है। हमारे खिलाड़ियों को तब तक वहां नहीं जाना चाहिए, जब तक हमें लगे नहीं कि सिक्योरिटी बिलकुल सही है।

लाहौर में निर्धारित हैं भारत के मैच

बीसीसीआई हमेशा से कहता रहा है कि पाकिस्तान में क्रिकेट खेलना पूरी तरह से सरकार का फैसला है। भारतीय टीम एशिया कप 2023 खेलने के लिए भी पाकिस्तान नहीं गई थी। तब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की मेजबानी में एशिया कप हाइब्रिड मॉडल के आधार पर आयोजित हुआ था। भारत ने अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले थे। चैंपियंस ट्रॉफी के ड्राफ्ट शेड्यूल के अनुसार संभावित सेमीफाइनल और फाइनल सहित भारत के सभी मैच लाहौर में निर्धारित किए गए हैं।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में यशस्वी पर ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को लगाना होगा अंकुश : बुकानन

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व मुख्य कोच जॉन बुकानन ने भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल की जमकर प्रशंसा की है। बुकानन के अनुसार यशस्वी एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं और ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के लिए बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में उनपर अंकुश लगाना आसान नहीं होगा। इस पूर्व कोच के अनुसार अगर यशस्वी अपनी लय में रहे तो हमारे लिए सीरीज पर कब्जा करना कठिन रहेगा। साथ ही कहा कि अगर उनका बल्ला चला तो भारतीय टीम का सीरीज में पलड़ा भारी हो जाएगा। पूर्व कोच के अनुसार इस युवा भारतीय बल्लेबाज को खेलते हुए देखना रोमांचक होता है। उसने हालांकि अब तक ऑस्ट्रेलियाई मैदानों पर नहीं खेला है।

यशस्वी के नाम अभी 9 टेस्ट मैचों में 1028 रन हैं जिसमें तीन शतक शामिल हैं। उनका 5 दिवसीय क्रिकेट में 68.53 का औसत है। वह दो दोहरे शतक और चार अर्धशतक लगा चुके हैं। इस बल्लेबाज ने इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। इंग्लैंड के भारत दौरे में इस बल्लेबाज ने 5 मैचों और 9 पारियों में 79.91 की स्ट्राइक रेट से 712 रन बनाकर सीरीज में सबसे अधिक रन बनाये थे, इसमें दो दोहरे शतक और तीन अर्द्धशतक शामिल थे।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सीरीज 22 नवंबर से पर्थ में पहले टेस्ट के साथ शुरू होगी। वहीं एडिलेड ओवल में 6 से 10 दिसंबर तक होने वाला दूसरा टेस्ट दिन-रात प्रारूप में खेला जाएगा। इसके बाद, प्रशंसकों का ध्यान तीसरे टेस्ट के लिए ब्रिस्बेन के गाबा पर होगा, जो 14 से 18 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। मेलबर्न के मशहूर मेलबर्न क्रिकेट मैदान में 26 से 30 दिसंबर के बीच पारंपरिक बॉक्सिंग डे टेस्ट होगा। वहीं 3 से 7 जनवरी तक सिडनी क्रिकेट मैदान में 5वां और अंतिम टेस्ट खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गरजेगा समित द्रविड का बल्ला

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व कोच राहुल द्रविड के बेटे समित द्रविड एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं। उन्होंने भारतीय क्रिकेट की अंडर 19 टीम में अपनी जगह बनाते हुए एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल किया है। बीसीसीआई ने समित को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली घरेलू श्रृखला के लिए भारत की अंडर-19 टीम में शामिल किया है। 18 वर्षीय ऑलराउंडर समित द्रविड़ हाल ही में हुए महाराजा टी20 केएससीए टूर्नामेंट में सुर्खियों में थे, जहां उन्होंने मैसूर वॉरियर्स की ओर से खेलते हुए एक शानदार छक्का लगाया। हालांकि, हाल ही में समाप्त हुई महाराजा टी20 ट्रॉफी में मैसूरू वॉरियर्स के लिए उनका प्रदर्शन औसत रहा, लेकिन उन्होंने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया, जिससे चयनकर्ताओं का ध्यान उन पर गया। समित ने सात मैचों में 82 रन बनाए, जिसमें गुलबर्गा मिस्टिक्स के खिलाफ 33 रन उनका सर्वोच्च स्कोर था। इस प्रदर्शन ने उन्हें टूर्नामेंट में ज्यादा सफलता नहीं दिलाई, लेकिन उनकी क्षमता और संभावनाओं को देखते हुए उन्हें अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है। पिछले कुछ समय में समित ने घरेलू अंडर-19 टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन किया है। वीनू मांकड़ ट्रॉफी में उन्होंने चार पारियों में 122 रन बनाए, जबकि कूच बिहार ट्रॉफी में 362 रन और 16 विकेट लेकर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। अब समित ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ 21, 23 और 26 सितंबर को पुडुचेरी में तीन एकदिवसीय मैच खेलेंगे, इसके बाद चेन्नई में दो चार दिवसीय मैच होंगे। क्रिकेट प्रेमियों को उम्मीद है कि समित अपने पिता की तरह भारतीय क्रिकेट में एक महत्वपूर्ण और भरोसेमंद खिलाड़ी के रूप में उभरेंगे।

एकदिवसीय श्रृंखला के लिए भारत की अंडर-19 टीम के इस प्रकार हैं - मोहम्मद अमान (कप्तान), रुद्र पटेल (उप-कप्तान), साहिल पारख, कार्तिकेय केपी, किरण चोरमाले, अभिज्ञान कुंडू, (विकेटकीपर), हरवंश सिंह पंगलिया (विकेटकीपर), समित द्रविड़, युधाजीत गुहा, समर्थ एन, निखिल कुमार, चेतन शर्मा, हार्दिक राज, रोहित राजावत, मोहम्मद एनान।

लॉर्ड्स के बॉस बने जो रूट, 34वां शतक जड़ा, गावस्कर का रिकॉर्ड बराबर

खेल डैस्क । इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट ने आखिरकार लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान ही सुनील गावस्कर के 34 शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। रूट ने पहली पारी में भी 143 रन बनाए थे और टीम का स्कोर 427 तक पहुंचाया था। जवाब में श्रीलंका की टीम जब 196 पर ऑलआऊट हो गई तो इंग्लैंड ने दूसरी पारी में भी मजबूत शुरूआत की। रूट ने इंग्लैंड के बल्लेबाजों के साथ छोटी छोटी साझेदारियां की और 53वें ओवर में अपने शतक तक पहुंच गए। अब वह इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले प्लेयर भी बन गए हैं। देखें उनके द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड-

लॉर्ड्स के किंग बने

क्रिकेट जगत के ऐतिहासिक मैदान लॉर्ड्स में रूट सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले प्लेयर भी बन गए हैं। श्रीलंका के खिलाफ दूसरी पारी में लगाया गया शतक उनका लॉर्ड्स में सातवां शतक रहा। इससे पहले ग्राहम गूम और माइनल वॉन भी यहां 6-6 शतक लगा चुके हैं।

लॉर्ड्स में एक टेस्ट की दोनों पारियों में शतक

106 और 107 - जॉर्ज हेडली (वेस्टइंडीज) बनाम इंग्लैंड, 1939

333 और 123 - ग्राहम गूच (इंग्लैंड) बनाम भारत, 1990

103 और 101* - माइकल वॉन (इंग्लैंड) बनाम वेस्टइंडीज, 2004

143 और 103* - जो रूट (इंग्लैंड) बनाम श्रीलंका, 2024

विराट बनाम जडेजा सबसे बेहतरीन फील्डर कौन ? जोंटी रोड्स ने इसे चुना

खेल डैस्क (एजेंसी)। 90 के दशक में टीम इंडिया सिर्फ 2 ही वजह से ज्यादा चर्चा में रहती थी। एक सचिन तेंदुलकर का निरंतर प्रदर्शन और दूसरा भारतीय क्रिकेटरों की खराब फील्डिंग। लेकिन समय के साथ इसमें भारी बदलाव हुआ है। अब टीम इंडिया के पास ऐसा फील्डिंग यूनिट है जोकि हारा हुआ मैच जिताने का दम रखता है। मौजूदा समय में भारत के पास विराट कोहली और रविंद्र जडेजा जैसे सितारा है जोकि बेहतरीन फील्डर हैं। इसी बीच दक्षिण अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर जोंटी रोड्स ने इन दोनों में सबसे बेस्ट को चुना है। रोड्स ने संवाददाताओं से कहा कि दो खिलाड़ी जिनकी मैंने एक क्षेत्ररक्षक के रूप में हमेशा प्रशंसा की है, वे हैं सुरेश रैना और रवींद्र जड़ेजा। वे दोनों सर्वश्रेष्ठ भारतीय क्षेत्ररक्षक हैं, लेकिन जब मैं आधुनिक क्रिकेट की बात करता हूं, तो सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक

निश्चित रूप से रवींद्र जड़ेजा हैं, जिन्हें आप सभी प्यार से सर जड़ेजा कहते हैं। उन्होंने कहा कि %मैं उन्हें सर्वश्रेष्ठ इसलिए मानता हूं क्योंकि वह किसी भी स्थान पर क्षेत्ररक्षण कर सकते हैं। आप उसे मिड-विकेट, लॉन्ग-ऑन या शॉर्ट कवर पर रख सकते हैं। वह पैरों पर इतना तेज है कि जब गेंद उसके पास जाती है तो बल्लेबाज डर जाता है। इसलिए गेंद को पकड़ने या फेंकने से ज्यादा, क्षेत्ररक्षण में जो बात मायने रखती है वह यह है कि आप गेंद तक कितनी जल्दी पहुंचते हैं। और यहीं पर जडेजा सर्वश्रेष्ठ हैं। जडेजा ने अब तक कुल 72 टेस्ट, 197 वनडे और 74 टी20 मैच खेले हैं। 35 वर्षीय ऑलराउंडर ने 2009 में श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में एक वनडे मैच से टीम इंडिया में पर्दापण किया था। जडेजा उस भारतीय टीम का हिस्सा थे जिसने वेस्टइंडीज और यूएसए में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 जीता था। उन्होंने टूर्नामेंट के सभी आठ मैच खेले और भारत की खिताबी जीत के बाद संन्यास ले लिया। जडेजा अब बांग्लादेश के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए वापसी करने की तैयारी में हैं। उक्त सीरीज का पहला मुकाबला 19 सितंबर से चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में तो दूसरा 27 सितंबर को कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में होगा।

श्रीलंका के खिलाफ अगले माह छह दिवसीय टेस्ट खेलेगी न्यूजीलैंड

मुम्बई । आजकल जहां टी20 क्रिकेट की धूम है ओर छोटे प्रारुप की कई लीग दुनिया भर में खेली जा रही हैं। वहीं न्यूजीलैंड की टीम इसके विपरीत छह दिन का टेस्ट मैच खेलने रही है। यह करीब 3 साल में दूसरी बार होगा जब न्यूजीलैंड टीम छह दिवसीय टेस्ट मैच खेलेगी। न्यूजीलैंड टीम ये मैच श्रीलंका के साथ खेलेगी। ये टेस्ट मैच 18 से 23 सितंबर के बीच खेला जाएगा। इसमें चौथे दिन आराम रहेगा। इससे पहले अंतिम बार छह दिवसीय टेस्ट मैच भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला गया था। यह डब्ल्यूटीसी फाइनल 2021 का मुकाबला था। इस मैच में एक अतिरिक्त दिन रखा गया था जिससे मौसम या किसी और कारण से अगर खेल नहीं हो पाये तो भी मैच का परिणाम निकल सके। श्रीलंका और न्यूजीलैंड के बीच इस छह दिवसीय मैच को आयोजित करने का कारण ये है कि श्रीलंका में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने जा रहे हैं और मैच के दौरान चौथे दिन मतदान होना है। इस कारण देश में छुट्टी रहेगी। इसी कारण टेस्ट मैच में भी आराम का दिना होगा। 21 वीं सदी में यह सिर्फ दूसरा मौका होगा जब कोई टेस्ट मैच छह दिन का होगा। इन दो मैचों के अलावा अंतिम बार छह दिवसीय मैच 1993 में श्रीलंका और वेस्टइंडीज के जबकि 1990 में ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच खेला गया था।

शाह के चेयरमैन बनने से भारतीय टीम के चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाक आने की उम्मीद बढ़ी : राशिद लतीफ

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर राशिद लतीफ ने कहा है जय शाह के आईसीसी चेयरमैन बनने के कारण अब भारतीय टीम के आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए पाकिस्तान आने की संभावनाएं काफी बढ़ गयी हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से 9 मार्च के बीच पाकिस्तान में खेली जाएगी पर अभी तक भारतीय टीम के इसमें शामिल होने के लिए पाक जाने की कोई उम्मीद नहीं दिखती है पर राशिद के अनुसार शाह के आईसीसी प्रमुख बनने के बाद भारतीय टीम का पाक पहुंचना पचास फीसदी तय हो गया है।

लतीफ ने कहा कि शाह को आईसीसी चेयरमैन बनाने में पाक की भी सहायता रही है। अगर ऐसा नहीं होता तो वह निर्विरोध नहीं चुने जाते। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि शाह ने अब तक क्रिकेट को आगे बढ़ाने का ही काम किया है। फिर चाहें वह बीसीसीआई के लिए हो या आईसीसी के लिए। शाह आईसीसी चेयरमैन का पद 1 दिसंबर से संभालेंगे। वहीं अब तक कहा गया है कि भारतीय टीम सुरक्षा कारणों चैंपियंस ट्रॉपी के लिए पाकिस्तान का दौरा शायद ही करे। दोनो देशों के बीच राजनितिक तनाव भी इसका एक कारण है। ऐसे में एशिया कप की तरह ही इसमें भी हाइब्रिड मॉडल अपनाने की बात कही गयी है। जिससे भारतीय टीम किसी अन्य देश में अपने मुकाबले खेल सके।

गत चैंपियन नोवाक जोकोविच अमेरिकी ओपन से बाहर, कोको गॉफ अगले दौर में

स्पोर्ट्स डेस्क । कार्लोस अल्कराज के बाहर होने के एक दिन बाद गत चैंपियन नोवाक जोकोविच भी चार सेट तक चले मुकाबले में हारकर अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गए लेकिन महिला वर्ग में मौजूदा चैंपियन कोको गॉफ अगले दौर में प्रवेश करने में सफल रही। अपना 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद में लगे जोकोविच को ऑस्ट्रेलिया के 28वीं वरीयता प्राप्त एलेक्सी पोपिरिन ने6-4, 6-4, 2-6, 6-4 से हराया। जोकोविच ने मैच के बाद कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो यह मेरा अभी तक का सबसे खराब प्रदर्शन है। यह मैच मेरे लिए किसी दुस्वप्न की तरह था। मैं अपने सर्वश्रेष्ठ के करीब भी नहीं खेल पाया।''' यह 2017 के बाद पहला अवसर है जबकि दूसरी वरीयता प्राप्त जोकोविच साल में एक भी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट नहीं जीत पाए। इससे पहले 2010 में भी ऐसा हुआ था। यही नहीं यह 2002 के बाद पहला अवसर है जबकि टेनिस के तीन दिग्गज खिलाड़ी जोकोविच, राफेल नडाल और रोजर फेडरर में से किसी ने भी किसी एक साल में ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी हासिल नहीं की। जोकोविच इससे पहले 2005 और 2006 में अमेरिकी ओपन के तीसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाए थे। यह 37 वर्षीय खिलाड़ी 2011, 2015, 2018 और 2023 में यहां चैंपियन बना था। पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले जोकोविच ने 14 बार डबल फॉल्ट किया और वह मैच के दौरान थके हुए नजर आ रहे थे। ऑस्ट्रेलिया के 25 वर्षीय पोपिरिन की जोकोविच के खिलाफ यह पहली जीत है। अब उनका मुकाबला अमेरिका के 20वीं वरीयता प्राप्त फ्रांसिस टियाफो से होगा जिन्होंने हमवतन बेन शेल्टन को 4-6, 7-5, 6-7 (5), 6-4, 6-3 से पराजित किया। महिला वर्ग में पिछली चैंपियन और तीसरी वरीयता प्राप्त कोको गॉफ पहला सेट गंवाने के बावजूद आगे बढ़ने में सफल रही। अमेरिका की इस खिलाड़ी ने 27वीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना को 3-6, 6-3, 6-3 से हराकर अपने खिताब का बचाव करने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। उनका अगला मुकाबला एम्मा नवारो से होगा जिन्होंने तीन सेट तक चले मैच में जीत दर्ज करके अगले दौर में जगह सुरक्षित की। इस 13वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने 19वीं वरीय मार्टा कोस्टयुक पर 6-4, 4-6, 6-3 से जीत दर्ज की। महिला वर्ग में ही आर्यना सबालेंका ने पहला सेट हारने के बाद अच्छी वापसी कीऔर 29वीं वरीयता प्राप्त एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा को 2-6, 6-1, 6-2 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई।

आईपीएल 2025 मेगा नीलामी में ये तीन खिलाड़ी बिक सकते हैं सबसे महंगे, जानें कौन-कौन है लिस्ट में?

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल 2025 का क्रिकेट फैंस को बेसब्री से इंतजार है। लेकिन उससे पहले टूर्नामेंट का मेगा ऑक्शन होना है, जिसमें कई टीमों के स्टार खिलाड़ी दूसरी टीम में शामिल हो सकते हैं। आईपीएल 2024 से पहले हुई मिनी ऑक्शन में मिचेल स्टार्क ने आईपीएल इतिहास का सबसे महंगा खिलाड़ी होने का रिकॉर्ड कायम किया था। स्टार्क को केकेआर ने 24.75 करोड़ रुपये की कीमत में खरीदा था। मेगा ऑक्शन में तीन खिलाड़ी स्टार्क का ये रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं।

रोहित शर्मा

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान और मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को लेकर लगातार चर्चाएं हैं कि फ्रेंचाइजी उन्हें आईपीएल 2025 के लिए रिटेन नहीं करेगी। हालांकि, अब तक रोहित के रिलीज होने की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। अगर रोहित शर्मा को रिलीज कर दिया जाता है और उनका नाम मेगा ऑक्शन में आता है, तो उन्हें खरीदने की होड़ सभी फ्रेंचाइजियों में देखने को मिलेगी। हालांकि, खबरें ये भी हैं कि लखनऊ सुपर जायंट्स रोहित शर्मा पर 50 करोड़ तक की बोली लगा सकती है।

फिल साल्ट

आईपीएल के पिछले सीजन में केकेआर के लिए खेलने वाले फिल सॉल्ट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 12 मैचों में 39.55 की औसत और 182.01 के स्ट्राइक रेट से 435 रन बनाए थे। हालांकि, अभी कोलकाता की तरफ से उन्हें रिलीज करने की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। लेकिन अगर केकेआर आईपीएल 2025 के लिए सॉल्ट को रिटेन नहीं करती है और वह मेगा ऑक्शन में आते हैं, तो संभावना है कि वह टूर्नामेंट में बिकने वाले सबसे महंगे खिलाड़ियों में से एक हो सकते हैं।

सैम कर्रन

इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम कर्रन को पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2023 में 18.50 करोड़ रुपये की कीमत में खरीदा था। इंग्लिश ऑलराउंडर ने कई मौकों पर पंजाब किंग्स की कमान भी संभाली है। ऐसे में पंजाब उन्हें रिलीज करेगी या रिटेन करेगा, इस बारे में तो कुछ नहीं कहा जा सकता है। हां अगर, पंजाब ने उन्हें रिटने नहीं किया तो सैम कर्रन एक बार फिर महंगे बिक सकते हैं।

एक नजर

राष्ट्रीय शिक्षक दिवस पुरस्कार के लिए 50 शिक्षक चयनित

नई दिल्ली : शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने इस वर्ष के राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए 50 शिक्षकों का चयन किया है। इसके अलावा, उच्च शिक्षा विभाग के 16 शिक्षकों और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के 16 शिक्षकों को भी सम्मानित किया जाएगा। इन सभी 82 शिक्षकों को 5 सितंबर को विज्ञान भवन में आयोजित एक समारोह में सम्मानित किया जाएगा। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार चयनित 50 शिक्षक 28 राज्यों, 3 केंद्र शासित प्रदेशों और 6 संगठनों से हैं। इनमें से 34 पुरुष, 16 महिलाएं, 2 दिव्यांग और 1 सीडब्ल्यूएसएन के साथ कार्यरत हैं। कठोर पारदर्शी और ऑनलाइन तीन-चरणीय चयन प्रक्रिया के माध्यम से चुने गए देश के सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों को हर साल 5 सितंबर को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

22 लोगों के साथ उड़ान भरने वाला हेलीकॉप्टर लापता, दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका

मॉस्को : रूस का एमआई-8टी हेलीकॉप्टर शनिवार को उड़ान भरते ही लापता हो गया। हेलीकॉप्टर में तीन क्रू सदस्यों समेत 22 लोग सवार हैं। लापता हेलीकॉप्टर की तलाश चल रही है। हालांकि हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका जताई जा रही है। इस हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने का लंबा इतिहास है। उपलब्ध विवरण के अनुसार, एमआई-8टी हेलीकॉप्टर ने रूस के पूर्वी इलाका स्थित कामाचाटका पेनिसुला के वचकाझेट्स बेस से उड़ान भरी। हेलीकॉप्टर में तीन क्रू सदस्यों समेत कुल 22 लोग सवार थे। तय समय पर हेलीकॉप्टर के गंतव्य तक नहीं पहुंचने पर इसकी तलाश में अभियान शुरू किया गया। दो इंजन वाले इस हेलीकॉप्टर को 1960 में डिजाइन किया गया था। रूस के अलावा कई अन्य देश इस हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल करते हैं।

आरजी कर कांड के विरोध में कोलकाता में रवींद्र भारती विवि के छात्रों का प्रदर्शन

कोलकाता : आरजी कर मेडिकल कालेज व अस्पताल की प्रशिक्षु महिला डॉक्टर से दुष्कर्म व हत्या के विरोध में रवींद्र भारती विश्वविद्यालय के छात्रों और पूर्व छात्रों के प्रदर्शन के दौरान पुलिस की अभद्रता से स्थिति बिगड़ गई। प्रदर्शनकारियों ने आज तड़के चार बजे बीटी रोड जाम कर दिया। डनलप से श्यामबाजार की ओर जाने वाले मार्ग पर सिथी मोड़ पर वाहनों की लंबी कतार लग गई है। हुआ यह कि शुक्रवार रात करीब 11 बजे बीटी रोड का एक हिस्सा बंद कर विरोध प्रदर्शन किया गया। इसके बाद छात्रों ने नुक्कड़ नाटक किया।

उत्तर प्रदेश में कृषि और बागवानी में अवसरों की भरमार : दिनेश प्रताप

एजेंसी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश में कृषि और बागवानी के क्षेत्र में कई नए अवसरों का उदय हो रहा है और राज्य की योगी सरकार किसानों की आय को दोगुना करने के लिए विभिन्न योजनाओं पर काम कर रही है। राज्य के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने शनिवार को भारतीय कृषि एवं खाद्य परिषद द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश राज्य कृषि सम्मेलन 2024 में इन योजनाओं और प्रयासों पर प्रकाश डाला। उद्यान मंत्री ने सम्मेलन में बताया कि आधुनिक कृषि तकनीकों जैसे- ड्रिप इरिगेशन, जैविक खेती, और स्मार्ट खेती के उपयोग से राज्य में कृषि उत्पादन को बेहतर किया जा सकता है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे इन तकनीकों

को अपनाएं ताकि कृषि को अधिक लाभदायक बनाया जा सके। श्री सिंह ने कहा कि यूपी सरकार की विभिन्न लाभकारी योजनाएं किसानों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करेंगी और बढ़ते उत्पादन के माध्यम से उनकी आय में वृद्धि सुनिश्चित करेंगी। मंत्री ने यह भी बताया कि राज्य के कृषि उत्पादों की गुणवत्ता को सुधारने और उन्हें बेहतर तरीके से पैकेजिंग कर निर्यात को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इस कदम से न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी, बल्कि किसानों को भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में उनके उत्पादों के लिए बेहतर कीमत प्राप्त हो सकेगी। उन्होंने फल, फूल, मसाला और सब्जियों की खेती को किसानों की आय में वृद्धि के प्रमुख साधनों के रूप में बताया। दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि राज्य में किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों से जोड़ने और उन्हें जागरूक करने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से किसान नई कृषि पद्धतियों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे और उन्हें अपने खेतों में लागू कर सकेंगे। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि, कृषि क्षेत्र में नवाचार और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना था। सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन के कृषि पर प्रभाव और उससे निपटने के उपायों पर भी विचार-विमर्श किया गया। इसके अलावा, कृषि क्षेत्र में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए बैंकों और वित्तीय संस्थानों की भूमिका पर भी चर्चा हुई। कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण और विपणन के लिए नई रणनीतियों पर भी जोर दिया गया ताकि किसानों को उनके उत्पादों का उचित मूल्य मिल सके। इस अवसर पर गैब्रियल पी. सिनिमनो, हाई कमिश्नर नामीबिया, डॉ. पूनम मालकोंडिया, पूर्व अपर मुख्य सचिव, आंध्र प्रदेश सरकार, डॉ. एम. जे. खान, अध्यक्ष, आई.सी.एफ.ए. भी उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय हमारी सामूहिकता, ज्ञान और संस्कृति के संरक्षक : राज्यपाल

एजेंसी

रायपुर : महामहिम राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज शनिवार को बिलासपुर के अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित 5वां दीक्षांत समारोह में शिरकत की। उन्होंने 64 विषयों में विद्यार्थियो को 92 गोल्ड मेडल तथा 48 को पी.एच.डी. और 35 हजार 291 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश प्रशांत कुमार मिश्रा शामिल हुए। उन्हें भारतीय न्याय व्यवस्था में अमूल्य योगदान पर पी.एच.डी. की मानद उपाधि से विभूषित किया गया। कार्यक्रम में इससे पहले दीक्षांत समारोह शोभायात्रा निकाली गई। दीक्षांत समारोह में अति विशिष्ट

अतिथि के रूप में केन्द्रीय आवास एवं शहरी विकास राज्यमंत्री तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री अरूण साव, राज्य की प्रथम महिला रानी डेका काकोटी शामिल हुई। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक अमर अग्रवाल, धरम लाल कौशिक, धरमजीत सिंह, सुशांत शुक्ला, अटल श्रीवास्तव एवं दिलीप लहरिया शामिल हुए। राज्यपाल और मुख्यमंत्री सहित अन्य अतिथियों ने विश्वविद्यालय की त्रैमासिक पत्रिका कन्हार और मासिक पत्रिका अटल दृष्टि का विमोचन किया। कुलपति आचार्य अरूण दिवाकर नाथ वाजपेयी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि, विश्वविद्यालय हमारी सामूहिकता, ज्ञान और संस्कृति के संरक्षक है। वे ऐसे स्थान है जहां इतिहास संरक्षित किया जाता है। साहित्य का विश्लेषण किया जाता है। आप अपनी पढ़ाई के माध्यम से विचार के विविध क्षेत्रों में जुड़ रहें है मानवता के बारे में आपकी विचार को समृद्ध किया जा रहा है। भारत सरकार की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 दूरदर्शिता का प्रतिनिधित्व करती है। इसका उद्देश्य युवाओं को तेजी से गतिशील दुनिया में आगे बढ़ने के लिए कौशल और ज्ञान से परिपूर्ण करना है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि, प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय को 20 करोड़ का अनुदान प्राप्त हुआ है जो प्रशंसनीय है तथा इससे विश्वविद्यालय की अधोसंरचना का विस्तार होगा और यहां उच्च शिक्षा का स्तर और भी उन्नत होगा।

बीटेक कोर्सों में हिंदी माध्यम से पढ़ने की सुविधा भी रहेगी : नरसी राम बिश्नोई

हिसार : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में चार बीटेक कोर्सों में हिंदी माध्यम से पढ़ने की सुविधा भी रहेगी। इसके लिए इन चारों कोर्सों में 30-30 सीटें अलग से निर्धारित की गई हैं। इन कोर्सों में दाखिले के लिए चार व पांच सितंबर को विश्वविद्यालय में ऑपन काउंसलिंग होगी। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने बताया कि विश्वविद्यालय में बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, बीटेक इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी, बीटेक इलेक्ट्रोनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग तथा बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग के कोर्सों को हिंदी माध्यम से भी पढ़ा जा सकेगा। खास बात यह है कि इन कोर्सों में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों को हिंदी तथा अंग्रेजी दोनों ही माध्यम से पढ़ाया जाएगा। इन विद्यार्थियों के प्रेक्टिकल भी अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के साथ ही प्रयोगशालाओं में होंगे।

देश की आजादी में हमारे पुरखों ने लड़ाई की प्रथम अलख जगाई : डॉ संजय निषाद

एजेंसी

लखनऊ : निर्बल भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उप्र सरकार में मत्स्य विभाग के कैबिनेट मंत्री डॉ संजय निषाद की अध्यक्षता में शनिवार को पार्टी का विमुक्ति दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गांधी भवन प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में अपने सम्बोधन में कहा कि विमुक्ति दिवस को लेकर कहा कि वो गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं कि, उनके पुरखों ने देश को आजाद कराने के लिए आजादी की लड़ाई की प्रथम अलख उठाई और देश को आजाद कराने के शहीद होना स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि निषाद समेत 193 जातियां आजादी के पांच साल 16 दिन बाद 31 अगस्त 1952 में आजाद हुई थी, जिनको डिनोटिफाइड ट्राइब्स एक्ट के तहत आजाद करवाया गया था।

किन्तु आजादी के बाद भी इन जातियों ने पूर्व की सरकारों का दंश झेला है। भूतपूर्व गृहमंत्री सरदार बल्लभ भाई पटेल द्वारा अन्था साइम्न अंगयार कमेटी बनाकर भी पता किया गया, जिसमें स्पष्ट बताया गया था कि विमुक्ति जनजातियों की दशा देश में एससी-एसटी से भी खराब है और 74 प्रकार की भिन्न-भिन्न सुविधाएं देकर विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाए। संजय निषाद ने मझवार आरक्षण पर उपस्थित पदाधिकारियों व कार्यकताओं में जोश भरते हुए कहा कि निषाद पार्टी का गठन पिछड़े, वंचितों और शोषितों के हक-हकूक को दिलवाने के लिए हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश कमेटी ने सर्वसम्मति से आरक्षण पर अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि मझवार आरक्षण निषाद समेत 17 उपजातियों का सवैंधानिक अधिकार है और आरक्षण के मुद्दे पर निषाद पार्टी कटिबद्ध है।

ब्राजील में एक्स पर प्रतिबंध, आदेश के उल्लंघन पर भरना होगा जुर्माना

एजेंसी

वाशिंगटन : ब्राजील के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर प्रतिबंध लगाने पर एलन मस्क ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। 'एक्स' आज के दौर में दुनिया का सर्वाधिक लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है। चर्चित अरबपति अमेरिकी उद्यमी एलन मस्क 'एक्स' के मालिक हैं। मस्क ने ब्राजील में एक्स के प्रतिबंध करने के फैसले पर टिप्पणी करते हुए इसे 21वीं सदी में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अभूतपूर्व हमलों में से एक कहा है। उल्लेखनीय है कि ब्राजील के सुप्रीम फेडरल कोर्ट के न्यायाधीश डी मोरेस ने शुक्रवार को देश में एक्स को निलंबित करने का आदेश दिया। न्यायाधीश मोरेस ने इससे पहले मस्क को 24 घंटे के अंदर अदालत को सूचित करने का आदेश दिया था कि ब्राजील में एक्स का नया कानूनी

प्रतिनिधि कौन होगा। उन्होंने चेताया था कि यह जानकारी न देने पर एक्स को निलंबित कर दिया जाएगा। मस्क के जवाब देने की समय सीमा गुरुवार शाम खत्म हो गई। एक्स ने शुक्रवार को कहा कि वह ब्राजील की एक अदालत के अवैध आदेशों का पालन करने से इनकार करता है। साथ ही तंज कसा कि वह एक्स के ब्राजील में बंद होने की उम्मीद करता है। सनद रहे इस माह के मध्य में एक्स ने सेंसरशिप और उपयोगकर्ता अकाउंट की जानकारी की मांग के साथ मोरेस का एक पत्र प्रकाशित किया था।

वमुक्त जातियों को मिलेगा उनका पूरा अधिकार : असीम अरूण

एजेंसी

लखनऊ : देश के स्वतंत्रता आंदोलन में विमुक्त एवं घुमंतु जातियों के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। 1857 की क्रांति में घर-घर कमल और रोटी पहुंचा कर क्रांति की पृष्ठिभूमि को तैयार करने में इन्होंने महत्वपूर्ण योगदान दिया था। इनके रण कौशल ने अंग्रेज हुकूमत को जमकर छकाया। ये बातें समाज कल्याण, अनुसुचित जाति एवं जनजाति कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरूण ने शनिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 73वें विमुक्त जाति दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं। इस मौके पर नरेंद्र कश्यप, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

- **विमुक्त जातियों ने अंग्रेजों के खिलाफ आजादी की लड़ाई में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका : नरेन्द्र कश्यप**

पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री अरूण ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार विमुक्त एवं घुमंतु जातियों के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक उत्थान के लिए कटिबद्ध है। इनको विकास की मुख्यधारा में जोड़ने तथा इनके चौमुखी विकास के लिए विभिन्न योजनाओं से

आच्छादित किया जा रहा है। राज्य सरकार इनको बुनियादी सुविधाएं जैसे आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली एवं पानी आदि उपलब्ध करा रही है। वर्तमान समय में इस समुदाय के छात्रों को शिक्षित करने के लिए राज्य सरकार प्रोत्साहित कर रही है। इनके लिए आवासीय और गैर आवासीय विद्यालय संचालित हो रहे हैं। बच्चों को शिक्षा के साथ कौशल विकास के मध्यम से रोजगारपरक संसाधनों से भी जोड़ा जा रहा है। इसके अतिरिक्त बच्चों को छात्रवृत्ति के साथ किताब, कॉपी, ड्रेस आदि भी सरकार द्वारा प्रदान की जाती है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि सरकार विमुक्त जातियों के लिए लगातार कार्य कर रही है। देश की आजादी को लेकर इस समुदाय ने ज्वाला जलाने का काम किया। इनके कल्याण के लिए कई योजनाएं संचालित हो रही हैं और आवश्यकता अनुसार अन्य सुविधाएं भी केंद्र व राज्य सरकार दे रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि केन्द्र और राज्य सरकार विमुक्त समुदाय को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कटिबद्ध है। कार्यक्रम में विमुक्त समुदाय से विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 15 लोगों सम्मानित किया गया। इसमें दो खिलाड़ी, तीन विभिन्न सरकारी विभागों में चयनित और 10 शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वाले लोग शामिल हैं। विमुक्त समुदाय से जुड़े कलाकारों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के मध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

संक्षिप्त खबरें

पहलवान विनेश फोगाट ने शंभू बार्डर पर पहुंचकर दिया किसानों को समर्थन

चंडीगढ़ : पेरिस ओलंपिक से लौटी पहलवान विनेश फोगाट शनिवार को शंभू बार्डर पर पहुंचकर धरने पर बैठे किसानों को समर्थन किया। किसान संगठनों ने विनेश फोगाट को सम्मानित किया। शंभू बार्डर पर चल रहे किसान आंदोलन के दो सौ दिन पूरे होने के अवसर पर वहां लगातार कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। विनेश फोगाट शुक्रवार को अमृतसर स्थित दरबार साहिब गई थीं। वहां से वापस लौटते समय विनेश शनिवार शंभू बार्डर पर पहुंच गई। किसान आंदोलन 2.0 के दो सौ दिन पूरे होने पर शंभू व खन्नौरी बॉर्डरों पर किसान महापंचायत हो रही थी। फोगाट इस कार्यक्रम में शामिल हुई। इस मौके पर विनेश फोगाट ने कहा कि किसान दो सौ दिन से यहां बैठे हैं। यह देखकर दुख होता है। वह सभी इस देश के नागरिक हैं। किसान देश को चलाते हैं। उनके बिना कुछ भी संभव नहीं है, एथलीट भी नहीं। अगर वह हमें खाना नहीं खिलाएंगे, तो हम प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएंगे। कई बार हम असहाय होते हैं और कुछ नहीं कर पाते हैं। फोगाट ने कहा कि हम इतने बड़े स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन हम अपने परिवार के लिए कुछ नहीं कर पाते हैं, भले ही हम उन्हें दुखी देखते हों। मैं सरकार से आग्रह करती हूं कि किसानों की बात सुननी चाहिए। उन्होंने पिछली बार अपनी गलती स्वीकार की थी, उन्हें अपने वादे पूरे करने चाहिए। अगर लोग इस तरह सडकों पर बैठे रहेंगे तो देश आगे नहीं बढ़ेगा।

आपदा प्रबंधन और स्वच्छता पर छात्र-छात्राओं को किया गया जागरूक

हरिद्वार : इंडियन रेडक्रॉस के तत्वाधान एवं इंडियन रेडक्रॉस सचिव डॉ. नरेश चौधरी के संयोजन में सरस्वती विद्या मंदिर मायापुर इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं को आपदा प्रबंधन एवं स्वास्थ्य स्वच्छता के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कर जागरूक किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ इंडियन रेडक्रॉस सचिव डॉ. नरेश चौधरी एवं सरस्वती विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य अजय कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रवज्जलित कर किया। कार्यशाला में डॉ. नरेश चौधरी ने आपदा प्रबंधन पर विशेष रूप से विस्तृत जानकारियां देते हुए प्रतिभागियों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि दैवीय आपदाओं को रोका नहीं जा सकता परन्तु जागरूकता व समय रहते हुए की गई तैयारियों से जनहानि और आर्थिक हानि को भी न्यूनतम किया जा सकता है। डॉ. नरेश चौधरी ने कहा कि 2013 में आई हुई केदारनाथ दैवीय आपदा के समय बहुत कम संसाधन हमारे उत्तराखंड प्रदेश पर थे,जिसकी वजह से लगभग 6000 जन हानि हुई,इसके बाद प्रदेश में संसाधनों को सुदृढ़ किया गया। जन समाज को जागरूक किया गया जिससे 2013 के बाद आई हुई आपदाओं में जनहानि, आर्थिक हानि, पशु हानि को सीमित किया जा सका। डॉ. करिश्मा जोशी और डॉव प्रज्ञा ने स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पर प्रतिभागियों को जागरूक किया। अंत में सरस्वती विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य अजय कुमार ने इंडियन रेडक्रॉस सचिव डॉ. नरेश चौधरी एवं रेडक्रॉस स्वयंसेवक, डॉ. करिश्मा तथा डॉ. प्रज्ञा का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यशाला में कॉलेज के सभी अध्यापकों, अध्यापिकाओं के साथ 600 छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में तेज बारिश के बीच भूस्खलन, 4 की मौत, 9 घायल

विजयवाड़ा : आंध्र प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में शुक्रवार से लगातार हो रही तेज बारिश के बीच तीन स्थानों पर हुए भूस्खलन में चार लोगों की मौत हो गयी जबकि 9 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटनास्थल पर राहत एवं बचाव कार्य जारी हैं। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने राज्यभर में बाढ़ जैसे हालात की समीक्षा की और अधिकारियों को राहत एवं बचाव के लिए जरूरी दिशा निर्देश दिए। राजस्व विभाग के अधिकारियों के मुताबिक विजयवाड़ा के चूना भट्ठा केंद्र में भूस्खलन से एक मकान धराशायी हो गया। इसमें चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। तेज बारिश के कारण हुए भूस्खलन में विजयवाड़ा पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में दो जगहों पर मकान ढह गए। मौके पर बचाव कार्य जारी है। कर्मचारी दो जेसीबी से मलबा हटा रहे हैं। मलबे में नौ लोग फंस गए थे। उन्हें निकाल कर अस्पताल ले जाया गया, जिसमें से चार की मौत हो गई। बाकी लोग सुरक्षित हैं। मुख्यमंत्री ने अमरावती के सचिवालय में बंगाल की खाड़ी में आए चक्रवात और राज्य भर तेज बारिश को लेकर राजस्व पुलिस और अन्य विभागों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक कर हालात की समीक्षा की। राज्यभर में शिक्षण संस्थानों को अगले आदेश तक बंद रखने का निर्णय लिया गया। इस बीच दक्षिण मध्य रेलवे विजयवाड़ा ने अगले 3 दिनों तक विजयवाड़ा से होकर गुजरने वाले 20 से अधिक पैसेंजर रेल गाड़ियों को रद्द कर दिया है। तेज बारिश के कारण विजयवाड़ा पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में कई मकान ढह गए हैं। शहर जलमग्न हो गया है और कई जिलों के बीच यातायात ठप हो गया है। उधर विजयवाड़ा पूर्व विधानसभा क्षेत्र के विधायक गड्डे राममोहन ने घटनास्थल का जायजा लिया। इस घटना में एक घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि तीन अन्य घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। अधिकारियों ने कहा कि जब वे मलबा हटाने के प्रयास में थे उसी दौरान एक बार फिर भूस्खलन हुआ। इस दौरान गंभीर रूप से घायल 5 लोगों को अस्पताल ले जाया गया।

दिल्ली कोचिंग हादसे के छह आरोपी चार दिन की सीबीआई हिरासत में

नई दिल्ली : दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने ओल्ड राजेंद्र नगर के राउज आईएएस स्टडी सर्कल में तीन छात्रों की मौत के मामले में गिरफ्तार छह आरोपितों को चार दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया है। शनिवार को यह आदेश एडिशनल चीफ जुडिशियल मजिस्ट्रेट निशांत गर्ग ने दिया है। ओल्ड राजेंद्र नगर के राउज आईएएस स्टडी सर्कल में तीन छात्रों की मौत के मामले में छह आरोपितों की न्यायिक हिरासत आज खत्म हो रही थी। सीबीआई ने कोर्ट से सभी आरोपितों की हिरासत की मांग की थी। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली हाई कोर्ट ने 2 अगस्त को इस मामले की सीबीआई जांच का आदेश दिया था। ऐसे में आरोपितों की भूमिका की जांच के लिए उनकी हिरासत में पूछताछ जरूरी है। इसके बाद कोर्ट ने आरोपितों अभिषेक गुप्ता, देशपाल सिंह, तेजिंदर सिंह, हरविंदर सिंह, सरबजीत सिंह और परविंदर सिंह को सीबीआई हिरासत में भेजने का आदेश दिया। दिल्ली पुलिस ने 29 जुलाई को राउज आईएएस स्टडी सर्कल के चारों सह मालिकों और थार चालक को गिरफ्तार किया था। 28 जुलाई को कोचिंग के मालिक अभिषेक गुप्ता और कोआर्डिनेटर देशपाल सिंह को गिरफ्तार किया गया था। दिल्ली पुलिस ने इन आरोपितों के अलावा बिल्डिंग मैनेजमेंट सिस्टम की देखरेख करनेवाले निगमकर्मियों और दूसरे आरोपितों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। उल्लेखनीय है कि राउज आईएएस स्टडी सर्कल के बेसमेंट में लाइब्रेरी स्थित है। इस लाइब्रेरी में यूपीएससी की तैयारी कर रहे छात्र पढ़ाई कर रहे थे। इस बेसमेंट में अचानक आए पानी में फंस कर एक छात्र और दो छात्राओं की मौत हो गई थी।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रधान संपादक-देवेंद्र सिंह*** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**